



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 16, 1978 (अग्रहायण 25, 1900)
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 16, 1978 (AGRAHAYANA 25, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० ए 35017/1/77-प्रशा० II—महालेखापाल, पंजाब, चंडीगढ़ के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री जे० जी० कोठड़ को उनकी प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के फलस्वरूप 3-11-78 के पूर्वाह्न से प्रथमतः एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में, सामान्य केन्द्रीय सेवा में, लेखा अधिकारी—राजपत्रित श्रेणी-II पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव,
कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए 19013/3/78-प्रशा०-I—भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री बी० एन० सोम को राष्ट्रपति द्वारा 15 नवम्बर 1978 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 नवम्बर 1978

सं० ए 12024/3/78 प्रशा० I—भारतीय प्रशासन सेवा (ग्रान्ध प्रदेश संवर्ग) के श्री के० सुब्रामण्यम को राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में रु० 2500-125/2-2750 के वेतनमान में 1-11-78 से, अगले आदेश तक, 1—376GI/78

(7683)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० ए 32014/1/78-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सा मने दर्शायी गई अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो,

उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	अवधि जिसके लिये अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया
1.	श्री एच० एस० भाटिया	1-11-78 से 28-2-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए।
2.	श्री के० एल० शर्मा	1-11-78 से 28-2-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
3.	श्री बी० आर० बसरा	18-11-78 से 31-1-79 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
4.	श्री आई० जे० शर्मा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
5.	श्री एस० के० अरोड़ा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये। प्र० सु० का० और विभाग के का० शा० सं० 12/1/74-सी० एस० (i) दिनांक 11-12-75 का अनुसरण करते हुए श्री एस० के० अरोड़ा को, जब तक वह अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं, डेस्क अधिकारी पुनर्पदित किया गया है तथा वह अनुभाग अधिकारी के वेतन के अतिरिक्त रु० 75 प्रति माह विशेष वेतन लेंगे।
6.	श्री आर० के० जसूजा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए।
7.	श्री एस० एन० शर्मा	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
8.	श्री जय नारायण	1-11-78 से 31-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।
9.	श्री आर० के० गोयल	22-10-78 से 23-12-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये।

दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए 32014/1/78 प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० एस०स्टे० से० ग्रेड ग) के स्थायी वैयक्तिक सहायक

तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को, जिन्हें समसंख्यक आदेश दिनांक 30-9-78 के द्वारा 30-10-78 तक पूर्ण अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक नियुक्त किया गया था, को राष्ट्रपति द्वारा 1-11-78 से 31-12-78 तक 2 माह की अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अनन्तिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर है और उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा। उनकी नियुक्ति कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अनुमोदन की शर्तों पर ही होगी।

एस० बालचन्द्र,
अवर सचिव (प्रशा०),
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० एस 158/67-प्रशासन-5—उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एस० रथ जो केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर थे, ने दिनांक 3-10-78 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19036/16/76-प्रशासन-5—उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० पटनायक पुलिस उप-अधीक्षक जो केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर थे ने दिनांक 18-11-78 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं राज्य प्राधिकरण को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए-19036/34/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, पंजाब राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अम्बाला शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री रतवीर सिंह को दिनांक 20-11-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

रिपुदमन सिंह
प्रशासन अधिकारी (लेखा),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो-8/76-स्थापना—श्री पी० सी० दास, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने असम संवर्ग में प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महानिरीक्षक, सैक्टर-4, शिलांग के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-78 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

सं० ओ० दो०-1072/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डाक्टर आर० मोहन पिल्ले 21वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्यागपत्र दिनांक 18 सितम्बर, 1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया है।

सं० ओ० दो-3/78-स्थापना—राष्ट्रपति श्री एस० दत्त चौधरी, गुजरात संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री चौधरी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक, सैक्टर-4, शिलांग के पद का कार्यभार दिनांक 7 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से सम्भाला।

दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० ओ० दो०-451/69-स्थापना—राष्ट्रपति श्री आई० जे० सिंह को तदर्थ पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेंट के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री आई० जे० सिंह ने सहायक कमाण्डेंट, महानिरीक्षक कार्यालय सैक्टर-1 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-78 के अपराह्न में छोड़ा तथा कमाण्डेंट 44 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 7-11-78 के अपराह्न से संभाला।

। ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ई०-32015(1)/8/74-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर ले० कर्नल टी० के० जार्ज ने 31 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० ए० सी० टी० उद्योगमण्डल के कमाण्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री आत्माजीत सिंह खतुरिया ने श्री एम० के० कोहली के स्थान पर दिनांक 16 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एच० ए० एल० पिम्परी के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। नई दिल्ली

में स्थानांतरित होने पर श्री एस० के० कोहली ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—विशाखापटनम् से स्थानांतरित होने पर श्री एम० आर० दिनेशन ने श्री जी० के० थामस सहायक कमाण्डेंट के स्थान पर दिनांक 12 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एफ० ए० सी० टी० उद्योगमण्डल के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

कोचीन पोर्ट ट्रस्ट, कोचीन में सतर्कता अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर, श्री के० जी० थामस ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—स्थानांतरित होने पर श्री सी० डी० कुकरेती ने दिनांक 21 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० ई-16013(1)/3/76-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर प्रत्यावर्तित होने पर श्री हंसराज स्वान, आई० पी० एस० (हरियाणा-57) ने दिनांक 13 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक (प्रशा० व इण्ड) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—ट्राम्बे से स्थानांतरित होने पर श्री पी० एस० नन्दल ने दिनांक 2 नवम्बर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात संयंत्र भिलाई के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—नांगल से स्थानांतरित होने पर श्री एस० के० जैमन ने दिनांक 8 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—स्थानांतरण होने पर श्री के० पी० नायर ने दिनांक 18 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० एस० आर० ओ० थुम्बा के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 28 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एम० ए० पी० पी० कलपक्कम, के सहायक कमाण्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(1)/1/78-कार्मिक—कोलम्बो प्लान के अन्तर्गत विदेश में प्रशिक्षण तथा छुट्टी की समाप्ति पर श्री बलदेव राज लूथरा आई० पी० एस० (म० प्र०-60) ने दिनांक 13 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय,

नई दिल्ली के उप महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिरीक्षक, के० औ० सु० ब०

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० 7-एफ० सी० 2(7)-ए/77—भारतीय आर्थिक सेवा के ग्रेड IV के स्थायी अधिकारी और सातवें वित्त आयोग के अध्यक्ष के भूतपूर्व निजी सचिव श्री प्रहलाद धवन को उसी आयोग में 1 नवम्बर 1978 से 31 दिसम्बर, 1978 (अप्रकाशित) तक दो महीने की बढ़ाई गई अवधि के लिए 1100-1600 रुपए के वेतनमान में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

शान्ति कुमार दासगुप्त,
निदेशक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० स्थापना-1/326—श्री जी० व्ही० रामसुब्बन, स्थानापन्न, लेखा अधिकारी को, भारत सरकार के गृह मन्त्रालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग, के कार्यालय ज्ञापन क्रमांक-25013/7/77 एस्टे० (ए) दिनांक 26-8-77 द्वारा चालू की गई स्वैच्छिक शासकीय सेवा निवृत्त योजना के अनुसार, दिनांक 1-10-1977 पूर्वाह्न से, स्वैच्छिक शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कृष्ण गोपाल,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा विभाग महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 68018(2)/71-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री अरुण कुमार लाल (मंत्रि-मण्डल सचिवालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग, गृह मन्त्रालय में उप सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए दिनांक 23 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त "अनुक्रम नियम" के अधीन, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 4769/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा सेवा के एक अधिकारी को श्री बहादुर मुराव (औद्योगिक) लागत तथा मूल्य ब्यूरो में सदस्य के रूप में प्रतिनियुक्ति पर (ब्यूरो आफ इन्डस्ट्रियल कास्ट एण्ड प्राइसेज) दिनांक 31 अक्टूबर, 1978 (अप्रकाशित) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गए और तदनुसार उनका नाम, रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहा।

आर० एल० वक्शी,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मन्त्रालय

महानिदेशालय, आर्डिनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डिनेन्स, फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० 72/जी०/78—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकारीगण को स्थानापन्न महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड)—स्तर-II/ डी० डी० जी० ओ० एफ०-स्तर-II के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री जी० एन० रामाशेषन् --20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-I
- (2) श्री जे० सी० मरवहा, --20 जुलाई, 1978
स्थायी महाप्रबन्धक
ग्रेड-1
- (3) श्री आर० के० चैल्लम, --20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न महाप्रबन्धक/ग्रेड-I
- (4) श्री बी० बी० कर्माकर, --20 जुलाई, 1978
स्थानापन्न ए० डी० जी०
ओ० एफ०/ग्रेड-I

सं० 73/जी०/78—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारीगण को स्थानापन्न प्रबन्धक/सीनियर डी० ए० डी० जी० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री टी० के० बनर्जी, --1ली जुलाई, 1978
स्थायी उप-प्रबन्धक
- (2) श्री एम० मित्रा, --2री सितम्बर, 1978
स्थायी डी० ए० डी० जी०
- (3) श्री ए० रामामूर्ति, --2री सितम्बर, 1978
स्थायी डी० ए० डी० जी०

सं० 74/जी०/78—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारीगण को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री रजनीश कुमार, --22 अप्रैल, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक

- (2) श्री बालभुषण, —22 अप्रैल, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक
- (3) श्री एस० एस० आर० जायदी, —22 अप्रैल, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक
- (4) आर० पी० शर्मा, —22 अप्रैल, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक
- (5) श्री वी० एस० शिखर, —22 अप्रैल, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक
- (6) श्री बी० जे० रजाह, —22 अप्रैल, 1978
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक
- (7) श्री के० जी० नायर, —22 अप्रैल, 1978
स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक
- (8) श्री आर० कृष्णन, —16 जून, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक
- (9) श्री एस० रामामूर्ति, —16 जून, 1978
स्थायी सहायक प्रबन्धक
- (10) श्रीमती मीनाक्षी सेठ, —10 अगस्त, 1978
सहायक प्रबन्धक
(परखावधि)
- (11) श्री एच० के० नरुला, —10 अगस्त, 1978
सहायक प्रबन्धक
(परखाधीन)

दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 77/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एच० पी० चटर्जी, स्थानापन्न अफसर सुपरवाइजर (मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 30 सितम्बर, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 78/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० एल० मुखर्जी, स्थानापन्न अफसर सुपरवाइजर (मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ०) दिनांक 30 सितम्बर, 1978 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० 79/78/जी०—राष्ट्रपति जी, श्री सोमेन्द्र यमदग्नि को सहायक प्रबन्धक (परखाधीन) के पद पर दिनांक 6 जनवरी, 1978 से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक
आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मन्त्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विभाग केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० 17/18/78-प्रशासन—महानिदेशक ने श्री प्रेम बहादुर पाल को अनुसन्धान अधिकारी (रसायन) के पद पर

दिनांक 4 नवम्बर, 1978 पूर्वाह्न से क्षेत्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र कलकत्ता में जो इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय के अधीन कार्यालय है में अगले आदेशों तक नियुक्ति की जाती है।

ए० के० चक्रवर्ती,
महाप्रबन्धक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/440/56-प्रशासन (रजि०)/8319—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय कलकत्ता में, श्री आर० एन० घोष, नियंत्रक, आयात-निर्यात ने 31 अक्तूबर, 1978 को दोपहर बाद से, उपर्युक्त कार्यालय में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/893/70 प्रशासन (राज०)/8326—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी क्रम के अधिकारी श्री एच० एस० प्रेमचन्दानी ने दिनांक 31 अक्तूबर, 1978 को दोपहर के बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० वें० शेषाद्रि
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, हथकरघा विकास आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1978

सं० ए०-12025/2/75-ई० आई०/डी० सी० एच० प्रशा० II—राष्ट्रपति, श्री चक्रधर दत्ता को 6 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र कलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (संसाधित) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

(कु०) रेणु साहनी।
उप-विकास आयुक्त (हथकरघा)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० सी० ई० और०/4/78—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 31 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ कि कताई मिल रखनेवाला प्रत्येक उत्पादक एक्राईलिक फाइबर के आयात और उपभोग के बारे में सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न किये गये प्रपत्र में वस्त्र आयुक्त, आर्थिकी शाखा, बम्बई को प्रस्तुत करेगा :—

1. नवम्बर, 1978 के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि के लिये 31 दिसम्बर, 1978 तक या उससे पहले; और
2. दिसम्बर, 1978 से प्रारंभ होकर बाद में प्रत्येक मास की अवधि के लिये उस मास से अगले मास की 10 तारीख तक या उससे पहले

प्रपत्र

..... मास/को समाप्त हुई अवधि के लिये एक्राईलिक फाइबर की आयात, खपत और स्टॉक दर्शाता विवरण पत्र

(1) अभिज्ञान विवरण

क्र० सं०	मद	विवरण	कोड
(0)	(1)	(2)	(3)
11	राज्य		
12	*मास/को समाप्त अवधि		
13	ईकाई की क्रम संख्या		
14	क्षेत्र	*रई ऊन आर्टिसिस्क	*1/2/3

(2) आयात लायसेन्स का विवरण

क्र० सं०	लाइसेन्स संख्या/तारीख	परिमाण (किलोग्राम)	मूल्य (रुपए)
(0)	(1)	(2)	(3)
21			

*अनावश्यक काट दीजिए।

विनिर्माता का नाम :

पता :

(3) एक्राईलिक फाइबर का आयात, खपत और स्टॉक

क्र० सं०	मद	एल० सी० खोलने की तारीख	एल० सी० का मूल्य रु०	परिमाण किलो-ग्राम	पूर्वशेष किलो-ग्राम	अवधि/मास में हुआ कुल आयात किलोग्राम	लोकल खरीदी किलो-ग्राम	अवधि/मास में खपत किलोग्राम	अवधि/मास के अन्त में शेष स्टॉक किलोग्राम	अभ्युक्ति
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	आयातित									
32	देशी									
40	कुल									

*सूचना : 31 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत किये जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त स्तंभ (6), (8) और (9) में चाही गई सूचना एक्राईलिक फाइबर के आयात प्रारंभ होने से लेकर नवम्बर, 1978 तक की अवधि के लिये होनी चाहिये।

सं० 5(2)/78-सी०एल०बी० II—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खण्ड 10 में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ कि कृत्रिम रेशमी सूत (आर्ट सिल्क यार्न) का प्रत्येक विनिर्माता एकाइलिक फाइबर के आयात और उपभोग के बारे में सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न किए गए प्रपत्र में वस्त्र आयुक्त, आर्थिकी शाखा, बम्बई को प्रस्तुत करेगा :—

1. नवम्बर, 1978 के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि के लिए 31 दिसम्बर, 1978 तक या उससे पहले; और
2. दिसम्बर, 1978 से प्रारंभ होकर बाद में प्रत्येक मास की अवधि के लिये उस मास से अगले मास की 10 तारीख तक या उससे पहले।

प्रपत्र

..... मास/को समाप्त हुई अवधि के लिये एकाइलिक फाइबर की आयात, खपत और स्टॉक दर्शाता विवरण पत्र

(1) अभिज्ञान विवरण

(2) आयात लाइसेन्स का विवरण

क्रम संख्या	मद	विवरण	कोड	क्रम संख्या	लाइसेन्स सं०/ तारीख	परिमाण (किलोग्राम)	मूल्य (रुपये)
(0)	(1)	(2)	(3)	(0)	(1)	(2)	(3)
11	राज्य			21			
12	*मास/को समाप्त अवधि						
13	ईकाई की क्रम संख्या						
14	क्षेत्र	*रुई ऊन आर्टसिल्क	*1/2/3				

*अनावश्यक काट दीजिये।

विनिर्माता का नाम :

पता :

(3) एकाइलिक फाइबर का आयात, खपत और स्टॉक

क्रम सं०	मद	एल० सी० खोलने की तारीख	एल० सी० का मूल्य रु०	परिमाण किलो-ग्राम	पूर्वशेष किलो-ग्राम	अवधि/मास में हुआ कुल आयात किलोग्राम	लोकल खरीदी किलो-ग्राम	अवधि/मास में खपत किलोग्राम	अवधि/मास के अन्त में शेष स्टॉक किलोग्राम	अभ्युक्ति
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	आयातित	×	×	×						
32	देशी									
40	कुल									

*सूचना : 31 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत किये जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त स्तंभ (6), (8) और (9) में चाही गई सूचना एकाइलिक फाइबर के आयात आरंभ होने से लेकर नवम्बर, 1978 तक की अवधि के लिये होनी चाहिये।

सं० 7(2)/78-सी०एल०बी० II—ऊनी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खण्ड 10 में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ कि ऊनी सूत का प्रत्येक विनिर्माता एकाइलिक फाइबर के आयात और उपभोग के बारे में सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न किए गये प्रपत्र में, वस्त्र आयुक्त, आर्थिकी शाखा, बम्बई को प्रस्तुत करेगा :—

- नवम्बर, 1978 के अंतिम दिन समाप्त हुई अवधि के लिये 31 दिसम्बर, 1978 तक या उससे पहले ; और
- दिसम्बर, 1978 से प्रारंभ होकर बाव में प्रत्येक भाग की अवधि के लिये उस मास से अगले मास की 10 तारीख तक या उससे पहले ।

प्रपत्र

..... मास/को समाप्त हुई अवधि के लिये एकादलिक फाइवर की आयात, खपत और स्टॉक दर्शाता विवरण पत्र

(1) अभिज्ञान विवरण

(2) आयात लाइसेन्स का विवरण

क्रम संख्या	मद	विवरण	कोड	क्रम संख्या	लाइसेन्स संख्या/तारीख	परिमाण (किलोग्राम)	मूल्य (रुपये)
(0)	(1)	(2)	(3)	(0)	(1)	(2)	(3)
11	राज्य			21			
12	*मास/को समाप्त अवधि						
13	ईकाई की क्रम संख्या						
14	क्षेत्र	*रुई ऊन आर्टेसिलक	*1/2/3				

*अनावश्यक काट की लिए ।

विनिर्माता का नाम :

पता :

(3) एकादलिक फाइवर का आयात, खपत और स्टॉक

क्रम सं०	मद	एल०सी० खोलने की तारीख	एल०सी० का मूल्य रु०	परिमाण किलो-ग्राम	पूर्व शेष किलो-ग्राम	अवधि/मास में हुआ कुल आयात किलोग्राम	लोकल खरीदी किलो-ग्राम	अवधि/मास में खपत किलोग्राम	अवधि/मास के अन्त में शेष स्टॉक किलोग्राम	अभ्युक्ति
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	आयातित	×	×	×		×				
32	देशी									
40	कुल									

*सूचना : 31 दिसम्बर, 1978 तक प्रस्तुत किये जाने वाले प्रपत्र के उपर्युक्त स्तंभ (6), (8) और (9) में चाही गई सूचना एकादलिक फाइवर के आयात प्रारंभ होने से लेकर नवम्बर, 1978 तक की अवधि के लिये होनी चाहिये ।

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० 8065बी०/13/76 (डी० के० आर० सी०)/19ए—
मैसर्स जेसप एण्ड कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता से परावर्तन पर
उसी क्षमता में श्री डी० के० राय चौधुरी ने सहायक लागत लेखा
अधिकारी के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में
1 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

दिनांक 23 नवम्बर 1978

शुद्धि-पत्र

सं० 8117बी०/30/75/19सी०—इस कार्यालय के दिनांक
10-2-77 की अधिसूचना संख्या 30/75/19सी० के क्रमांक
50 में उल्लिखित भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के शिफ्ट बास
श्री सी० एल० बी० आर० अजनेयुलु का नाम निकाल दिया
जाय।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 19012/106/78-स्था० ए०—श्री एस० एम०
दांडेकर, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञानिक) को दिनांक
24 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने
तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग "अ" के पद में नियमित आधार
पर स्थानापन्न सहायक खान भूवैज्ञानिक के रूप में पदोन्नति प्रदान
की जाती है।

दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० ए० 19012(16)70-स्था० ए०—भारतीय खान
ब्यूरो के स्थायी हिन्दी अनुवादक और स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी
अनुवादक श्री बी० बी० शुक्ला को 2 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न
से आगामी आदेश तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न हिन्दी अधि-
कारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

सं० ए० 19012/43/76-स्था० ए०—भारतीय खान
ब्यूरो के स्थानापन्न उप पुस्तकाध्यक्ष श्री डी० एन० धारे को 7
नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक स्थानापन्न
पुस्तकाध्यक्ष के रूप में पदोन्नति की गई है।

एस० बालगोपाल
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

सं० 9/10/78-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी,
समाचार सेवा प्रभाग/विदेश सेवा प्रभाग में काम करने वाले
2-376 GI/78

निम्नलिखित वरिष्ठ ग्रेड आशुलिपिकों की, समाचार सेवा
प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, उनके नामों के सामने दी
गई तारीखों से, अगले आदेश तक, रिपोर्टर (मानिटिंग) के
पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं—

1. श्री जे० एन० अग्निहोत्री 17-7-78 (पूर्वाह्न)
 2. श्री ओ० एन० मेहरोत्रा 24-7-78 (पूर्वाह्न)
- एस० बी० सेपाद्री
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 20 नवम्बर 1978

सं० ए० 12026/7/75-सिबन्दी I—फिल्म प्रभाग के
प्रमुख निर्माता ने फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थायी अधीक्षक श्री
विहू आर० पेसवानी को दिनांक 17-11-1978 के पूर्वाह्न
से समान कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक
प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० चन्वन नायर
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० ए० 32015/4/78-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ
तकनीकी सहायक श्री जे० के० लाल को 13 जनवरी, 1978 के
अपराह्न से आगामी आदेशों तक परिवार कल्याण विभाग में
सहायक डीपू मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया
है।

दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० ए० 12025/6/76-स्टोर-I—संघ लोक सेवा आयोग
द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति ने केन्द्रीय
खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता के सूक्ष्म जीव विज्ञानी डा०
मनोहर लाल दीर्घान को 1 नवम्बर 1978 से आगामी
आदेशों तक जीव प्रयोगशाला तथा पशुधर सरकारी चिकित्सा
स्टोर डीपू सद्रास में निदेशक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त
किया है।

सं० क० कर्णाक
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1978

सं० ए० 19023/57/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति
समिति की सिफारिशों के अनुसार श्री के० एस० निशाल, जोकि

तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग II) के रूप में काम कर रहे हैं, को इस निदेशालय में नई दिल्ली में दिनांक 6-11-78 से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० ए० 19025/56/78-प्र० III—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों के अनुसार श्री बी० के० मित्तल जो अल्पकालीन आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) के रूप में काम कर रहे हैं, को दिनांक 6-11-78 में अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग III) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/64/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री नन्द लाल सिंह जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, को दिनांक 31-8-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/109/78-प्र० III—श्री बी० एल० वैरागर वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय पणजी (गोवा) में दिनांक 9-11-78 से 31-12-78 तक या जब तक नियमित आधार पर पद भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1), नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/113/78-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री योगेन्द्र कुमार पाण्डेय को इस निदेशालय में पटना में दिनांक 7-11-1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशासन
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400085, दिनांक 22 नवम्बर 1978

सं० एस०/3563/चिकित्सा/स्थापना 1/4578—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इस केन्द्र के डा० संपिने ननजुडिया श्रीनाथ, अस्थाई स्थानिक चिकित्सा अधिकारी का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 3 अक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया है।

2. यह माना गया है कि डा० श्रीनाथ ने दिनांक 3 अक्टूबर, 1978 (पूर्वाह्न) को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एम० एस० राव,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० डी० पी० एस०/41(1)/77-प्रशासन/28310—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना, दिनांक 18 सितम्बर, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के अस्थाई क्रय सहायक श्री जी० बी० वर्तक को, सहायक क्रय अधिकारी पद पर, अग्रिम समय 31 दिसम्बर, 1978 तक, तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० प० ख० प्र०/1/14/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री आफताब अहमद किदवाई की परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०/1/14/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा, श्री नाजिर अहमद भट को परमाणु खनिज प्रभाग में, दिनांक 1 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० वाई० गोखले,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

सिविल इंजीनियरी वर्ग

कलपक्कम-603102, दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं० सी० ई० जी०/1(6)/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग परियोजनाओं के कलपक्कम स्थित सिविल इंजीनियरी वर्ग के मुख्य इंजीनियर (सिविल) अस्थायी पर्यवेक्षकों (सिविल) सर्वश्री के० वेंकटरमानी और जी० चन्नप्पा को 1 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से अगल आदेश तक के लिए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलपक्कम में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

श्री वी० एस० वेंकटेश्वरन,
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलूर-560025, दिनांक 13 नवम्बर 1978

सं० 10/3(41)/74-सि० इ० प्र० (मु०)—अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता

श्री एल० एन० नेवगी, इंजीनियरी-एस० बी० का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 7 जुलाई, 1978 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

पी० आई० यू० नम्बियार,
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० ए० 32013/15/76-ईसी—इस विभाग की दिनांक 29 जुलाई, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ईसी के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को, जो इस समय तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे, दिनांक 19-9-1978 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्री एस० के० शर्मा		वैमानिक संचार स्टेशन, पालम
2. श्री डी० के० शर्मा		रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली।
3. श्री डी० पी० अग्निहोत्री		नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
4. श्री बी० राम कृष्णन		वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।
5. श्री के० एन० के० पोद्दुवाल		वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
6. श्री ए० के० टिक्कू		नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।
7. श्री डी० बी० सूच		वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।

सं० ए० 32013/9/77-ई सी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार संभालने की तारीख से छः माह की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। पद का कार्यभार संभालने की तारीख तथा तैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए हैं :—

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार संभालने की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री				
1. श्री एन० गाडबोल	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, बम्बई	22-9-77 (पूर्वाह्न)
2. श्री के० शर्मा	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली	11-10-77 (पूर्वाह्न)
3. एम० के० पाल	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	28-9-77 (पूर्वाह्न)
4. पी० जे० अय्यर	वैमानिक संचार कलकत्ता	वैमानिक संचार कलकत्ता	वैमानिक संचार कलकत्ता	3-10-77 (पूर्वाह्न)

सत्य देव शर्मा,
उप निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई 40000, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1/188/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय बम्बई के स्थायी अधीक्षक, श्री नी० वि० पद्मनाभन को 11ीं सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/9/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के तकनीकी सहायक, श्री पी० बी० पेरूमल को बिल्कुल तदर्थ आधार पर 2 मई, 1978 से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/4/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री डी० डी० मलहोत्रा को अल्पकालीन खाली जगह पर 7-11-1977 से 24-12-1977 (दोनों दिनों को मिलाकर) तक की अवधि

के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर,
निदेशक (प्रशा०)
कुले महानिदेशक,

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 16 नवम्बर 1978

सं० 11(7)1-स्थापना/77/11481—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के श्री एस० के० मिश्रा, सहायक समाहर्ता अपनी सेवा की आयु पूरी कर दिनांक 30-9-1978 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

डी० के० सरकार,
समाहर्ता

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 25 नवम्बर 1977

सं० ए०-32014/1/77-प्रशा० पांच (खण्ड-दो)—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-ख) की सिफारिशों के आधार पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, इस समय अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर की हैसियत से तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे श्री ए० जी० मजूमदार, पर्यवेक्षक को उसी ग्रेड में नियमित आधार पर, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 23 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश तक, स्थानापन्न क्षमता में, नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० जी० मजूमदार, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर 23-11-1977 से दो वर्ष पर्यन्त परीक्षा पर रहेंगे।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री योगीराज पोद्दीक्ष प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1978

सं० 560/1493/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स श्री योगीराज पोद्दीक्ष प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स आबकार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21-11-78

सं० 560/1926/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स आबकार बेनीफीट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स श्री वासुकी पोद्दी वर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21-11-78

सं०/560/2467/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स श्री वासुकी पोद्दी वर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स अकोटा पॅल्ट्री फार्म प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21-11-78

सं०/560/2493/सी० पी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स अकोटा पॅल्ट्री फार्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स मालव वूडन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

वालियर दिनांक 22 नवम्बर, 1978

सं० 1263/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स मालव वूडन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स मध्य भारत एग्रो अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, 23-11-78

सं० 1143/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स मध्य भारत एग्रो अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी मध्य भारत एग्रीकल्चर एण्ड होटिकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1142/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी मध्य भारत एग्रीकल्चर एण्ड होटिकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी ग्वालियर फूड प्रोबर्स एण्ड कल्टीवेटर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1152/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी ग्वालियर फूड प्रोबर्स एण्ड कल्टीवेटर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स दी ग्वालियर लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1144/ए०/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स दी ग्वालियर लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धौलपुर फूड प्रोबर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1200/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर फूड प्रोबर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स धौलपुर लेण्ड डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

सं० 1195/ए०/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेसर्स धौलपुर लेण्ड डेवलपमेंट

कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और गीतांजलि प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 841/560 (3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गीतांजलि प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पान्डिचेरी युनैटेड फैनानसियल अन्ड टरेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 25 नवम्बर 1978

सं० 42/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पांडिचेरी युनैटेड फैनानसियल अन्ड टरेडिंग कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० आर० वी० वी० सत्यनारायना
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किन्तु कदवु ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक

सं० 4518/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि किन्तु कदवु ट्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विक्रमादित्या ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1978

सं० 4380/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि विक्रमादित्या ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1978

धनकर/दान कर

सं० जुरी-दिल्ली/1/78-79/29903—धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 8एए और दान-कर अधिनियम, 1958 की धारा 7एए की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धनकर/दानकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि धन-कर/दान-कर अधिकारी, कम्पनी, सर्किल-20, नई दिल्ली को किसी क्षेत्र या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या आय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में प्रदान की गई या सौंपी गई किसी भी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग

या निष्पादन समवर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, रेन्ज-1 ई० करेंगे।

2. धन-कर/दान-कर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली, कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए निरीक्षीय सहायक धनकर/दानकर आयुक्त, रेज-1-ई० को धन-कर अधिनियम की धारा 8 एए/दानकर अधिनियम की धारा 7एए की उपधारा (2) में अवेक्षित आदेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

3. यह अधिसूचना 23-11-78 से लागू होगी।

क० न० बुटानी
आयकर आयुक्त दिल्ली-1, नई दिल्ली।

बम्बई-20, दिनांक 23 नवम्बर 1978

आयकर प्रतिष्ठान

सं० 575.—श्री एन० के० बाम, कर वसूली अधिकारी, डी-2 वार्ड, बम्बई को एतद्वारा आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 (वर्ग-ख) के मौलिक पद पर 1-8-1977 से लगा कर नियुक्त किया जाता है।

कंवल कृष्ण
आयकर आयुक्त
बम्बई नगर-7, बम्बई।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए-163/गी०/78-79/2464-65—अतः

मुझे एस० सजुमदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी वाग सं० 298 पत्ता सं० 19 बेलटोला मौजा, गौहाटी, कामरूप जिला है या जो रुकमिनीगंज गौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दुर्गेश्वर दास, झालुकबारी, गौहाटी,

(अन्तरक)

2. मेसर्स ईस्टरन टि ब्रोकर्स, (पि) लिमिटेड, जि० एन० बोरदोलोइ रोड, गौहाटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाण 3 (तीन) बिघा जो कि रुकमिनीगंज बेलटोला मौजा, गौहाटी, जिला कामरूप, आसाम प्रवेश में स्थित है।

एस० सजुमदार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 7-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 नवम्बर 1978

निर्देश सं० 18060/अर्जन/मेरठ—अतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 4-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हीं गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री विष्णु कुमार गुप्ता पुत्र खुशीराम नि० दोलकी,
सदर मेरठ कैंट एवं सन्तोष कुमार पुत्र हरद्वारी लाल
नि० 28 गढ़ रोड मेरठ एवं शान्ति प्रसाद पुत्र
राधे लाल जि० डालम पारा मेरठ

(अन्तरक)

2. सहजाद राय पुत्र कच्छूमल विनोद कुमार पुत्र सहजाद
राय नि० कूआ नील एवं श्रीमती कृष्ण गोयल पत्नी
शान्ति प्रसाद, कुसुम गोयल पत्नी सुरेश चन्द, मिथलश
गोयल पत्नी विजेन्द्र कुमार, ऊषा गोयल पत्नी नरेश
कुमार नि० डालमपारा मेरठ एवं प्रदीप कुमार
पुत्र सन्तोष कुमार, राजीव कुमार पुत्र शम्भू दयाल
श्रीमती नीरू गुप्ता पत्नी अतुल कुमार गुप्ता नि०
28 गढ़ रोड, मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

अक्षल सम्पत्ति भूमि एवं बिल्डिंग श्री महालक्ष्मी खन्ड-
सारी उद्योग स्थित ग्राम चिटठावन, भगवानपुर जिला मेरठ
1,00,000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 28-9-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना कर्वे रोड, पूना

पूना 411004, दिनांक 28 नवम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई/मै० 78/377—यतः मुझे,
श्रीमती पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे क्र० 147 ए-147-बी०, 148, 148-ए,
149-बी, 149-सी, 155-बी, 315, 316 और 317 है तथा जो
मौजेलोनावला डि० पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के
कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 26-5-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-376GI/78

1. श्री अशोक, सुन्दरलाल
श्री अजित सुन्दरलाल
डा० कृष्णलाल त्रिभूवनदास गुजर
के०/ऑफ मेसर्स खेमचन्द अमरचन्द, स्टॉक एक्स्चेंज
बिल्डिंग 5, फ्लोअर, बम्बई

(अन्तरक)

2. श्री गिरीश ठाकुरलाल वकील, 2. विरेन्द्र भोगीलाल
शाह 3. दमयन्ती वसन्त वकील 4. विजया नारायण
गुजराथी, 5. धर्मिष्ठ किशोर देसाई 6. प्रियबाला
प्रफुल गुंडीराम 7. सरोज विरेन्द्र शाह, 7. पार्टनर्स
ऑफ रोजीबाग कॉरपोरेशन लि० विरेन्द्र जी० शाह
छोटालाल भवन, 418-कालबारेवी रोड, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रॉपर्टी एट सर्वे क्र० 163, 160, 160/1/0/60/4,
161, 156, 162, 155, 164, 166, 158, 157 और 159,
एट कालबुम्बा, मौजे लोनावला, पोस्ट खंडाला लांमावल,
क्षेत्रफल:—94326 वर्गमीटर

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 414, 26 मई, 1978
को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28-11-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती ऐ० गंगायल्ल (2) ऐ० रामाराव काकिनाडा ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री पी० वेंकटाराजू काकिनाडा ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 अक्तूबर, 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

सं० 814—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 32-7-19 है, जो काकिनाडा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-78

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-3-78 और 15-4-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1254/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

(एन० के० नागराजन)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 16-10-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 29 नवम्बर

निर्देश सं० 241/78-79/अर्जन-अग्रतः, डी० सी० रामा-
गोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 678 है, जो आनमल परिया,
बेलगांव शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बेलगांव ग्रंथर डाकुमेंट नं० 3083 हि० 4-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त रेत की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती प्रभा गजानन नागवेकर,
श्री दीपक विश्वनाथ हलहनकर माहिम, बम्बई, उनके
जरिये पेश किया जाता है।

(अन्तरक)

2. श्री गुंडप्पा ज्ञानप्पा कान

मार्केट रोड, सांगलि

(2) बाबूराव गूप्पा सुभेदार, केअर आफ डामांड फोटो
फ्रेम वर्क्स, आनगल, तिलकवाडि बेलगांव

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ता-
भरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खूला स्थान आनगल एरिया के यहां है। मि० एस० नं०
678, इसके इलावा प्लॉट नं० 13 से 17 और 25 से 27,
एक स्थान 15 गुंटा और 5 ओनोर है।

(डी० सी० राजगोपालन)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हुबली

तारीख : 25-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं०/62/16346/78-79/ए०
सी० क्यू०/बी०—यतः मुझे डी० सी० राजगोपालन
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14, (पुराना सं० 6) है, तथा जो हंस रोड,
बंगलूर 560025 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शीवाजीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 3241/77-78 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
9-3-1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्त्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ये० माधवा राव,
पुत्र स्वर्गीय राव साहब ये० विट्टल राव,
सं० 48, करनेसवर कायल स्ट्रट मडलापुर,
मद्रास-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती हसीन परवीन
पत्नी मुनावर बाशा
मैनेजर पार्टनर
मैसर्स कवालीटी मानूमनटस लकशमीपुरम,
कुपपम।

(अन्तरिती)

3. मिलिटरी एस्टेट आफिसर (वह व्यक्ति, जिसके
करनाटका सरकार अधिभोग में संपत्ति
कववन रोड, बंगलूर। है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3241/77-78 तारीख 9-3-1978)
समपत्ती सं० नया 14, (पुराना सं० 6) हंस रोड,
बंगलूर-25।

उत्तर—समपत्ती—सं० 15

दक्षिण—संपत्ति सं० 13

पूर्व—हंस रोड

पश्चिम—परीवेट संपत्ति

डी० सी० राजगोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्तूबर, 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/16357/78-79/एफ०

क्यू०/बी०—यतः मुझे डी० सी० राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 29 (पुराना सं० 25) है, तथा जो गारान्ट रोड, बंगलूर-1 में स्थित (और इससे पड़पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शीतालीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 32एच/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री परवीन खालील
पुत्री मिस्टर के० के० शीराजी
सं० 16, अली असकर रोड,
बंगलूर। (अन्तरक)
2. (1) मिस्टर एल० आर० एम० नटाराजन
पुत्र पी० आर० एम० एल० रामनादन

(2) मिसेज एन० सरोजा एलियास उस्तामालेय
पत्नी मिस्टर एल० आर० एम० नटाराजन।

(3) मास्टर एन० सेथोरामन

सब का पता :—सं० 85, कोलेस रोड, फरनेर टौन,
बंगलूर-5

(मेन टैनेन्ट)

3. (1) मिसेज एम० बी० रीड (सब-टैनेन्ट)
- (2) मै० जोकर एसोसिएट्स
- (3) मै० विकराम एसोसिएट्स
- (4) मै० सी० विश्वनाथा नायर
- (5) म० उताना इन्लीविमरीश कम्पनी
- (6) मै० किसान मोटर्स
- (7) मै० ए० हीसेल और कम्पनी
- (8) मै० पावर डीवीसन
- (9) मै० कावेरी कर्माशियल कारपोरेशन
- (10) मै० कान्टीनन्टल इंजीनियरिंग बनटाराकाटर
- (11) मै० एममर मशीन टूलस
- (12) मै० एम० शीवाराम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3274/7778 तारीख 15-3-78)

संपत्ति सं० 29 (पुराना सं०) गारान्ट रोड बंगलूर-1

(डीवीजन सं० 60)

बौनदारीस

उत्तर—सं० 24 (पुराना) गारान्ट रोड

दक्षिण—गारान्ट रोड

पूर्व—कामन रोड

पश्चिम—बंगलूर बरेवरी पेरीमिसेस

(डी० सी० राजगोपालन)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० 'एस०'—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/16997/78-79/ए०
सी० व्यू०/बी०—यतः मुझे डी० सी० राजगोपालन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-य
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 97 है, तथा जो एम० जी० रोड, बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शीताजीनगर
बंगलूर दस्तावेज सं० 3353/77-78 में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-3-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मिस्टर आई० इ० रास
पुनः स्वर्गीय सी० एम० रास
सं० 97, एम० जी० रोड,
बंगलूर-1

(अन्तरक)

2. मैसर्स नतेसनस आनटी क्वार्टस
(प्राईवेट) लिमिटेड
सं० 2/1 एडवारड्स रोड,
बंगलूर

(अन्तरिती)

3. (1) मै० नतेसव बरादर्स (पं) लिमिटेड
(2) मै० कारड बाक्स इन्डस्ट्रीज
(3) मै० आनटी क्वार्टस
(4) श्री सी० ए० शिफोरड
(5) श्री आजाद
(6) मै० सेलकड बुकशाप
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3353/77-78 तारीख 31-3-78)

सम्पत्ति सं० 97 एम० जी० रोड,

बंगलूर (डी० 60)

उत्तर—समपत्ती मिस्टर चट्टी

दक्षिण—समपत्ती मिस्टर एम० सी० रास

पूर्व—समपत्ती हौसीनरा जी० इ० सी० लिमिटेड

पश्चिम—मिस्टर एम० सी० रास

डी० सी० राजगोपालन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 25-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० फा० क्र०/आय/ए/सी/अर्जन/79/78-79—

यतः मुझे, पी० बी० चार्ल्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 187 प्लॉट नं० 229 बार्ड नं० 70 है तथा जो धरमपेठ एक्सटेन्सन, नागपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) 1. श्री ओम प्रकाश शंकरलाल राठी

2. श्रीमती जमुना देवी, ओमप्रकाश राठी
दोनों रहने वाले सुभाष रोड कॉटन मार्केट
नागपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री उधावदास जमनादास मोहता

2. श्री किसनदास जमनादास मोहता,
दोनों रहने वाले रामदास पेठ, नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 187 प्लॉट नं० 229 बार्ड नं० 70 धरमपेठ,
नागपुर।

पी० बी० चार्ल्स

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर।

तारीख : 9-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 9 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए० सी० ब्यू०/80/78-79—

यतः मुझे पी० बी० चार्ल्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3-1-6, का भाग, कलेक्टर आफिस के सामने है तथा जो नांदेड में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची नं० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नांदेड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती चंदादेवी राधाकिसन मालवानी नांदेड

(अन्तरक)

2. श्री डा० देवराव रावलाहेब देशमुख,

आंबेगांवकर, नांदेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3-1-6, का कुछ भाग, कलेक्टर आफिस के सामने, नांदेड

पी० बी० चार्ल्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड, नागपुर

तारीख : 9-10-78

मुहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 17 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० फा० सं० आय० ए० सी०/अर्जन/83/78-79—

यतः मुझे पी० बी० चार्लस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान प्लॉट नं० 6 और 8
खसरा नं० 34-ए है तथा जो बैरामजी टाउन नागपुर में स्थित
है) और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
6-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—376GI/78

1. श्रीमती सुशीला बी० बैरामजी,
7, बैरामजी टाउन नागपुर

(अन्तरक)

2. नागपुर महाविद्यालय स्टाफ को-ऑप०
हाऊसिंग सोसायटी लि० तर्फे सचीव श्री
एस० ए० अन्सारी, स्टारकी टाउन नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमसूची

जमीन और मकान जो प्लॉट नं० 6 और 8 पर स्थित है,
तथा जिसका खसरा नं० 34-ए शीट नं० 34-बी० है। और
जो बैरामजी टाउन नागपुर में स्थित है।

पी० बी० चार्लस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 17-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 26 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० बी० जी० आर०/38/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियाँ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० दुकान प्लॉट नं० 5, 6, 7 व 8 (बी० टाईप) है तथा जो नेहरू ग्राउन्ड, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात्:—

1. श्री फूल चन्द बत्तरा पुत्र
श्री निहाल चन्द
निवासी ई-75 ग्रेटर कैलाश-2
नई देहली

(अन्तरक)

2. मै० बी० के० स्टील इन्डस्ट्रीज,
बी० 160-161-162, नेहरू ग्राउन्ड
न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खाली दुकान प्लॉट नं० 5, 6, 7 तथा 8 (बी० टाईप) जोकि नेहरू ग्राउन्ड, ए० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5395 तिथि 2-3-78 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 26-10-78
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निर्देश नं० ए० एस० आर०/78-79/59—यतः मुझे एम० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव जबलकलां जिला अमृतसर है तथा जो गांव जबल कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलकलां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री गुरुदीप सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह
गांव व डाकखाना जबल कलां
जिला अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरदयाल सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह,
श्रीमती हर जिनंदर कौर पत्नी श्री हरदयाल सिंह
गांव व डाकखाना जबल कलां, जिला अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर० नं० 2 में है और कोई किरायेदार यदि हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि 48के—18एम० जोकि गांव जबलकलां जैसा कि रजिस्ट्रार डी० नं० 532 जुलाई 1978 आफ रजिस्ट्रार अथारिटी जबल कलां जिला अमृतसर में है ।

एम० पी० साहनी

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 27-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/58—यतः मुझे एन० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी कृषि भूमि जंडियाला गुरु जिला अमृतसर है तथा जो अमृतसर तहसील में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स राजा इंडस्ट्री,
जंडियाला गुरु
द्वारा, श्री विहारी लाल खन्ना पुत्र श्री हरी चन्द खन्ना
कोठी नं० 77, कनेडी एवनीयू,
अमृतसर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स न्यू भारत पारल कम्पनी
द्वारा, श्री गियान सिंह पार्ठनर,
जंडियाला गुरु जिला अमृतसर
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है तथा और कोई किरायेदार
यदि हो तो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 6के०—14एम० 13के०—8एम० का 1/2 हिस्सा है जोकि जी० टी० रोड, जंडियाल गुरु जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 5495 मार्च, 1978 आफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी, अमृतसर तहसील में है।

एन० पी० साहनी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 27-9-78

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 सितम्बर 1978

निदेश नं० ए० एस० आर०/78-79/60—यतः मुझे एन० पी० साहनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1882 और 2026/4 और 138/4 गुरु बाजार, अमृतसर है जो गुरु बाजार, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्माः—

1. श्री अवतार सिंह, मनजीत सिंह, द्वारा श्री ज्ञान सिंह, सोहन सिंह, दयाल सिंह, अवतार सिंह पुत्रान श्री ज्ञान सिंह गुरु बाजार, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती महिमा देवी पत्नी श्री मदन लाल गुरु बाजार, अमृतसर

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 और कोई किरायेदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई आदमी इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1882 और 2026/4 और 138/4 गुरु बाजार अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 58 मार्च, 1978 ग्राफ रजिस्ट्रार अथारिटी अमृतसर शहर में है।

एन० पी० साहनी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसरतारीख : 29-9-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/79—यतः मुझे
जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 347, ग्रीन एवेन्यू अमृतसर है
तथा जो अमृतसर शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंह पुत्र अमर सिंह द्वारा निरमल सिंह
मार्फत जीनत साड़ी हाऊस, 2402/3 हरविमान सिंह
रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 347 ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड
डीड नं०: 248 अप्रैल, 78 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर में स्थित
है।

जी० एल० गारू,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 18-11-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 23 नवम्बर 1978

निर्देश नं० : ए० एस० आर०/78-79/84—यतः मुझे

जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 326, 327, 328 वा 329, कवीनज रोड, अमृतसर है तथा जो कवीनज रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति:—

1. श्री अशोक कुमार मेहरा पुत्र जानकीदास मेहरा द्वारा श्रीमती राजकुमारी मेहरा विधवा श्री जानकीदास मेहरा वीनज रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री शशी सेठ सपत्नी सतीशचन्द्र, गली नं० 3, 45 नम्बर, माडल टाउन, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है और जो किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि कोई व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 326, 327, 328 और 329 कवीनज रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 310 दिनांक 20-4-1978 रजिस्ट्रीकर्ता अमृतसर शहर में है ।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 23-11-1978

मोहर :

प्र रूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निदेश नं० एसआर०/78-79/85/272—यतः,
मुझे, जी० एल० गारु
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान की जायदाद नं० 1676/III-75 और
1675/III-25 है तथा पुरानी लक्कड़ मंडी, कटड़ा जलियां,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी श्री गोबरधन दास अग्रवाल,
दयानन्द नगर, अमृतसर। (अन्तरक)
2. श्री सत्या नारायण पुत्र श्रीलाल चन्द और श्रीमती
विमला देवी पत्नी श्री सत्या नारायण निवासी कृष्णा
मार्केट, कटड़ा जलियां, अमृतसर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रम नं० 2 ऊपर और कोई किरायेदार
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी यह
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1676/III-25 और 1675/I I-25 पुरानी लक्कड़
मंडी अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 163 आफ अप्रैल
1978 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अथारिटी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारु
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30 नवम्बर, 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एलडीएच०/163/77-78—अतः, मुझे,

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—376G1/78

1. श्री मेवा सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव कुहाड़ा तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन कुमार ओसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द ओसवाल वासी 534-बी-19, कालेज रोड, सिविल लाइन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले है और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6707, मार्च 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20-11-1978।

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल जी एच०/164/77-78—अतः, मुझे नत्थू राम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण-अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव कुहाड़ा, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री दर्शन कुमार पुत्र श्री रत्न चन्द ओसवाल वासी 534, बी-19, कालेज रोड, सिविल लाइन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले है और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6708, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम अधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना
 लुधियाना, दिनांक 23 अक्तूबर 1978

निदेश सं० एल डी एस० 162/77-78—अतः, मुझे
 नत्थू राम
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले
 है तथा जो गांव हीरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे
 उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री मेवा सिंह, पुत्र श्री भगवान सिंह वासी गांव कुहाडा,
 तहसील लुधियाना। (अन्तरक)
2. श्री दर्शन कुमार ओसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द ओसवाल
 वासी 534-बी-19, कालेज रोड, सिविल लाइन,
 लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 कनाल 11 मरले है और
 जो गांव हीरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
 कार्यालय के विलेख संख्या 6706-मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 23 अक्तूबर, 1978
 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल डी एच०/172/77-78—अतः, मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अ को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. सर्वश्री काका सिंह, लाभ सिंह पुत्र श्री शाम सिंह वासी बरवाला खेवटदार हीरां, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री दर्शन कुमार ओसवाल व श्रीपाल ओसवाल पुत्र श्री रत्न चन्द वासी, 534 बी-19, कालज रोड, सिविल लाइन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले है और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6756, मार्च, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23 अक्टूबर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्तूबर 1978

निदेश सं० एल डी एच०/173/77-78—अतः, मुझे, नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना, में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री नशीब सिंह व श्री मेवा सिंह पुत्र श्री ग्राम सिंह वासी गांव हीरां, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. सर्व श्री जवाहरलाल ओसवाल व श्री जन्गी लाल ओसवाल, पुत्र श्री विद्या सागर ओसवाल वासी 396/1 बी-19, धूमर मण्डी, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

कृपि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 20 कनाल 11 मरले है और जो गांव हीरां तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6757, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23 अक्तूबर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जुन रंज, लुधियाना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लुधियाना दिनांक 23 अक्तूबर 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/157/77-78—अतः मुझे नत्थूराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नच्छत सिंह पुत्र श्री सन्ता सिंह वासी गांव मान गढ़, तहसील लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री जन्नी लाल श्रोसवाल पुत्र श्री विद्या सागर श्रोसवाल वासी 396/1 बी-19, घूमर मण्डी, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि, जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल है और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना, में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना, के कार्यालय, के विलेख संख्या 6660, मार्च, 1978 में दर्ज है ।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 23 - 10 - 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल० डी० एच०/166/77-78—अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 कनाल 2 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सतिन्दर पाल पुत्र श्री बन्सी राम बासी 1121, बी-1, विशनू पुरी, लुधियाना ।

(अन्तरक)

2. श्री जवाहरलाल ओसवाल पुत्र श्री विद्या सागर ओसवाल बासी 396 बी-19, घूमर मण्डी रोड, सिविल लाइन, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 17 कनाल, 2 मरले है और जो गांव हीरां तहसील लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या 6710, मार्च, 1978 में दर्ज है ।)

नत्थू राम

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० डी०एच०आर०/33/77-78—अतः मुझे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 78 विघा 10 विघवा
है ता जो गांव काहली, तहसील धूरी में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, धूरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सन्त सिंह पुत्र श्री जोगा सिंह, मुखत्यार पंजाब कौर
विधवा, श्री सरनाम सिंह वासी गांव काहली, तहसील
धूरी ।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, रणजीत सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह,
श्री गुरनाम सिंह सतपाल सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह
वासी गांव जोनपुर जिला संगरूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 78 विघा 10 विघवा है और जो गांव
कालजी, तहसील धूरी, जिला संगरूर में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, धूरी के कार्यालय
के विलेख संख्या 1 मार्च, 1978 में दर्ज है ।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० एम० एन० डी०/1/88-78—अतः मुझ,
नत्थू राम

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० घर जो जुगिन्दर रोड, खलेयर मंडी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
6—376 GI/78

1. श्री वरिज बिहारी शर्मा पुत्र श्री हरि कृष्ण, जवाहर नगर, मंडी, (हि० प्र०) ।

(अन्तरक)

2. श्री रिज बिहारी कपूर पुत्र श्री गणेश कपूर, जवाहर नगर, मंडी (हि० प्र०) ।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्नालाल, वंसल, पुत्र श्री शान्ति नाराण सुपरी ट्रेडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर जो जुगिन्दर रोड, खलेयर (मंडी) (हि० प्र०) में स्थित है ।

जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंडी के विलेख सं० 135 फरवरी, 1978 में दर्ज है ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 23-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एस० ओ० एल०/2/78-79—अतः मुझे,
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान व जमीन का भाग है तथा जो पैलस
रोड, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अप्रैल, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ईश्वरी सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह
वासी पैलेस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण,
सुपरिटेन्डिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी-
टेंडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी० सोलन।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जोकि पैलस रोड, सेर, सोलन में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन, के
कार्यालय के विलेख संख्या 94, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० एस० ओ० एल०/3/78-79—अतः मुझे नत्थूराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन है तथा जो सेर, सोलन में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोलन में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अप्रैल, 1978 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्व श्री कपूर सिंह व शमशेर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह
वासी पैलस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्नालाल बंसल, पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी-
टेंडिंग, इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्नालाल बंसल, पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी
टेंडिंग इंजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान व जमीन जोकि सेर, सोलन (पैलस रोड) में स्थित
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के
कार्यालय, के विलेख संख्या 95, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 23 अक्टूबर, 1978

निर्देश सं० एल ओ एच/4/78-79—अतः मुझे, नत्थूराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन है तथा जो शेर, सोलन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरि सिंह पुत्र श्री अमर सिंह
वासी पैलस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्नालाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी-
टेंडिंग, इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्यू० डी०,
सोलन।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्नालाल बंसल, पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी-
टेंडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्यू० डी०,
सोलन।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

सफटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान व जमीन जो शेर, सोलन में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के कार्यालय के विलेख संख्या 96, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नत्थूराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एच ओ एल/5/78-79—अतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान व जमीन है तथा जो सेर, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सत्याइन्दर सिंह पुत्र श्री देवी सिंह
वासी पैलस रोड, सोलन।

(अन्तरक)

2. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी-
टडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्ना लाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी-
टडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान व जमीन जो सेर, सोलन में स्थित है।

(जायदाद, जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोलन के कार्यालय के विलेख संख्या, 97, अप्रैल, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 23 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० एस ओ एल/6/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान व जमीन है तथा जो सेर, सोलन (पैलस रोड) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बरिन्दर सिंह व हमिन्दर सिंह पुत्र श्री शिव सिंह, पैलस रोड, सोलन ।

(अन्तरक)

2. श्री मन्नालाल बंसल पुत्र श्री शान्ति नारायण, सुपरी ट्रेडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन ।

(अन्तरिती)

3. श्री मन्ना लाल, बंसल, पुत्र श्री शान्ति नारायण सुपरी ट्रेडिंग इंजीनियर, हि० प्र०, पी० डब्ल्यू० डी०, सोलन ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान व जमीन जो सेर, सोलन (पैलस रोड) सोलन में स्थित है ।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोलन के कार्यालय के विलेख सं० 98, अप्रैल, 1978 में दर्जा है ।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 23 अक्तूबर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 9 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० एल० सी०/245/78-79—यतः मुझे वी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो विजयपुरम विलेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टयम, (अडीपनल), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—:

1. श्री जोस, ग्रान्डणी

(अन्तरक)

2. श्री तोमस एब्रहाम एवं अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के प्रस्ताव 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

45.323 Cents of land with buildings in Vijayapuram village
Survey No. 12/5A/1.

वी० मोहनलाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख, 9 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1, श्री कुरियाको

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री शमसुद्दीन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

निदेश सं० एल० सी०/246/78-79—यतः, मुझे, श्री० मोहनलाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो चावक्काड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लापडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-1978

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

10 Cents of land with buildings Vide Schedule to Doc. No. 291/78 of SRO Kollappady.

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 21-10-78

मोहर :

श्री० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्री जोई (2) ओमना
(अन्तरक)
2. श्री षमसुदीन
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 247/78-79—यतः मुझे वी०

मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो चावक्काड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टपडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नमूनेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

254 Cents of laid—Vide doc. No. 281/78 of SRO Kottappady.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 21-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 249/78-79—यतः मुझे वी० मोहन लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो पालयूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोट्टपडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पम एवं चार अन्य

(अन्तरक)

2. श्री मोईदु हाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2.36 acres of agricultural land Vide document No 287/78 of SRO Kottappady

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 23-10-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1, श्री के० जगन्नाथ नायडू, और पांच।

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री जी० एस० वोरैसामी मूदलीवार और दो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :-

प्रजनन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1978

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 19/मार्च/79—यतः मुझे श्री० आनन्दराम घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4, अप्पा गार्डन, रोड, कीलपाक है, जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट, मद्रास (डायुमेन्ट सं० 193/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भूमि और घर, सं० 4, अप्पा गार्डन, रोड, कीलपाक, मद्रास-10 में।

श्री० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजनन रेंज-1, मद्रास

नतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख 13-10-1978
मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री एम० काडर मोहीदीन,

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

2. श्रीमती विजयम्माल

(अन्तरिती)

की द्वारा 269अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 24 अक्तूबर 1978

निदेश सं० 8129—यतः मझे टी० वी० जी० कृष्णामूर्ती प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनसूची के अनुसार है तथा जो विरुगलपट्टी ग्राम उडुमलपेड टालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घामनालम, डाकूमेन्ट सं० 123/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुर्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि सम्बन्धी भूमि अट विरुगलपट्टी ग्राम—11.01 ऐकर्स (डाकूमेन्ट सं० 123/78)।

टी० वी० जी० कृष्णामूर्ती
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 24-10-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अक्तूबर 1978

निदेश सं० 6126—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है, जो सुब्बैया अवेन्यू विषय जारठन लेआउट, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेलापूर मद्रास, (डाकूमेन्ट सं० 285/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती एम० विजयम्मा

(अन्तरक)

2. श्रीमती जय बालसुरया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर सं० 21, सुब्बैया अवेन्यू विषय जारठन लेआउट, मद्रास-28 (डाकूमेन्ट सं० 285/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-अक्ष/361/मार्च-41/78-79—अतः मुझे, जे० एस० गिल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए-28 है, तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) डा० एच० एस० कंवर, सुपुत्र श्री राम रबासिंह
- (2) कंवर शक्त सिंह,
निवासी 5, बृज स्ट्रीट, पेनशुर्ट एन० एस० डब्ल्यू 2222, आस्ट्रेलिया, इनके जनरल अटारनी श्री कंवर विजय सिंह के द्वारा निवासी डी-21, पंचशील एनक्लेव नई दिल्ली।
- (3) कंवर प्रताप सिंह निवासी 18/2, डा० प्रोमर शरीफ रोड, बसावर गुड्डी, बंगलौर इनके अटारनी कंवर विजय सिंह के द्वारा।
- (4) कंवर विजय सिंह, निवासी डी-21, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० अमृत इस्टेट प्रा० लि०,
ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भीआलोच—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

अनुसूची

एक डेढ़ मंजिला, बंगला जोकि 1156.25 वर्ग गज क्षेत्रफल के फीहोल्ड प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 28, ब्लॉक नं० 'ए' है, कैलाश कालोनी, यामुखपुर गांव दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : जायदाद नं० ए-29
पश्चिम : रोड
उत्तर : रोड
दक्षिण : रोड

जे० एस० गिल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 21-10-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस —————

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
द्वारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०III/11-78/316—अतः
मुझे, डी० पी० गोयल,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है तथा जो राजिन्द्रा पार्क, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,
म उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अर्जात :—

1. (1) श्री कर्नल एस० के० खोसला, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री गुरन दित्तामल, खोसला,
(2) श्री आर० के० खोसला, सुपुत्र स्वर्गीय
श्री गुरनदित्त मल खोसला, इनके कानूनी जनरल
पावर अटारनी श्रीमती हर्षा खोसला के द्वारा
पत्नी, श्री कर्नल एस० के० खोसला निवासी
3, पोलो रोड, दिल्ली कैंट ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री रमण कालसी
(2) अशोक कालसी
(3) पवन कालसी तथा
(4) अरुण कालसी, सभी सुपुत्र श्री मोहन लाल कालसी
निवासी 5, रजिन्द्रा पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक ठाई मंजिला बिल्डिंग जिसका नं० 5 है, रजिन्द्रा पार्क,
नई दिल्ली में है । इस बिल्डिंग का क्षेत्रफल 375 वर्ग गज है तथा
निम्न प्रकार से स्थित है :—

- पूर्व : बना हुआ प्लॉट नं० 4 जोकि अन्य लोगों का
है ।
पश्चिम : बना हुआ प्लॉट नं० 6
उत्तर : सर्विस लेन
दक्षिण : रोड

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

तारीख : 23-11-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, नई दिल्ली

4/14 क, असफअमी मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 27 नवम्बर 1978

निर्देश सं०—यतः मुझे डी० पी० गोयल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 131/1, ब्लॉक नं० 1-बी है तथा जो अस्ती रहगरपुरा, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री राम प्रसाद तथा नरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री बंसी लाल, निवासी 6533/9, देवनगर, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री फुल चन्द, सुपुत्र लाला बदरी प्रसाद, तथा बाबू राजिन्द्र कुमार, सुपुत्र फुल चन्द, निवासी मोहल्ला, श्री महावीरगंज, फारूकबाद, यू० पी०

(अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला बिल्डिंग जिसका नं० 6112 तथा 6113 है और प्लॉट नं० 131/1, ब्लॉक नं० 1-बी, वार्ड नं० 16 है। इस बिल्डिंग का क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० 132 पर बिल्डिंग
पश्चिम : रोड
उत्तर : गली
दक्षिण : गली

डी० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-III, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 27-11-78

मोहर :

प्रकरण आई० वी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस०आर०-II/

471/आई-37/78-79—अतः मुझे अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10/3 है, तथा जो गोलफ लिंकस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या धन्य धातुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—376GI/78

1. श्री बृजेन्द्र सिंह दयाल, रमोन्द्र सिंह दयाल, सुपुत्र श्री (स्व०) उत्तम सिंह दयाल, निवासी 3, गोलफ लिंकस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० इन्टर फ़ाफ्ट लि०, ए-16, नारायण इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस-II, नई दिल्ली। इनके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राहुल मेहता के द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 2471.5 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बनी हुई है, जिसका नं० 10/3 है, गोलफ लिंकस, नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख : 30-11-78

मोहर :

आर. श्री. सुभाष प्रकाश,
मुम्बई
सुभाष प्रकाश, (विशेष)
आर. श्री. सुभाष प्रकाश, (विशेष)

मोहर :

एक अर्ज नं० एच० 4/5

आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 23) के अन्तर्गत

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/11/मार्च-72/3697/4348—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 23) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या एच०-4/6 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरीश चन्द्र तथा रमेश चन्द्र, सुपुत्र श्री मंगल सैन टण्डन, निवासी बी०-9, गुजरावाला टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) सरदार मुखवीर सिंह, सुपुत्र सरदार अतर सिंह; तथा श्रीमती सतवन्त कौर, पत्नी श्री मुखवीर सिंह, निवासी ई०-16, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

(3) मै० अहुजा एण्ड कं०, सतबीर सिंह, कर्नल आई० एस० बजाज, तथा मै० भाई जी अतर वाले। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 6, ब्लॉक नं० एच०-4 है तथा क्षेत्रफल 320 वर्ग गज है, माडल टाउन, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड।

पश्चिम : सर्विस लेन।

उत्तर : प्लॉट नं० एच०-4/7 पर बिल्डिंग।

दक्षिण : प्लॉट नं० एच०-4/5 पर बिल्डिंग।

आर० बी० एल० अग्रवाल;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/मार्च-71/3696/78-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी संख्या बंगला नं० 47 है तथा जो बंगलौ रोड, कमला नगर, दिल्ली-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रकाश चन्द जैन, जोकि एच० यु० एक० के कर्ता है तथा श्री अनिल जैन, सुपुत्र श्री सेठ परमानन्द जैन, निवासी 47, बंगलौ रोड, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त राय गुप्ता, सुपुत्र श्री जगन नाथ गुप्ता, निवासी 81-ए०, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 47 का 1/4 हिस्सा जिसका कुल क्षेत्रफल 320.34 वर्ग मीटर है, बंगलौ रोड, कमला नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : बंगलौ की पीछे की सड़क।

पश्चिम : मैन बंगलौ रोड।

उत्तर : बंगला नं० 48।

दक्षिण : मैन बंगला का शेष हिस्सा।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/मार्च-94/3715/
 78-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी संख्या डी०-11/18 है तथा जो माडल टाउन,
 दिल्ली में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन तारीख 29-3-1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती कमला देवी सुपुत्री श्री शिव ब्याल तथा
 पत्नी श्री चन्द्र भान, निवासी डी०-11/18, माडल
 टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सायलवेस्टर हैनरी स्काट तथा श्रीमती पन्नरल
 स्काट पत्नी श्री सायलवेस्टर हैनरी स्काट, निवासी
 एफ० 3/6, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)
- (3) श्री किरोरी मल, सुरेश चन्द जैन, अमल चन्द
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० 18 है, ब्लॉक नं० डी०-11
 है और क्षेत्रफल 294.73 वर्ग गज है, माडल टाउन, दिल्ली
 में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड।

पश्चिम : प्लॉट नं० डी०-10/18 पर बनी बिल्डिंग।

उत्तर : रोड।

दक्षिण : प्लॉट नं० डी०-11/17 पर बनी बिल्डिंग।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रकार अर्ज-10 एम. एम. 250—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269(1) के अधीन: सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मध्यम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/मार्च-103/3721/
87-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ए०-60 है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के आदेश के बावजूद मैं किसी क्रय या इससे उचित में भागधारी के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, तदनुसरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, लिखित में सुनिश्चित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वांत 1—

(1) श्री रूप चन्द महाजन, सुपुत्र श्री वृज लाल महाजन, निवासी ए०-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रघवीर चन्द महाजन सुपुत्र श्री वृज लाल महाजन, निवासी ए०-60, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अर्जन के लिए निर्दिष्ट किया जाता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के अन्दर या उसके पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रकाशित होती है, के अन्दर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के अन्दर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट जिसका नं० ए-60 है और क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, यह प्लॉट एक मंजिला है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० ए-60।

पश्चिम : प्लॉट नं० ए-59।

उत्तर : रोड तथा पार्क।

दक्षिण : सर्विस रोड।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

मध्यम आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

भीतर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/मार्च-105/3723/
78-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/2 (दक्षिण) 2824/4 है तथा जो गली चहलपुरी, किनारी बजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मेंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारित:—

(1) श्री रघबीर सहाय भाथुर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री हनुमत् सहाय माथूर, निवासी कोठी नं० ई०-20, यूनि-वर्सिटी रेजीडेंस, कुरुक्षेत्र (हरियाणा) लेकिन अब सी०-15, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह शर्मा, सुपुत्र पं० शिव राम निवासी 311, पनयान, तेलीवाड़ा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका पुराना नं० 1267 तथा नया नं० 2824 है का 1/2 (दक्षिणी हिस्सा) है और क्षेत्रफल लगभग 267 वर्ग गज है, झलाका नं० 4 है गली चहलपुरी, किनारी, बजार, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: जायदाद नं० 2624।

पश्चिम: गली चहलपुरी व मकान नं० 2825 का हिस्सा

उत्तर: मकान नं० 2823।

दक्षिण: मकान नं० 2825।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-11-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/11/मार्च-80/3704/78-79—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या 7-एफ० है तथा जो विश्वा अपार्टमेन्ट, 3-शंकराचार्या मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9-376GII/78

(1) मै० विश्वा ईस्टेट्स प्रा० लि०, बी०-6, आसफ अली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्रीमती राज अरोड़ा, श्री कृष्ण देव सिंह, श्री रतन अतमोल सिंह, 7-एफ०, विश्वा अपार्टमेन्ट, 3-शंकराचार्या मार्ग, सिविल लाईन्स, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लॉक नं० 7 के प्लैट की पहली मंजिल जिसका क्षेत्रफल 1900 वर्ग फुट है, यह प्लैट ग्रुप हाउसिंग स्कीम जोकि विश्वा अपार्टमेन्ट के नाम से जाना जाता है, 3 शंकराचार्या मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : ब्लॉक नं० 8।

पश्चिम : खुला।

उत्तर : 30 फुट चौड़ी सड़क।

दक्षिण : अन्य के बंगले।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/मार्च-58/3688/
78-79—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 24 है तथा जो दरिया गंज,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि मर्यादित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों
को जिनमें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
जिसे जाना चाहिए था, क्रियान्वित में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्यारे मोहन शर्मा, सुपुत्र श्री एल० शिव
मोहन शर्मा, (2) श्री अमरेश शर्मा, सुपुत्र श्री
प्यारे मोहन, (3) श्रीमती सरला शर्मा, पत्नी श्री
प्यारे मोहन, सभी निवासी 24/18, दरियागंज,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) मै० ई० एम० सी० ए० कनस्टन्शन कं०, इनके
मालिक श्री एम० पी० गुप्ता के द्वारा सुपुत्र श्री
राधा कृष्ण गुप्ता, निवासी 10/एफ०-3, दरियां
गंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड भूमि जिसका प्लॉट नं० 24, खसरा नं० 51
है, और क्षेत्रफल 285.5 वर्ग गज है, 24 दरिया गंज,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्सारी रोड।

पश्चिम : श्री नेम चन्द जैन की जायदाद।

उत्तर : श्री मनमोहन शर्मा के प्लॉट नं० 23 की बाउन्ड्री
वाल।

दक्षिण : अन्सारी रोड।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली-1 दिल्ली

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/मार्च-107/78-79--प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 7/9 है तथा जो अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शीर्षक में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या जिसे धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात् 1--

(1) श्री राम बिहारी माथुर, श्री बांके बिहारी लाल माथुर, श्री बिपिन बिहारी लाल, सुपुत्र श्री (स्वर्गीय) किशन चन्द, निवासी 7/9, दरिया गंज, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार जैन, अनिल कुमार जैन, सुपुत्र श्री प्रकाश चन्द जैन, निवासी 4378/4, अंसारी रोड, गली मुरारी लाल, दरियागंज (3) श्री धान पाल सिंह जैन (4) श्री रिण पाल जैन सुपुत्र श्री जगन लाल जैन, निवासी मकान नं० 995/178, ई०-8, गली नं० 2, कैलाश नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जिसका नं० 7/9 है, और क्षेत्रफल 527.78 वर्ग गज है, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: अन्य की जायदाद।

पश्चिम: 20 फुट चौड़ी सड़क।

उत्तर: 20 फुट चौड़ी सड़क।

दक्षिण: श्री दमाल चन्द तथा अन्य की जायदाद।

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-11-1978

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकतु०/II/मार्च-36/3671/78-79
—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० ई-1/16 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरीन्द्र नाथ मोहन, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मेहता अमर नाथ मोहन, निवासी ई-1/16, पटेल रोड, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन सिंह बेदी, सुपुत्र स्वर्गीय श्री डा० जवाहर सिंह निवासी 30/15, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

3. श्री एम० एम० एस० करले, एस० आर० नायर, डा० आर० एल० करले, श्री सुरिन्द्र, (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जिसका नं० ई-1/16 क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है, 40/ स्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : 60 फुट चौड़ी सड़क स्ट्रीट

पश्चिम : बंगला नं० ई-1/15

उत्तर : 30 फुट चौड़ी स्ट्रीट

दक्षिण : मैन पटेल रोड

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/मार्च-3/3651/78-79:—प्रतः मझे, आर० वी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 139 है तथा जो ओल्ड गुप्ता कालौनी, विजय नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिथों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चौधरी राय सिंह, सुपुत्र चौधरी भोवू मल, निवासी ई-52, सत्यावती कालौनी, अशोक बिहार-III, दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री चरणजीत सिकरी, सुपुत्र श्री मुनशी राम सिकरी, निवासी 49, ओल्ड गुप्ता कालौनी, दिल्ली-9 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका नं० 139 है और क्षेत्रफल 240 वर्ग गज है, ओल्ड गुप्ता कालौनी, विजय नगर, (किंगजवे कैम्प), दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : गली

पश्चिम : गली

उत्तर : प्लॉट नं० 140 पर मकान

दक्षिण : प्लॉट नं० 138 पर मकान

आर० वी० एल० अग्रवाल,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 30-11-1978

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एसि-31/अर्जन रेंज-IV /कल०/78-79--अतः
मुझे एम० के० दासगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 29 है तथा जो सुलतान आलम रोड़, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का उद्देश्य प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री प्रीतमय भट्टाचार्य (अन्तरक)

2. श्री प्रनव कुमार बैनर्जी, धीरेन्द्र नारायण मजुमदार तथा
पियुषकान्ति दास पुराकायस्थ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के धारा 20-क में परि-
भाषित हैं वही प्रर्थ होगा, जो उस धारा
में दिया गया है।

अनुसूची

29 सुलतान आलम रोड़, थाना टालिगंज कलकत्ता में स्थित
3 कट्टा 10 छटांक खाली जमीन।

एम० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता।

तारीख : 16-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पाटमेय, केकी साकलेट पुनन केकी आकलेट (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. रुस्तम तेहसुयस (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

भर्जन रेंज-II, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

कलकत्ता-16, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावरसम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 464/टी-आर-291/मि-229/कल०-I/77-78—

अतः मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावरसम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 9 है तथा जो ग्रांटस लेन कलकत्ता में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रैस नार्थ कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
पुनः-आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्त-
रण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9 ग्रांटस लेन कलकत्ता में अवस्थित 6 कट्टा जमीन पर
आंशिक दो और आंशिक तीन तथा तल्ला मकान का 1/2 हिस्सा
जो I-1959 नं० अनुसार 16-3-78 तारीख में रजिस्ट्री आफ
एयसुरिण का पास रजिस्ट्र हुआ।

सी० एन० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख: 26-10-78

मोहर:

प्राख्य छई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० एस० एच० 465/सितम्बर-292/सि-298/कल० I 77-78—अतः मुझे सी० एल० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 155 है तथा जो आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अरविन्दु मित्र (अन्तरक)

2. श्री धननाथ कोये (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

155, आचार्य जगदीश बोस रोड कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्टा जमीन पर तिन तल्ला मकान जो I-1728 नं० अनुसार 31-3-78 तारीख में रजिस्ट्रि आफ एयसुरेंस का पास रजिस्ट्रि हुआ।

सी० एन० दास,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख: 26-10-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० —अतः मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इस के उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस, नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
10—376GI/78

1. (1) गनम्मा खाण, (2) बरुण, खाण (अन्तरक)
2. (1) जुवाईदा बाई (2) टि० बाई (अन्तरिती)
3. (1) एम० डी० गियासउद्दिन,
(2) ईयाकुब मिया
(3) जि० एम० आनयार होसेन
(4) पी० मन्डल
(5) करुणा सिन्धु मित्र
(6) एम० आजम अली
(7) मिसस ई० ए० बिबि
(8) ग्रान्ड होटल
(9) गुरबचन सिंह
(10) मैसर्स मति अगियामनि 8 ब्रादर्स
(11) शिवाजी मेलगी पुट्यारी
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1 रीपन, स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित, 15 कट्टा व 4 छटांक 8 वर्ग फिट जमीन पर आंशिक एक और आंशिक दो तल्ला मकान का 1/8 हिस्सा जो 10-3-78 तारीख में I-1288 नं० अनुसार रजिस्ट्री आफ एग्युरेन्स का पास रजिस्ट्री हुआ ।

सी० आर० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख : 26-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एस० एल० 467/टि० आर० 282/सि० 266/कल०-I/77-78—अतः मुझे सी० एन० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गर्वर्नमेंट प्रेस, नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मनरमा खाण, (2) वरुण कुमार खान (अन्तरक)
2. श्री जाफर होसेन आबद अली (भरमल) (अन्तरिती)
3. (1) महः गियासउद्दीन,
(2) ई० याकुब मियां,
(3) जि० एम० आनयार होसेन
(4) पि० मन्डल
(5) कृष्णा सिन्धु मित्र,
(6) एम० आजम अली,
(7) मिसेस, ई० ए० बिबि
(8) ग्रान्ड होटल
(9) गुरुबचन सिंह
(10) मेसर्स मति शशिगामति एण्ड आदर्स
(11) शिबमी मन्नी पुटुपारी
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 न० रीपन, स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित 15 कट्टा, 4 छटाक 8 वर्ग फीट जमीन पर आंशिक एक तल्ला और आंशिक दो तल्ला मकान का 1/8 हिस्सा जो 10-3-78 तारीख में I-1291 न० अनुसार रजिस्ट्री आफ एयसुरेंस का पास में रजिस्ट्रि हुआ।

सी० एन० दास
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 26-10-78

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निवण सं० एस०एल० 468/सिअल-283/मि-265/कल० I 77-78—अतः मुझे सी० एन० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट प्रेस, नार्थ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमरे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) मनरमा खाण (2) बरुण कुमार खाण (अन्तरक)
 2. श्री महम्मदुल बाकर (अन्तरिती)
 3. (1) महः गियासुद्दीन
 - (2) ई० याकुब मियां
 - (3) जी० एम० आनयार होसेन
 - (4) दि० मन्डल
 - (5) करुण सिन्धु मित्र
 - (6) एम० आनम अलि
 - (7) ई० ए० बिबि
 - (8) ग्रान्ड होटल
 - (9) गुरबचन सिंह
 - (10) मेसर्स मति क्षणियरीमनि एण्ड ब्रादर्स
 - (11) सिबसी भेलजी पुट्टयमी ।
- (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1 रीपन, स्ट्रीट कल० में 15 कट्टा 4 छटाक 8 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित आंशिक एक तल्ला आंशिक दो तल्ला भकान का 1/8 हिस्सा 10-3-78 तारीख में I-1290 न० अनुसार रजिस्ट्री आफ एयसुरेंस का पास रजिस्ट्री हुआ ।

सी० एन० दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख : 26-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० सिअल० 469/टी० आर०-284/सी-264/कल०/I
77-78—प्रतः मुझे सी० एन० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है तथा जो रीपन स्ट्रीट में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-3-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) मनरमा खाण, (2) बरुण कुमार खाण (अन्तरक)
2. मिसेस एम० जाफर होसेन (अन्तरिती)
3. (1) एम० डी० गियासउद्दीन
(2) ई० याकुब मियां
(3) जि० एम० आनयम होसेन
(4) पि० मन्जल
(5) करुणा सिन्धु मित्र
(6) एम० आनम, आली
(7) मिसेस ई० ए० बिबि
(8) ग्रान्ड होटल
(9) गुरबचनसि
(10) मैसर्स मति हार्गियामनि एंड ब्रादर्स
(11) सिवसी मलमी पुटुयारी
(वह व्यक्ति जिनके अभिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 न० रीपन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित आसिक एक और आसिक दो तल्ला मकान का C जो 15 कट्टा 4 छटांक 8 वर्ग फिट जमीन पर अवस्थित) 1/8 हिस्सा जो 10-3-78 तारीख में I-1289 न० अनुसार रजिस्ट्रार आफ एग्सुरेन्स का पास रजिस्ट्री हुआ।

सी० एन० दास,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

तारीख: 26-10-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० 16/आर-2/कल०/78-79—अतः मुझे
एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो मौजा सारसुना पी० एस०
वेहाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार
आफ एगुरेन्सस कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 26-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मलय रंजन कर (अन्तरक)

2. श्री एस० सिशिल फारनानडेज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मौजा सारसुना, पि० एस० वेहाला, डि: 3 डि: 24 परण
पास में 1.47 एकर्स खाली जमीन है।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता।

तारीख: 29-10-78
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० ए० सी० 17/आर-2/कल०/78-79—अतः
मुझे एस० सी० यादव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-उ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 है तथा जो हस्टिंग्स पार्क रोड अलिपुर कलकत्ता
27 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्स कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 26 मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स अशोका माकदिनग लि० (अन्तरक)

2. (1) श्री प्रकृतिनाथ भट्टाचार्य (2) श्रीमती गायत्री
भट्टाचार्य (3) लोकनाथ भट्टाचार्य (4) सोमनाथ
भट्टाचार्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

9 नं० हस्टिंग्स पार्क रोड, अलिपुर, कलकत्ता-27 में अवस्थित
"राजहंस" मकान का तिन तल्ला में 3-बी एपार्टमेन्ट है ।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता ।

तारीख : 29-10-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर 1978

निर्देश सं० एसी-28/बी-II/कल०/78-79—अतः मुझे एस० सी० यादव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 है तथा जो हेस्टिंग्स पार्क रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसके उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. अशोका मार्केट लिमिटेड, 8 केमाक, कलकत्ता (अन्तरक)
2. श्री प्रनव कुमार सेन 9-सि राजहंस 9, हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2093 स्कंधर फिट नं० 9, हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता
एपार्टमेंट नं० 97, राजहंस एपार्टमेंट ।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता ।

तारीख: 26-10-1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 अक्टूबर 1978

नि० सं० ए० सी० 29/आर०-II/कल०/78-79---अतः, मुझे
एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 9 है, तथा जो हेसटिन्स पार्क रोड, कलकत्ता-1,
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 30 मार्च, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किधा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मै० अशोका मार्किटिंग लिमिटेड

(अन्तरक)

2. 8, केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता-27।

(अन्तरिती)

3 श्रीमती इन्दिरा नन्द,

282, जी, ब्लॉक, निउ आलिपुर,

कलकत्ता-53।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा एपार्टमेंट नं० 7 डि, 7 फ्लोर, राजाम ब्लॉक माल्टि
स्टोरीड बिल्डिंग नं० 9, होस्टेस पार्क रोड, आलिपुर, कलकत्ता-27
फ्लोर एरिया 128.89 स्क्वायर मिठार।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
4, रफी अहमद क़िदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 20 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. मै० अशोका मार्केटिंग लिमिटेड,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

2. श्री ढाश्लोक सिंग ओका

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

कलकत्ता, दिनांक 29 अक्तूबर, 1978

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन केम
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० ए० सि० 20/अश० 2/कल०/78-79—
अतः मुझे एस० सी० यादव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(ख)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 9 है तथा जो हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार अक्वारेसेस कलकत्ता
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 14 मार्च, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
ग्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे अचानक में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269(ग) के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(घ) की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
11-376 GI/78

अनुसूची

9 हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता अवस्थित 2 रातला में
एपार्टमेंट 2 प्रदेष्ट है, जमीन का परिमाण 114.62 स्क्वायर
मिटर अशोका 1237 स्क्वा फिट है।

एस० सी० यादव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
4, रफी अहमद क़िदवई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 29 अक्तूबर, 1978।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

कलकत्ता, दिनांक 26 अक्टूबर, 1978

नि० ए० सि० 22/अ-2/कल०/78-79—अतः मुझे एस० सि० यादव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 है तथा जो हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ एसुरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 मार्च, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मी० अशोका मार्केटिंग लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री रमा शंकर सायोयान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 हेस्टिंग्स पार्क रोड, कलकत्ता अवस्थित राजश्री बल्क का 3रा तला में एपार्टमेंट "3-आई" है।

एस० सि० यादव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2 कलकत्ता ;

तारीख : 26 अक्टूबर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 अक्टूबर 1978

नि० सं० ए० सि०/33/अर्जन रेंज IV/कल०/78-79---
अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० तौजी सं० 61 है तथा जो नकसाल बाड़ी, दार्जिलिंग
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 मार्च, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव में उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
प्रयत्न में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० न्यू टि कोम्पानि लिमिटेड (अन्तरक)

2. मै० एलाएड इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन ! (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यवस्थाओं पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा उत्तर बागशेगरा, तौजी सं० 61, थाना नकसाल
बाड़ी जिला दार्जिलिंग में स्थित 3.65 एकर जमीन तथा उस
पर स्थित मकान, स्ट्राकचर्स, सेंडस, फर्कट्ट बिल्डींगस जैसा कि दलील
सं० 1689 दि० 30 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित
है।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, कलकत्ता।

तारीख: 30 अक्टूबर 1978।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि० 38/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—

अतः मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/1 है तथा जो ड० देवदार रहमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुबोध कुमार मुखार्जी, प्रबोध कुमार मुखार्जी, सुनील कुमार मुखार्जी,
सब के सब श्री श्री लक्ष्मीनारायण जोड का सेवाइन
(अन्तरक)

2. मैसर्स जनता कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 बिघा, 8 कट्टा 4 छटांक 40 स्को० फिट जमीन के सब कुछ, प्रमिसेस सं० 1/1 ड० देवदार रहमान रोड जो के सं० 2, ड० देवदार रहमान रोड के नाम से भी परिचित है, थाना— टालेगंज, कलकत्ता जैसे के दलिल सं० 1956 दि० 26-3-78 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

एस० के० दासगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख 1-11-1978 ।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

1. श्रीमती रेबा सेन

(अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

2. श्री जितेन्द्र नाथ राय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर, 1978

नि० सं० ए० सि० 35/अर्जन रेंज IV/कल०/78-79—अतः
मुझ एस० के० दासगुप्ता

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

जिसकी सं० 161ए० है तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
10 मार्च, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

161ए०, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड, थाना टालिगंज,
कलकत्ता का 5 कट्टा 12 छटाक जमीन का सबकुछ साथ उसपर
स्थित दो मंजीला मकान, जैसे कि दलिल सं० 1281 दिनांक
10 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, IV कलकत्ता।

तारीख : 1-11-1978
मोहर :

प्रकाश आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० सि० 36/अर्जन रेंज IV/कल०/78-
79—अतः मुझे, एन० के० दासगुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सि० एस० प्लॉट सं० 9607 है तथा जो वार्ड सं०
VI, सिलिगुडि म्युनिसिपलिटि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिलिगुडि में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 23 मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमल कुमार मित्र (अन्तरक)

2. श्री भगचन्द्र अग्रवाला,
सीता राम अग्रवाला

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सि० एस० प्लॉट सं० 9607, खतियान सं० 5298, मौजा
सिलिगुडि, वार्ड सं० VI, सिलिगुडि म्युनिसिपलिटि, जिला दार्जिलिंग
के 25 कट्टा खाली जमीन के सब कुछ।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 1-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री सनत चक्रवर्ति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कृष्णपद दासगुप्ता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सी० 37/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—अतः

मुझे एस० के० दास गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रथम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 64/30 ए० है तथा जो खुदिराम बोस सरणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को या या, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सहटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

64/30 ए०, बेलगाधिया रोड, वर्तमान खुदिराम बोस सरणी, कलकत्ता में स्थित 1 कट्टा 8 छटांक जमीन तथा उस पर निर्मित पांच मंजिला मकान का अविभाजित आधा हिस्सा जैसे कि दलिल सं० 1130 दिनांक 2 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 1-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

1. श्री सनत चक्रवर्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43)

2. श्रीमती सुप्ता दासगुप्ता

(अन्तरिती)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि० 78/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79—अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० 64/30 ए० है तथा जो खुदि राम बोस सरणी में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2 मार्च, 1978

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

64/30ए०, बेलगाछिया रोड, वर्तमान खुदि राम बोस सरणी, कलकत्ता में स्थित 1 कट्टा 8 छटाक जमीन साथ उस पर निर्मित पांच मंजीला मकान का अविभाजित आधा हिस्सा जैसे कि दलिल सं० 1131 दि० 2-3-1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-11-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

निर्देश सं० ए० सि० 39/अर्जन रेंज IV/कल०/78-79—

अतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है तथा जो निल गंज रोड, स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

12—376GI/78

1. श्री रबिन्द्र नाथ मुखर्जी

(अन्तरक)

2. मैसर्स बेंगल शा एन्ड स्टील प्रोडक्शन लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

15 निलगंज रोड, कामार हाट म्यूनिसिपैलिटी, थाना बेल-
घरिया, जिला 24 परगणा में 4 बिघा 4 कट्ठा 3 छटांक बगिचा
जमीन के सब कुछ जैसे के दलिल सं० 1716 दिनांक 31 मार्च
1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता।

तारीख : 1 नवम्बर 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर 1978

नि० सं० ए० सि० 40/अर्जन रेंज-IV/कल०/78-79-
अतः मुझे एस० के० दास गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 265/20 है तथा जो गोपाल लाल ठाकुर रोड,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
11 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अनिल बिहारी मल्लिक

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार पाल, सुनील कुमार पाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

265/20, गोपाल लाल ठाकुर रोड, थाना बरानगर,
24 परगणा में स्थित 4 कट्टा 8 छटांक जमीन साथ उस पर निर्मित
दो मंजीला मकान का सब कुछ जैसे के दलिल सं० 1310 दिनांक
11 मार्च, 1978 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

एस० के० दासगुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख : 1-11-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कलकत्ता
 कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1978

1. श्री अनाथ बन्धु दत्त
 3/77, भिक्क नगर, कलकत्ता-32
 (अन्तरक)
2. श्री विभूति कुमार मिश्र
 5/62, नेताजी नगर, यादव पुर
 कलकत्ता-40
 (अन्तरिती)

निदेश सं० 414/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे
 भास्कर सेन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० 11/22 है तथा जो झील रोड, कलकत्ता में स्थित
 है (और इसके उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
 स्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-1978
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्टा जमीन साथ उसपर बनाया तिन तल्ला मकान
 जो 11/22 झील रोड, कलकत्ता-32

भास्कर सेन,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 3-11-1978।
 मो

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1978

नि० सं० 415/एकुरे III/78-79/कल०—अतः मुझे, भास्कर सेन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लेट सं० एच० दो तल्ला पर है तथा जो 2 मन्डेमिल गार्डेंस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मार्च, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. मै० सेलोनी अनारशिप फल्टस स्कीमस प्रा० लि०
6, हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी खन्डेलयाल,
201, महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समूचा प्लट सं० एच० दो तल्ला पर जो 2, मन्डेमिल गार्डेंस, कलकत्ता पर अवस्थित 'जय जयन्ती' नाम का मकान में स्थित है।

भास्कर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज III, कलकत्ता

तारीख : 6 नवम्बर 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० एस० एम० 470/टि० आर० 279/सि० 268/कल० 77-78—अत० मुझे आई० वि० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 54 है तथा जो एजकास स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नमेंट प्लेस पार्क में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

1. बागरी एवेन्यू, (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

2. गोरधन दास बागरी एण्ड आर्षस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

54 एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, 1 बिघा 1 कट्ठा जमीन, पर पांच तला मकान जो 4-3-1978 तारीख में आई० 2276 पी० नं० अनुसार रजिस्ट्री आफ एक्क्यूटेकस का आफिस में रजिस्ट्री हुआ ।

आई० वि० एस० जुनेजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 7-11-1978 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 नवम्बर 1978

नि० सं० 416/एकरे० III/78-79/कल०—अतः मुझे भास्कर
सेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 57ए० है तथा जो हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
30 मार्च, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती उमा बनर्जी,
17/1 सि०, आलिपुर रोड, कलकत्ता-27
(अन्तरक)

2. श्री आशुतोष मुखर्जी, मन्जु मुखर्जी,
2/1 बि० हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 4 कट्टा 9 छटांक 40 स्कोय० फुट जमिन साथ स्टाक=
चारस जो 57ए० हिन्दुस्तान पार्क, कलकत्ता पर अवस्थित और
उसका अंश है ।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 13-11-1978 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1150—

अतः मुझे वि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; धर्मातुः—

1. श्रीमती भार्गवाती बाई पति श्री माधव दास,
निवासी 57, जूना रिसाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमा देवी धाड़गे पति श्री नारायण राव धाड़गे
निवासी : 6, छीपा बाखल, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 27/3 का पश्चिमी भाग राधा नगर ऐक्वेन्शन कालोनी, इन्दौर।

दि० च० गोयल,
समक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 27-10-1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1151—

अतः मुझे दि० चं० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नन्द किशोर पुत्र श्री राम रतन जी
निवासी आडा बाजार, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) अशोक कुमार, (2) विजय कुमार
दोनों पुत्र श्री पाल जी बड़नात्या
निवासी 97, बियाबानी, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 23/1, डा० रोशन सिंह भडारी, मार्ग,
इन्दौर ।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 27-10-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/
1152—अतः मुझे दि० च० गोयल, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

13-376GI/78

1. (1) श्रीमती ताराबाई विधवा पत्निश्री चन्द्र शेखर केकरे
(2) श्री अविनाश चन्द्र शेखर केकरे
(3) श्री जीवन चन्द्र शेखर केकरे ;
निवासी : न्यू पलासिया, इन्दौर

(अन्तरक)

2. (1) श्री वजय सिंह पुत्र श्री रतन लाल चौधरी, व
(2) श्री शैलेन्द्र सिंह पुत्र रतन लाल चौधरी,
नवासी महेम्बरी गली,
देवास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3, गली नं० 5, पलासिया हाना, इन्दौर।

दि० च० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/78-79/1153—

अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शिव दयाल पुत्र कडोरे लाल साह
निवासी मकान नं० 26, साधू नगर,
इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश पुत्र पञ्चालाल जी सोमानी
निवासी मकान नं० 36, गली नं० 2,
छीपा बाखल, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 27, साधू नगर, इन्दौर ।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 27-10-1978 ।

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1154—

अतः मुझे दि० च० गोयल

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहा था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हजारी मल पुत्र तिलोक चन्द पाटनी
निवासी मकान नं० 7, गली नं० 2, पारसी मोहल्ला,
इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती मानक बाई पत्नि हजारी मल जैन
निवासी मकान नं० 7, गली नं० 2,
पारसी मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलुक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल मकान नं० 7, गली नं० 2, पारसी मोहल्ला,
इन्दौर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

नि० सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल/78-79/1155—

प्रतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री दर्याब सिंह पुत्र श्री राम प्रसाद जी वर्मा
निवासी 76, रूप राम नगर कालौनी,
इन्दौर। (अन्तरक)

2. (1) श्री जगन्नाथ पुत्र राधा कृष्ण जी
(2) श्रीमती मथुरा बाई विधवा पत्नि राधा कृष्ण जी
निवासी मकान नं० 75, गली नं० 2,
राव जी बाजार, इन्दौर। (अन्तरिती)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 76, स्थित रूप राम नगर कालौनी, इन्दौर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर, 1978

सं० आई० ऐ० सी० ए०/भोपाल/78-79/1156—

अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रकमण लाल पुत्र जानकी प्रसाद जी बावरी

मालिक : मेसर्स शुभ करण प्रहलाद दास
14, छोटा सरफा, इन्दौर (अन्तरक)

2. मेसर्स राज ट्रांसपोर्ट कम्पनी

द्वारा भागीदार श्री राम निवास पुत्र मांगी लाल जी गोयल
निवासी 51, मालीपुरा, जूनी इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15/2 कड़ाव घाट, इन्दौर।

दि० च० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 27-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1157—

अतः मुझे दि० चं० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती गीता बाई पत्नि राधा किशन,
(2) श्री राधा किशन पुत्र श्री कुता लाल
(3) श्री बाबू लाल व (4) श्री कलाश चन्द्र
सभी पुत्रगण श्री राधा किशन जी
निवासी मकान नं० 108, रवीन्द्र नाथ टगोर मार्ग,
इन्दौर । (अन्तरक)
2. श्रीमती बसंती देवी पत्नि रंगनाथ जी काकानी
निवासी मकान नं० 70, गली नं० 4,
मुराई मुहल्ला, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

म्युनिसिपल मकान नं० 108, रवीन्द्र नाथ, टगोर मार्ग,
इन्दौर ।

दि० चं० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-78 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/

1158—अतः मुझे, दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 3-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती ऊषा देवी पत्नी श्री विक्रम सेन राव मतकर, निवासी 5, रेस कोर्स रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी नवरत्न दास लोधा, निवासी 68, पाडरीनाथ मार्ग, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अंशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 306 (पुराना नं० 19) का तल मंजिल स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

दि० च० गोयल,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल—अतः मुझे दि० य० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-3-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ललिता बाई पन्नि श्री राजेन्द्र मेनन, निवासी 5, रेम कोर्स रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मिट्ठा लाल पुत्र श्री मेहताब चंद राका, निवासी 4/7, नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 305 (पुराना नं० 18) का तल मंजिल स्थित जवाहर मार्ग, इन्दौर।

दि० य० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल—अतः

मुझे दि० य० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जावरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जावरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर रत की गई है और मुझे -१ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृतः—

14—376जी०आई०/78

(1) 1. श्री वीरेन्द्र कुमार, 2. श्री पुखराज, 3 श्री दिलीप कुमार सभी पुत्र श्री सूरज मल जी, व (4) श्रीमति मान कुंभर विधवा पति श्री सूरज मल जी महाजन सभी निवासी जावरा (वर्तमान निवासी आनन्द भवन जयपुर)।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री पवन कुमार, 2. श्री मानकलाल व 3. श्री महेन्द्र कुमार सभी पुत्र श्री फतेह लाल जी महाजन निवासी जवाहर पेठ, जावरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान म्युनिस्पल बियरिंग नं० 92, कोठी बाजार, जावरा।

दि० य० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख : 27-10-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1161—अतः मुझे दि० च० गोपाल
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खण्डवा में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
21-3-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब के अन्तर्गत्
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री प्रभाकर राजू व 2. श्री शरद कुमार
राजू दोनों पुत्र डा० सदाशिव राव राजू,
निवासी पड़ावा बाई नं० 19, खण्डवा।
(अन्तरक)

(2) श्री राधे श्याम व श्री हरी गोपाल दोनों पुत्र
श्री राम प्रताप जी, अग्रवाल, निवासी पड़ावा,
बाई नं० 19, खण्डवा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 11 व 12 ब्लॉक नं० 11,
स्थित पड़ावा, बाई नं० 19, खण्डवा।

दि० च० गोपाल,
सक्षम अधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, भोपाल.

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1162—प्रतः मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) स्काउडन लीडर, श्री प्रकाश नारायण नागू, निवासी 138, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिरीन सी० सेठ, 2. श्री दिनेश सी० सेठ और मास्टर संजय सी० सेठ द्वारा मां अभिभावक श्रीमति शिरीन सी० सेठ निवासी बी० नं० 83, महु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, फार्मिंग पार्क, आफ एस० नं० 763/
एल०, ग्राम खजुराना, ओल्ड पलासिया, इन्दौर।

दि० च० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 27 अक्टूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/78-79/1163—

अतः, मुझे, दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के परम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कृष्ण कुमार गमखार पुत्र श्री विभुवन कृष्ण गमखार निवासी 88, रवीन्द्र नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिरीन सी० सेठ (2) श्री दिनेश सी० सेठ व (3) मास्टर संजय द्वारा मां अभिभावक श्रीमती शिरीन सी० सेठ निवासी बी० नं० 93, महु
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, फार्मिंग पार्ट आफ एस० नं० 763/एल०, ग्राम खजराना, ओल्ड पलासिया, इन्दौर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 27-10-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1164—

अतः मुझे, दि० च० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-3-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—:

(1) श्रीमती लीला बाई पत्नी श्री लक्ष्मण दास जी, 30,
बैराठी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) सोमनाथ पुत्र मूकुन्दराम व (2) श्रीमती शान्ती
देवी पत्नी मूकुन्द राम निवासी 3, बैराठी कालोनी
इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 30, बैराठी कालोनी, इन्दौर।

दि० च० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 27-10-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई ए सी/एक वी/भोपाल/78-79/1165 अतः
मुझे, दि० च० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है
(और इसे पाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-3-1978
पूर्वकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तिथों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० लक्ष्मीनारायणदास पुत्र ऋषिकेशदास निवासी
शंकर नगर रायपुर (अन्तरक)

(2) श्री खूशरंग बतरा पुत्र लक्ष्मी चंद बतरा निवासी
कुम्हारी तह० व जिला दूर्ग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 37/5 मकान, पी० एन० नं० 110, ग्राम
शंकर नगर, रायपुर।

वी० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल-78-79/1166—

प्रतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रीवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-3-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्री महाराव कमलाकर सिंह निवासी शंकर गढ़ तह० करधना जिला इलाहाबाद वर्तमान निवासी कटधर, मुठ्ठीगंज, इलाहाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिमोहन गुप्ता पुत्र गुरुदेव गुप्ता निवासी बेंकट रोड, रीवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1011 (भाग), बेंकट रोड, रीवा।

दि० च० गोयल,
सक्षम (प्राधिकारी)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्सी०/भोपाल/78-79/1167—

अतः मुझे, दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट है, तथा जो रीवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रीवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, 20-3-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, (तन्मन्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविवरणों, अर्थात् :—

(1) श्री महाराव कमलाकर सिंह निवासी शंकरगढ़ तह० कर्धना जिला इलाहाबाद (वर्तमान निवासी कटधर, मुट्टी गज, इलाहाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरुदेव गुप्ता पुत्र श्री मन्नु लाल गुप्त निवासी बेंकट रोड, रीवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1011 (भाग) बेंकट रोड, रीवा।

दि० च० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/1168—अतः मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
15-376GI/78

(1) श्री हरभजन लाल, निवासी गोल बाजार, जबलपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री डा० जे० पी० पाहवा, निवासी रांझी, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 374, रांझी, जबलपुर ।

दि० च० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 27-10-1978.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79—
1169 अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-4-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अ को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

(1) 1. श्री भीमनदास पुत्र सेवाराम, व 2. श्री गंगलदास पुत्र श्री भीमन दास, निवासी ईदगाह भाता कालेज वार्ड, रायपुर।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहन लाल (प्रवयस्क) द्वारा अभिभावक पिता श्री श्रीकिशन अग्रवाल व (2) श्री बंजरंग बली पुत्र श्री छबील दास निवासी के सिगा, तह० भवानी, पटना जिला कालाहंडी, (उड़ीसा)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान म्युनिसिपल बियरिंग नं० 19/998, 999, 19/1000 (नया नं० 22/259) जौरा पारा, बड़ई-पारा, रायपुर।

दि० च० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/

1170—अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-5-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

(1) डा० जगदीश पुत्र श्री एल० आर० गुलाटी, प्रोफेसर, ई० एन० टी० गांधी, मेडिकल कालेज, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री नकुलसेन पुरी, (एन० एस० पुरी) पुत्र लक्ष्मण दास पुरी, मार्टिन फैब्रीकेटर्स, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल स्टेट एरिया, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10 पर एक मंजिला मकान, ई-1, सेक्टर, अएरा कालोनी, भोपाल।

दि० ख० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्टूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल-78-79/
1171—अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो लाखी, महेश्वर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेश्वर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मधुकर पुत्र श्री धर घोड़गांवकर, निवासी
महेश्वर।

(अन्तरक)

(2) श्री नवल पुत्र बाबूलाल मारुड़, निवासी ग्राम
लाखी, तह० महेश्वर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह
अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 19.16 एकड़ स्थित महेश्वर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/

1171—अतः मुझे दि० च० गोयल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो महेश्वर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री दिनकर पुत्र श्रीधर घोड़गांवकर, निवासी महेश्वर ।

(अन्तरक)

(2) श्री बल्लभ पुत्र बाबू लाल भारूड, निवासी ग्राम लाड़वी तह० महेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 19.15 एकड़ स्थित महेश्वर ।

दि० च० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री गोपाल पुत्र श्री धर घोड़ावाकर, निवासी महेश्वर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/78-79/

1173—अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो इशकपुरा, महेश्वर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महेश्वर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) 1. श्री जेम राम पुत्र रन्धीर भारुड़, निवासी ग्राम खापरखेड़ा, 2. श्री घनश्याम व 3. श्री गणेश दोनों अवयस्क द्वारा अभिभावक कर्ता श्री सिद्धार, पुत्र राम चन्द्र भारुड़, निवासी ग्राम भारुड़ (वर्तमान गांधी नगर), महेश्वर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि माप 16.28 एकड़ स्थित ग्राम इशकपुरा तह० महेश्वर ।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 अक्तूबर 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1174—अतः मुझे दि० च० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट व बिल्डिंग है, तथा जो जबलपुर में स्थित है, (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27/31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम यः धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1. श्रीमती राम कुमारी बाई पति श्री एस० के० वर्मा, श्री अजीत व श्री भवानी लाल यमी निवासी हनुमान ताल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सहादत खां पुत्र अब्दुल रहमान खां और 2. श्रीमती हजरानी दोनों निवासी हनुमान ताल, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट माप 15386 साथ अधूरी बिल्डिंग खसरा नं० 22/2 का भाग स्थित मौजा बेटला एस० नं० 52 तह० व जिला जबलपुर।

दि० च० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 27-10-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1175-अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधव दीनकर धामनकर, निवासी 53/2,
कलाली मोहल्ला, संयोगिता भैंसा, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री प्रहलाद दास पुत्र, बंसी लाल, 2. श्री
रामकिशन पुत्र बाबूलाल, 3. कैलाश चन्द, 4.
श्री कृष्ण वल्लभ, 5. श्रीम प्रकाश सभी पुत्र श्री
बाबूलाल, 6. श्री अशोक पुत्र श्री राम चन्द्र,
7 श्री ग्यारसी लाल, पुत्र श्री घीसा लाल, सभी
निवासी 43, श्रद्धानन्द मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 53/2 का दक्षिणी भाग, श्रद्धानन्द मार्ग,
इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

तारीख : 2-11-78
मोहर :

अर्जन रेंज, भोपाल

प्रकरण आई० टी० एन० एस —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1176—अतः मुझे बी० एल० राव०,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो फोफनारकला में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरहान-
पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 20-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में,
म उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित अर्थात :—

16-376 GI/78

(1) श्री अजमल हुसैन पुत्र अब्बास अली मैनेजर,
निवासी मोहल्ला खैराती, बाजार, बुरहानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल (अवयस्क) पुत्र जगन्नाथ निवासी
फोफनार कला, तह० बुरहानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 12.33 एकड़ खसरा नं० 25, स्थित
मौजा फोफनार कला तह० बुरहानपुर ।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त)

तारीख : 2-11-78

मोहर :

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1177—अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो पालासुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री शंख जगलु 2. श्री शंख अफजल (अवयस्क) दोनों पुत्र श्री ग्यासुद्दीन निवासी पालासुर तह० बुरहानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लीला धर (अवयस्क) पुत्र श्री प्रहलाद द्वारा मां अभिभावक श्रीमति पार्वती बाई पति श्री प्रहलाद निवासी ग्राम पालासुर तह० बुरहानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 15.38 एकड़ खसरा नं० 147 साथ कुआं विद्युत कनेक्शन तथा दो महुए के पेड़ स्थित ग्राम पालासुर तह० बुरहानपुर

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख 2-11-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 2 नवम्बर, 1978

सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1178—अतः

मूझे, बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि, मकान है, तथा जो ग्राम
गिरवर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम प्राधिकारी के कार्यालय
शाजापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 22-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इनायत हुसैन पूत श्री खानसाहब सुकमान
भाई निवासी उज्जैन

(अन्तरक)

(2) अंजुमन जानी बौहरा जमात कमेटी, शाजापुर
द्वारा प्रेसीडेंट श्री आमील साहिब इब्राहिम भाई
बोहरा निवासी शाजापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 3.668 रकटेयर्स खसरा नं० 864
व 865 साथ मकान नं० 7, 8 वार्ड नं० 9 तथा बाउण्ड्री वाल
व कुआ स्थित ग्राम गिरवर, शाजापुर ।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-11-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत-सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 3 नवम्बर, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1179—

अतः मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बलगांव में, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

(1) श्री दीनेश पुत्र देव दत्त कुलमी निवासी कुवा तह० राजपुर। (अन्तरक)

(2) श्री शिवराम पुत्र श्री मांगी लाल व (2) श्री प्रताप सिंह पुत्र शिवा जीलाला निवासी ग्राम देवला तह० राजपुर, जिला खरगौन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

अनुसूची

कृषि भूमि रकबा 15.75 एकड़ ग्राम बलगांव तह० राजपुर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-11-1978

मोहर:

भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 दिसम्बर 1978

विज्ञापन

सं० 2583 अराज० स्था० III/60 अराज० स्था० II/78—
भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग की अधीनस्थ लेखा
सेवा (वाणिज्यिक) (परिवीक्षा पर) में अनुभाग अधिकारी के
रूप में नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमन्त्रित किए जाते हैं।

रिक्त स्थानों की संख्या

100-120 आरक्षण—अनुसूचित जाति के लिए 15
प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए 7 1/2 प्रतिशत और
भूतपूर्व सैनिकों के लिए 10 प्रतिशत होगा। इसके लिए निर्धारित
प्राधिकारी से प्रमाण पत्र आवश्यक होगा।

अर्हता तथा अनुभव

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट या लागत एवं निर्माण लेखाकार, या
प्रथम या द्वितीय श्रेणी लेने वाले एम० काम० अथवा बी० काम०
(ग्रान्स), या प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण बी० काम० (पास) अनु-
सूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम
अर्हता किसी विश्वविद्यालय की कामर्स डिग्री होगी।

उन विभागीय उम्मीदवारों को छोड़कर जो पहले से अनुभाग
अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। अन्य विभागीय उम्मीदवार जो
उपर्युक्त अर्हता प्राप्त हैं अथवा उपर्युक्त स्तर की अवाणिज्यिक
अर्हता वाले हैं, भी आवेदन पत्र भेज सकते हैं।

1-3-1979 को आयु

चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण कार्य
लेखाकारों के लिए 30 वर्ष और अन्य के लिए 25 वर्ष। अनु-
सूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए 5 वर्षों की
छील है और उन विभागीय उम्मीदवारों के लिए आयु 35 वर्ष
होगी जो भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में लेखापरीक्षक
के रूप में 3 वर्ष या अधिक अवधि के लिए निरन्तर सेवा कर चुके
हैं।

प्रवेश परीक्षा

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट और लागत तथा निर्माण लेखाकारों
के अतिरिक्त अन्य उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में बैठना
पड़ेगा जो मई, 1979 के अन्तिम सप्ताह में होगी। प्रश्न पत्र
निम्नलिखित विषयों पर होंगे :—

- (क) व्यवसाय संगठन
- (ख) वाणिज्य विधि एवं कम्पनी विधि
- (ग) उन्नत (एडवांस्ड) बही खाता
- (घ) लेखा परीक्षण तथा
- (ङ) लागत लेखा-विधि तथा फैक्टरी संगठन

वेतन :

500-20-70-द० रो०-25-900 रु० वेतनमान में चार्टर्ड
एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण लेखाकारों का आरम्भिक
वेतन 620 रु० प्रतिमाह और सामान्य भत्ते अर्थात् महंगाई

भत्ते, मकान किराया भत्ते, नगर प्रतिपूरक भत्ते आदि सरकारी
आदेशों के अनुसार होंगे। अन्य उम्मीदवारों के लिए आरम्भिक
वेतन 500 रु० प्रतिमाह होगा और सामान्य भत्ते भी मिलेंगे।
चिकित्सा तथा अन्य प्रतिलाभ सरकारी आदेशों के अनुसार
ग्राह्य होंगे।

तैनाती का स्थान

भारत के भीतर अथवा विदेश में कहीं भी

सेवा की शर्तें

इन्हें भारत के गजट भाग III अनुभाग 1 दिनांक 16 दिसम्बर
1978 में देखा जा सकता है अथवा इस कार्यालय से डाक द्वारा
प्राप्त किया जा सकता है।

परिवीक्षा की अवधि

दो वर्ष

आयु और अर्हता की संपुष्टि में प्रमाण पत्र सहित पता,
आयु, अर्हता, राष्ट्रीयता और अनुभव के पूरे ब्यौरे देते हुए
आवेदन पत्र सहायक नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (अराज०)
10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 के पास 31
जनवरी 1979 तक बन्द लिफाफे में भेज दें जिसपर 'अनुभाग
अधिकारी (परिवीक्षा पर) के लिए आवेदन पत्र' अंकित हो।
सरकारी कार्यालयों/लोक उपक्रम में कार्यरत उम्मीदवारों को
अपना आवेदन पत्र उचित माध्यम से भजना चाहिए।

टिप्पणी :

आवेदन पत्रों की संख्या अत्यधिक होने पर उनकी छंटनी
का अधिकार तथा उन आवेदन पत्रों पर, जो नियन्त्रक-महा-
लेखापरीक्षक द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानकों के अनुरूप न
होंग, विचार न करने का अधिकार भारत के नियन्त्रक—महा-
लेखापरीक्षक द्वारा सुरक्षित है।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में अनुभाग अधिकारी
(वाणिज्यिक—परिवीक्षा पर) की नियुक्ति की शर्तें :—

1. अधिवास : आवेदक के लिए अधिवास की शर्तें निम्न-
लिखित होंगी :

- (क) भारत का नागरिक,
या
- (ख) नेपाल का नागरिक,
या
- (ग) भूटान का नागरिक
या
- (घ) तिब्बत का विस्थापित जो भारत में स्थायी रूप से
निवास करने के उद्देश्य से 1 जनवरी 1962 से पहले
भारत आया हो ;
- (ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति जो संवैधानिक परिवर्तन
के कारण स्थायी रूप से निवास करने के उद्देश्य से
पाकिस्तान, बर्मा से (1-6-1963) को या उसके
बाद) श्री लंका से (1-11-1964 को या उसके
बाद), पूर्वी अफ्रीका देशों जैसे कीन्या, युगांडा,

से तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तांग नाइका और जंजीबा) जाम्बिया, मलावी, जैरे, इथोपिया और वियतनाम से आए हों।

बशर्ते कि उसी व्यक्ति को श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) में आने वाला उम्मीदवार माना जाएगा जिसके पक्ष में भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण पत्र जारी किया गया हो। तथापि इस प्रकार के उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार के लिए अनुमति दी जाएगी परन्तु चुने जाने के बाद नियुक्ति का प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण पत्र जारी किए जाने के बाद ही दिया जाएगा।

2. आयु : आवेदक की आयु 1-3-1979 को 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। (चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण लेखाकारों के मामले में 30 वर्ष) निम्नलिखित मामलों में ऊपरी आयु सीमा में ढील दी गई है :—

(क) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति और सदाशय विस्थापित सोनार, अंधा, बधिर, मूक और शारीरिक रूप से विकलांग के लिए 5 वर्ष तक की ढील होगी। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन-जातियों के आवेदन पत्र के साथ जन्म तिथि दर्शाने वाले मैट्रिकुलेशन प्रमाण पत्र या स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतियां होनी चाहिए।

(ख) भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने थल सेना में कम से कम 6 महीने सेवा की हो, के मामले में की गई सेवा की अवधि के अतिरिक्त 3 वर्ष तक की ढील होगी।

(ग) गोवा, दमन और दीव के निवासियों के लिए आयु सीमा 50 वर्ष तक की होगी।

(घ) भारतीय मूल के व्यक्तियों जो केन्या, तंजानिया और यूगांडा के पूर्वी अफ्रीका देशों में कार्यरत थे, पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति जो 1-1-1964 को या उसके बाद भारत में आए (विस्थापित प्रमाण पत्र के प्रस्तुतीकरण के अन्वयधिन) और बर्मा तथा श्रीलंका से स्वदेश भेजे गए व्यक्तियों, जो उन देशों से क्रमशः 1-6-1963 और 1-11-1964 को या उसके बाद भेजे गए के मामले में आयु सीमा 45 वर्ष तक होगी।

(ङ) विभागीय लेखापरीक्षाओं के मामले में यदि उन्होंने भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में कम से कम 3 वर्ष की लगातार सेवा पूरी कर ली है, आयु सीमा 35 वर्ष तक की होगी।

टिप्पणी (i) पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को पुनर्वास मंत्रालय से जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(ii) पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को ट्रांसिट केन्द्र/राहत कैंप के कैंप कमान्डेंट या उस क्षेत्र के जिसमें फिलहाल वह निवासी हो, जिलाधीश से उस प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत

करनी चाहिए जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह पुरुष/स्त्री पूर्वी पाकिस्तान का एक सदाशय विस्थापित व्यक्ति है।

(iii) बर्मा, श्री लंका पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या उगांडा, तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य, जाम्बिया, मलावी, जैरे, इथोपिया और वियतनाम से देश प्रत्यावर्तित व्यक्ति को सम्बन्धित देश में भारतीय दूतावास/उच्चायोग द्वारा उस पुरुष/स्त्री को जारी किया गया परिचय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिससे यह पता लग सके कि वह पुरुष/स्त्री अनुसूचित देश से सदाशय देश प्रत्यावर्तित व्यक्ति है।

3. अर्हताएं :—अनुसूचित जाति/ जन जाति के उम्मीदवार से इतर प्रार्थी की निम्नलिखित शैक्षिक अर्हताओं में से कोई सी एक अर्हता होनी चाहिए :—

- (क) योग्यता प्राप्त (क्वालीफाइड) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट
- (ख) योग्यता प्राप्त लागत एवं निर्माण-कार्य लेखाकार
- (ग) प्रथम या द्वितीय श्रेणी बी० काम० (आनर्स)
- (घ) प्रथम या द्वितीय श्रेणी एम० काम०

अनुसूचित जाति और जनजाति के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम अर्हता वाणिज्य (कामर्स) में विश्वविद्यालय डिग्री होगी।

अनुभाग अधिकारी के पद पर पहले से ही काम कर रहे कर्मचारियों को छोड़ कर, भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग के विभागीय उम्मीदवार, जो उपर्युक्त अर्हताएं रखते हों, आवेदन पत्र देने के पात्र हैं। विभागीय उम्मीदवार जो उपर्युक्त मानदण्ड की अर्हता (वाणिज्य से इतर) रखते हैं, भी आवेदन पत्र दे सकते हैं।

4. आवेदन-पत्र का फार्म, सभी आवेदन पत्रों में निम्नलिखित विवरण होने चाहिए :—

- (1) पूरा नाम (मोटे अक्षरों में)
- (2) पिता का नाम और पेशा
- (3) डाक-पता (बाद में हुए परिवर्तन को शीघ्र सूचित करना चाहिए)।
- (4) राष्ट्रीयता
- (5) क्या अनुसूचित जाति/जनजाति के हैं।

यदि हाँ, तो अनुसूचित जाति/जनजाति का नाम दिया जाए जिसके साथ निर्धारित फार्म में जिलाधीश या सब डिवीजनल आफिसर का विधिवत् प्रमाण-पत्र भी हो।

(6) जन्म का स्थान और तिथि (ईसवी सन् में) जिसके साथ जन्मतिथि को दर्शाने वाले मैट्रिकुलेशन या स्कूल लीविंग सर्टीफिकेट की सत्यापित प्रतिलिपि हो।

(7) शैक्षिक अर्हताएं (पूर्ण विवरण)—मैट्रिक/एस० एस० एस० सी० और उससे आगे की प्रत्येक परीक्षा, जिसमें प्रत्येक पेपर या विषय के अधिकतम अंक और वास्तव में प्राप्त अंक तथा कुल अंक और प्राप्त डिवीजन दिए हों एवं जिसके साथ प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतियां भी हों। संस्थाएं जिनमें शिक्षा प्राप्त की गई हो, के नाम भी दर्शाए जाएं।

(8) (क) वह वर्ष जिसमें प्रत्याशी अखिल भारतीय प्रतियोगिता परीक्षा (रोल नम्बर और प्राप्तांक और प्राप्तस्थान सभी) में बैठा हो।

(ख) यदि परीक्षा में बैठा हो तो क्या साक्षात्कार के लिए बुलाया गया।

(9) कार्य का पूर्व अनुभव, यदि कोई हो (रोजगार के विवरण दर्शाए जाएं)।

टिप्पणी :—(1) आवेदन पत्र जिनके साथ उपर्युक्त विवरण नहीं होंगे, अस्वीकार किए जा सकते हैं।

(2) उन उम्मीदवारों को जो केन्द्रीय/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन/सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम में काम कर रहे हैं, केवल उचित माध्यम से ही आवेदन पत्र देना चाहिए। आवेदन पत्रों की अग्रिम प्रतियों पर कार्यवाही नहीं की जाएगी।

5. शंसा-पत्र :— आवेदन पत्रों के साथ ऐसे राजपत्रित अधिकारियों या दण्डाधिकारियों (मजिस्ट्रेट) जो प्रार्थी के सम्बंधी नहीं हैं द्वारा दिए गए चरित्र के दो शंसा पत्र होने चाहिए। अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को उस स्थान के जिसमें आवेदन-पत्र की तारीख को उनके माता-पिता (या उनमें से एक जीवित) साधारणतः रहते हैं या यदि दोनों माता-पिता मर चुके हैं। तो उस स्थान जिसमें वह अपनी स्वयं की शिक्षा के उद्देश्य के अलावा साधारणतः रहते हैं, के जिलाधीश या सब डिवीजनल अधिकारी या अन्य प्राधिकृत अधिकारी से इस आशय का मूल प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए कि वह अनुसूचित जातियों/जनजातियों में से किसी एक जाति (जाति या जनजाति) का है। तथापि चुने गए उम्मीदवारों को नियुक्ति से पूर्व जिलाधीश या सब डिवीजनल अधिकारी या उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विधिवत् सत्यापित चरित्र का एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

6. आवेदन-पत्र की अंतिम तिथि :—सभी आवेदन-पत्र भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक नई दिल्ली के कार्यालय में 31 जनवरी, 1979 या उससे पहले पहुंच जाने चाहिए। उस तारीख के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। यही शर्त उन आवेदन पत्रों, जिनको केन्द्रीय/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में काम कर रहे प्रत्याशियों द्वारा उचित माध्यम से प्रस्तुत करना है, के मामले में भी लागू होगी।

7. प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट और लागत एवं निर्माण-कार्य लेखाकारों से इतर उम्मीदवारों को प्रवेश-परीक्षा देनी होगी। जोकि भारत में महा-लेखाकारों के सभी मुख्यालयों में होगी और जो अंतरिम रूप से मई 1979 के अंतिम सप्ताह में होगी।

परीक्षा के निम्नलिखित पत्र-पत्र होंगे :—

(क) व्यवसाय-संगठन।

(ख) वाणिज्य विधि और कम्पनी विधि।

(ग) उन्नत (एडवांस्ड) बही खाता।

(घ) लेखापरीक्षा तथा,

(ङ) लागत लेखा विधि तथा फैक्टरी संगठन।

तथापि चयन बोर्ड द्वारा साक्षात्कार किए जाने के बाद ही अंतिम चयन होगा।

चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण-कार्य लेखाकारों का चयन केवल साक्षात्कार की प्रक्रिया के माध्यम से ही किया जायगा। अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को छोड़कर अन्य उम्मीदवारों को अपने व्यय पर चयन बोर्ड के सामने साक्षात्कार के लिए/प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। साक्षात्कार/प्रवेश परीक्षा के केन्द्र प्रतियोगियों को सूचित किए जायेंगे। अनुसूचित जाति/जनजाति उम्मीदवारों के मामले में जाने तथा आने का सबसे छोटे मार्ग द्वारा दूसरी श्रेणी की यात्री रेलगाड़ी का एक तरफा रेल भाड़ा दिया जाएगा।

8. परिवीक्षा तथा प्रशिक्षण :— परिवीक्षा काल की अवधि सामान्यतया दो वर्ष होगी। परिवीक्षा अवधि के दौरान उन्हें ऐसे स्थान पर और ऐसी रीति से, जो भी निर्धारित हो, एक नियमित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेना होगा। उन्हें इस अवधि के दौरान नियमित कार्य भी सौंपा जा सकता है।

9. विभागीय परीक्षाएं तथा स्थायीकरण

(क) प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, निम्नलिखित विषयों में एक परीक्षा आयोजित की जाएगी :—

(i) सार लेखन एवं प्रारूप लेखन।

(ii) मूल नियमावली, पेंशन नियमावली आदि।

(iii) केन्द्रीय लोक निर्माण लेखाओं सहित सिविल लेखा तथा लेखापरीक्षा।

(iv) सरकारी लेखा तथा लेखापरीक्षा का परिचय, खजाना नियमावली तथा सामान्य वित्तीय नियमावली।

इस परीक्षा में उत्तीर्ण प्रतियोगियों को नियमित अनुभाष अधिकारी नियुक्त किया जाएगा जो अनुत्तीर्ण रहेंगे उन्हें सेवाओं से मुक्त किया जाएगा।

(ख) चुने हुए व्यक्तियों को सेवा में रहते हुए निम्न-लिखित परीक्षाओं में भी उत्तीर्ण होना होगा।

(i) हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत सेवा के दौरान प्रशिक्षण आदि के लिए भारत सरकार के आदेशों के अनुसार हिन्दी में परीक्षा (यदि उन्होंने मेट्रिकुलेशन स्तर तक हिन्दी नहीं पढ़ी हो)।

(ii) उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा में परीक्षा जिस राज्य में उनकी अनुभाग अधिकारी के रूप में मूलतः नियुक्ति की गई हो।

(ग) परिवीक्षा के संतोषजनक रूप से पूरा किए जाने पर वह स्थायीकरण का पात्र होगा बशर्ते कि स्थायी रिक्त स्थान उपलब्ध हो। उसका स्थायीकरण भी तभी होगा जब उसे सेवा में स्थायी रूप से बनाए रखने के लिए सभी प्रकार से सुयोग्य समझा जाएगा। तथापि, उसके अधीनस्थ लेखा सहायक में स्थायीकरण से उसे वरिष्ठता का कोई विशेष हक प्राप्त नहीं होगा। नियमित अधीनस्थ लेखा सेवा (वाणिज्यिक) भाग II की परीक्षा में सफल होने वाले विभागीय प्रतियोगियों की तुलना में सीधी भर्ती के प्रतियोगियों की वरिष्ठता वर्तमान वरिष्ठता नियमावली अर्थात् नियंत्रक—महालेखापरीक्षक के स्थायी आदेशों की पुस्तिका (प्रशासन) खण्ड I के पैरा 184 के अनुसार निर्धारित की जाएगी। एक ही परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले सीधी भर्ती के प्रतियोगियों की परस्पर वरिष्ठता निम्न प्रकार से नियत की जाएगी :—

(i) वर्ग के रूप में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट का स्थान वरिष्ठता में सबसे ऊँचा होगा, परन्तु उनकी परस्पर वरिष्ठता भर्ती के समय चयन बोर्ड द्वारा नियत की जाएगी।

(ii) वर्ग के रूप में लागत तथा निर्माण-कार्य लेखाकार का स्थान वरिष्ठता में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट से नाचे होगा, उनकी परस्पर वरिष्ठता भर्ती के समय चयन बोर्ड द्वारा दिए गए स्थान के अनुसार होगी।

(iii) ऊपर के पैरा 3 के अनुसार वर्ग के रूप में बाहर से लिए गए अन्य उम्मीदवारों (विभागीय

उम्मीदवारों सहित) का स्थान वरिष्ठता में चार्टर्ड एकाउन्टेन्टों और लागत तथा निर्माण-कार्य एकाउन्टेन्टों के बाद होगा। इस वर्ग के उम्मीदवारों की परस्पर वरिष्ठता प्रवेश परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त पद के अनुसार नियत की जाएगी।

10. नियुक्ति :—अनुभाग अधिकारी (परिवीक्षा पर)

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग में मुख्य रूप से वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कार्यालयों के लिए भर्ती किए जा रहे हैं। विभिन्न कार्यालयों के लिए उनका अंतिम आवंटन अपर उप-नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) द्वारा किया जाएगा। उम्मीदवारों को भारत तथा विदेश में भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है।

11. नियुक्ति के समय सभी व्यक्तियों को इस बात का लिखित बचन देना होगा कि वे अपने परिवीक्षा काल के दौरान न तो कहीं और किसी अन्य पद के लिए आवेदन देंगे और न ही अन्य नियुक्तियों के लिए अर्हता प्राप्त करने हेतु किसी परीक्षा में बैठेंगे।

12. वेतनमान :—अनुभाग अधिकारियों (परिवीक्षा पर) को 500 रु० प्रति माह की दर से वेतन तथा समय-समय पर (नियमानुसार) स्वीकार्य भत्ते भी दिए जाएंगे। चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट तथा लागत एवं निर्माण-कार्य लेखाकारों के मामले में यह 620 रु० प्रति माह होगा। उन्हें 500-20-700-६० रो० 25-900-६० के वेतनमान में सामान्य वेतन वृद्धि दी जाएगी। विभागीय परीक्षा पास करने के बाद अनुभाग अधिकारी (लेखा तथा लेखापरीक्षा) के रूप में उनकी नियमित नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष बाद उन्हें पहली वेतन वृद्धि मिलेगी।

टिप्पणी :—लेखा तथा लेखापरीक्षा कार्यालय में प्रशिक्षण के लिए अथवा अन्यथा नियुक्ति होने पर, उस कार्यालय से सम्बद्ध विभाग अध्यक्ष उसी प्रकार सभी अधिकारों का प्रयोग करेगा, जैसा कि वह उस स्थिति में करता, जबकि नियुक्ति आरम्भ में ही उसी के द्वारा की गई होती।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 20th November 1978

No. F. 22/79-SCA-(G)—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year—1979.

Name of holidays	Date & Month	Day of the week	No. of days
New Year's Day	1st January	Monday	1
Republic Day	26th January	Friday	1
Basant Panchmi	1st February	Thursday	1
Holi	12th to 14th March	Monday to Wednesday	3
Ramanavami	5th April	Thursday	1
Mahavir Jayanti	10th April	Tuesday	1
Good Friday	13th April	Friday	1
Janmashtami	14th August	Tuesday	1
Independence Day	15th August	Wednesday	1
Dussehra	24th 28th September	Monday to Friday	5
Vijay Dasami	1st October	Monday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Tuesday	1
Diwali	19th & 20th October	Friday & Saturday	2
Id-ul-zuha (Bakrid)	2nd November	Friday	1
X'mas & New Year Holidays.	24th December to 4th January, 1980	Monday to Friday	12

By Order
M. P. SAXENA

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 10th November 1978

No. A.35017/1/77-Admn.II.—On his selection for appointment, on deputation, Shri J. G. Kochhar, Section Officer of the office of the Accountant General, Punjab, Chandigarh, has been appointed to officiate as Accounts Officer a gazetted Class II post in General Central service in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 3-11-78 for a period of one year in the first instance, or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.
for Secy.

New Delhi-110011, the 15th November 1978

No. A.12024/3/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Subramanyam IAS (Andhra Pradesh cadre) to the post of Additional Secretary, Union Public Service Commission, in the scale of Rs. 2500-125/2-2750, in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 1-11-1978 until further orders.

The 20th November 1978

No. A.19013/3/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Som an officer of the Indian Postal Service, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 15th November, 1978, until further orders.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.

New Delhi-110011, the 9th November 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistant of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on ad-hoc basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

S. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
	Shri		
1.	H. S. Bhatia	for a further period from 1-11-78 to 28-2-79.	—
2.	K. L. Sharma	for a further period from 1-11-78 to 28-2-79	—
3.	B.R. Basra	for a further period from 18-11-78 to 31-1-79	—
4.	I. J. Sharma	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78.	—
5.	S. K. Arora	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78.	Shri S. K. Arora, for the period he officiates as Section Officer, has been redesignated as Desk Officer & will draw special pay of Rs 75/- per month in addition to his pay as Section Officer in terms of DOP&AR O.M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11-12-75.
6.	R. K. Jasuja	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78.	—
7.	S. N. Sharma	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78.	—
8.	Jai Narain	for a further period from 1-11-78 to 31-12-78.	—
9.	R. K. Goyal	for a further period from 22-10-78 to 23-12-78.	—

The 17th November 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, Permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 30-10-78 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even No. dated 30-9-78 as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely provisional temporary and *ad hoc* basis for a period of 2 months w.e.f. 1-11-78 to 31-12-78 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and on *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade. Further his appointment is subject to the approval of the Department of Personnel & ARs.

S. BALACHANDAN,
Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,
DEPTT. of PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th November 1978

F. No. S-158/67-Ad.V.—Shri S. Rath, an officer of the Orissa State Police, who was on deputation to C.B.I. as Dy. Supdt. of Police, relinquished charge of his office on the afternoon of 3-10-78. His services have been placed back at the disposal of State Government.

F. No. A-19036/16/76-Ad.V.—Shri N. Patnaik, Dy. Supdt. of Police, an officer of the Orissa State Police, who was on deputation to C.B.I., relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police in C.B.I. on the afternoon of 18-11-78. His services are placed back at the disposal of State Authorities.

F. No. A-19036/34/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, & I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri Ranbir Singh, an Officer of Punjab State Police and an Inspector of Police in Ambala Branch of C.B.I. to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I., S.P.E., with effect from forenoon of 20-11-78 and until further orders.

RIPDAMAN SINGH,
Administrative Officer (A)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE.

New Delhi-110001, the 22nd November 1978

No. O.II-8/76-Estt.—Consequent on his repatriation to his parent state of Assam, Shri P. C. Das, IPS relinquished the charge of the post of IGP S/IV, CRPF, Shillong on the forenoon of 1st November, 1978.

No. O.II-1072/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation of Dr. R. Mohan Pillai, Junior Medical Officer (GDO; Gd.II) of 21st Bn, CRPF with effect from 18-9-78 (AN).

No. O.II-3/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri S. Dutta Chowdhury, an IPS officer of Gujarat Cadre, as IGP in the CRP Force.

2. Shri Chowdhury took over charge of the post of IGP S/IV CRPF, Shillong on the afternoon of 7th November, 1978.

The 24th November 1978

No. O.II-451/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion an ad-hoc basis Shri I. J. Singh as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri I. J. Singh handed over charge of the post Asstt. Comdt. in the office of IGP S/I, CRPF Hyderabad on the afternoon of 1-11-78 and took over the charge of the post of Commandant 44 Bn. CRPF on the afternoon of 7-11-78.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.).

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 17th November 1978

No. E-32015(1)/8/74-Pers.—On attaining the age of superannuation Lt. Col. T. K. George relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit FACT, Udyogamandal with effect from the afternoon of 31st October, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri A. S. Khaturia assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, HAL Pimpri with effect from the afternoon of 16th October 1978 *vice* Shri S. K. Kohli who on transfer to New Delhi relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Visakhapatnam Shri M. R. Dinesan assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit FACT, Udyogamandal, w.e.f. the forenoon of 12th October, 1978 *vice* Shri K. G. Thomas Asstt. Commandant who on his transfer on deputation to Cochin Port Trust Cochin as Vigilance Officer, relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

The 22nd November 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri C. D. Kukreti relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 21st September, 1978.

The 25th November 1978

No. E-16013(1)/3/76-Pers.—On repatriation on the expiry of his deputation term Shri Hans Raj Swan IPS (Har-57) relinquished the charge of the post of Dy. IG (Adm. & Induc.) CISF HQrs., New Delhi, w.e.f. the forenoon of 13th November, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Trombay Shri P. S. Nandal assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit BSP Bhilai with effect from the afternoon of 2nd November, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Nangal Shri S. K. Jaiman assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 8th November, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri K. P. Nair relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit ISRO Thumba w.e.f. the afternoon of 18th October, 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam w.e.f. the forenoon of 28th October 1978.

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On completion of training abroad under the Colombo Plan and leave Shri B. R. Luthra, IPS (MP-60) assumed the charge of the post of DIG (Rect. & Trg.), CISF HQrs., New Delhi with effect from the forenoon of 13th November 1978.

NARENDRA PRASAD
Inspector-General/CISF

FINANCE COMMISSION
VIGYAN BHAWAN ANNEXE

New Delhi, the 24th November 1978

No. 7-F.C. 2(7)-A/77.—Shri P. B. Dhawan, a Permanent Grade IV Officer of the Indian Economic Service formerly Private Secretary to Chairman in the Seventh Finance Commission has been appointed as Senior Research Officer in the same Commission in the scale of Rs. 1100-1600 for the extended period of two months with effect from the forenoon of 1st November, 1978 to 31st December, 1978 (A.N.).

S. K. DAS GUPTA
Director

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 21st November 1978

No. OE-I/326.—Shri G. V. Ramasubban, as officiating Accounts Officer, has been permitted to retire voluntarily from Government service w.e.f. 1-10-1977 forenoon, under the voluntary retirement scheme, introduced by Government of India, Ministry of Home Affairs Department of Personnel and Administrative Reforms, Office Memorandum No. 25013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977.

KRISHNA GOPAL
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 21st November 1978

No. 68018(2)/71-AN. II.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar Lal, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to the Cabinet Secretariat, Department of Personnel & Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs as Deputy Secretary) to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that Service with effect from the forenoon of 23rd October, 1978, until further orders, under the 'Next Below Rule'.

The 23rd November 1978

No. 4769/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Bahadur Murao, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as Member, Bureau of Industrial Costs & Prices) has been transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31st October 1978.

R. L. BAKHSHI
Addl. Controller General of
Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 3rd November 1978

No. 72/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. GM (SG)-Level-II/DDGOF-Level-II with effect from the date shown against them, until further orders :—

- | | |
|----------------------------|-----------------|
| (1) Shri G. N. Ramaseshan, | 20th July, 1978 |
| offg. GM/Gr. I | |
| (2) Shri J.C. Marwaha, | 20th July, 1978 |
| Pt. GM/Gr. I | |
| (3) Shri R. K. Chellam, | 20th July, 1978 |
| Offg. GM/Gr. I | |
| (4) Shri V.V. Karmarkar, | 20th July, 1978 |
| Offg. ADGOF/Gr. I | |

No. 73/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- | | |
|-----------------------------------|------------------|
| (1) Shri T. K. Banerjee, Pt. D.M. | 1st July, 1978 |
| (2) Shri M. Mitra, Pt. DADG | 2nd Sept., 1978. |
| (3) Shri A. Ramamurthy, Pt. DADG | 2nd Sept., 1978 |

No. 74/G/78.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Dy. Manager/DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- | | |
|--------------------------------------|--------------------|
| (1) Shri Rajnish Kumar, Pt. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (2) Shri Bal Bhushan, Pt. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (3) Shri S.S.R. Zaidi, Pt. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (4) Shri R. P. Sharma, Pt. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (5) Shri B.S. Shipoor, Pt. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (6) Shri B.J. Rajah, Offg. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (7) Shri K.G. Nair, Offg. A.M. | 22nd April, 1978 |
| (8) Shri R. Krishnan, Pt. A.M. | 16th June, 1978 |
| (9) Shri S. Ramomurthy, Pt. A.M. | 16th June, 1978, |
| (10) Smt. Minakshi Seth, A.M. (Prob) | 10th August, 1978, |
| (11) Shri H. K. Narula, AM (Prob) | 10th August, 1978 |

The 21st November 1978

No. 77/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri H. P. Chatterjee, Offg. Officer Supervisor (Subst. & Permt. A.S.O.) retired from service with effect from 30th September, 1978 (A/N).

No. 78/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. L. Mukherjee, Offg. Officer Supervisor (Subst. & Permt. A.S.O.), retired from service with effect from 30th September, 1978 (A/N).

The 22nd November 1978

No. 79/78/G.—The President is pleased to appoint Shri Somendra Yamdagni as Asstt. Manager (prob.) with effect from 6th January, 1978.

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVISE
SERVICE & LABOUR INSTITUTE

Bombay, the 20th November 1978

No. 17/18/78-Adm.—The Director-General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri Prem Bahadur Pal, Research Officer (Chemical) w.c.f. 4th November, 1978 (FN) in the Regional Labour Institute, Calcutta under the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay.

A. K. CHAKRABARTY
Director General

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATIONOFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th November 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/440/56-Admn. (G)/8319.—On attaining the age of superannuation, Shri R. N. Ghosh, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta relinquished the charge of the post in that office on the afternoon of the 31st October 1978.

No. 6/893/70-Admn. (G)/8326.—On attaining the age of superannuation, Shri H. S. Premchandani, an officer of the Section Officer's Grade of the CSS, relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st October, 1978.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
(OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS)

New Delhi, the 7th November 1978

No. A-12025/2/75-EI/DCH. Admn. II.—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 6th September, 1978 and until further orders Shri Chakradhar Datta, as Assistant Director, Grade I (Processing) in the Weavers' Service Centre, Calcutta.

(Km.) RENU SAHNI
Deputy Development Commissioner
(Handlooms)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 23rd November 1978

No. CER/4/78—In exercise of the powers conferred on me by Clause 31 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that every Producer having a Spinning Plant shall submit to the Textile Commissioner, Economic Branch, Bombay, true and accurate information in the proforma appended below with respect to the import and consumption of Acrylic fibre :—

1. relating to the period ending on the last day of November 1978 on or before the 31st December 1978 and
2. relating to the one month period beginning from the month of December 1978 on or before the 10th day of the succeeding month.

PROFORMA

Statement showing Import, Consumption and stock of Acrylic fibre for the month/period ending.....

(1) Identification Particulars

(2) Details of Import Licence

S. No.	Item	Particulars	Item Code
(0)	(1)	(2)	(3)
11	State		
12	*Month/period ending		
13	Unit Sr. No.		
14	Sector	*Cotton/ Wool/ Art-silk	*1/2/3

S. No.	Licence No. & Date	Quantity (Kgs.)	Value (Rs.)
(0)	(1)	(2)	(3)
21			

*Delete whichever is not applicable.
Name of the Manufacturers :
Address :

(3) IMPORTS, CONSUMPTION & STOCK OF ACRYLIC FIBRE

S. No.	Item	Date of opening L.C.	Value of L.C.	Quantity covered	Opening balance	Total Imports during the period/month	Local purchases	Consumption during the period / month	Balance at the end of the period month	Remarks
			Rs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.*	Kgs.	Kgs.	Kgs.	
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)*
31	Imported									
32	Indigenous	×	×	×		×				
40	Total									

*Note :— In respect of return to be furnished by 31st December 1978 the information required in Columns (6), (8) and (9) above should cover the period beginning from the time of import of Acrylic fibre to the end of November 1978.

No. 5(2)/78-CLB-II—In exercise of the powers conferred on me by Clause 10 of the Art Silk Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that every manufacturer of Art Silk Yarn shall submit to the Textile Commissioner, Economic Branch, Bombay, true and accurate information in the proforma appended below with respect to the import and consumption of Acrylic fibre :—

1. relating to the period ending on the last day of November 1978 on or before the 31st December 1978 and
2. relating to the one month period beginning from the month of December 1978 on or before the 10th day of the succeeding month.

PROFORMA

Statement showing Import, Consumption and stock of Acrylic fibre for the month/period ending.....

(1) Identification Particulars

(2) Details of Import Licence

S. No.	Item	Particulars	Item Code
(0)	(1)	(2)	(3)
11	State		
12	*Month/period ending		
13	Unit Sr. No.		
14	Sector	*Cotton/ Wool/ Artsilk	*1/2/3

S. No.	Licence No. & Date	Quantity (Kgs.)	Value (Rs.)
(0)	(1)	(2)	(3)
21			

*Delete whichever is not applicable.
Name of the Manufacturer:
Address :

(3) IMPORTS CONSUMPTION & STOCK OF ACRYLIC FIBRE

S. No.	Item	Date of opening L.C.	Value of L.C.	Quantity covered	Opening balance	Total Imports during the period/month.	Local purchases	Consumption during the period/month	Balance at the end of the period/month	Remarks
			Rs	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs	Kgs	Kgs	
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	Imported									
32	Indigenous	×	×	×		×		×		
40	Total									

*Note :— In respect of return to be furnished by 31st December 1978 the information required in Columns (6), (8) and (9) above should cover the period beginning from the time of imports of Acrylic fibre to the end of November, 1978.

No. 7(2)/78-CLB II— In exercise of the powers conferred on me by Clause 10 of the Woollen Textiles (Production & Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that every manufacturer of Woollen Yarn shall submit to the Textile Commissioner, Economic Branch, Bombay, true and accurate information in the proforma appended below with respect to the import and consumption of Acrylic Fibre :—

1. relating to the period ending on the last day of November 1978 on or before the 31st December 1978 and
2. relating to the one month period beginning from the month of December, 1978 on or before the 10th day of the succeeding month.

PROFORMA

Statement showing Import, Consumption and stock of Acrylic Fibre for the month/period ending.....

(1) Identification Particulars.

(2) Details of Import Licence

S. No.	Item	Particulars	Item Code	S. No.	Licence No. & Date	Quantity (Kgs.)	Value (Rs.)
(0)	(1)	(2)	(3)	(0)	(1)	(2)	(3)
11	State			21			
12	*Month/period ending						
13	Unit Sr. No.						
14	Sector	*Cotton/ Wool/ Artsilk	*1/2/3				

*Delete whichever is not applicable.

Name of the Manufacturer :

Address :

(3) IMPORTS CONSUMPTION & STOCK OF ACRYLIC FIBRE

S. No.	Item	Date of opening L.C.	Value of L.C.	Quantity covered	Opening balance	Total imports during the period/month	Local purchases	Consumption during the period/month	Balance at the end of the period/month	Remarks
			Rs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	Kgs.	
(0)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)*	(7)	(8)*	(9)*	(10)
31	Imported									
32	Indigenous		×	×		×		×		
40	Total									

*Note :— In respect of return to be furnished by 31st December, 1978 the information required to Columns (6), (8) and (9) above should cover the period beginning from the time of import of Acrylic fibre to the end of November 1978.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700 016, the 22nd November 1978

No. 8065B/13/76(DKRC)/19A.—Shri D. K. Roy Chowdhury received charge of the post of Assistant Cost Accounts Officer in the Geological Survey of India on reversion from M/s. Jessop & Co. Ltd., Calcutta in the same capacity from the forenoon of 1st November, 1978.

CORRIGENDUM

The 23rd November 1978

No. 8117B/30/75/19C.—The name of Shri C. L. V. R. Anjaneyulu, Shift Boss, G.S.I., appearing at Sl. No. 50 of this office Notification No. 30/75/19C dated 10-2-77 stands deleted.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th November 1978

No. A19012(106)/78-Estt-A.—Shri S. M. Dandekar, Senior Technical Assistant (Geology) is promoted to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 24th October, 78, until further orders.

The 22nd November 1978

No. A-19012/16/70-Estt. A.—Shri B. B. Shukla, Permanent Hindi Translator and Officiating Senior Hindi Translator, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Hindi Officer in Indian Bureau of Mines on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 2nd November, 1978, until further orders.

No. A-19012(43)/76-Estt. A.—Shri D. N. Ghare, Officiating Deputy Librarian, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Librarian in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 7th November, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th October 1978

No. 9/10/78-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Sr. Grade Stenographers working in News Service Division/External Service Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitoring), News Services Division, All India Radio, New Delhi on a purely *ad-hoc* basis with effect from the date mentioned against each, until further orders :—

1. Shri J. N. Agnihotri—17-7-78 (F.N.)
2. Shri O. N. Mehrotra—24-7-78 (F.N.).

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 20th November 1978

No. A-12026/7/75-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri V. R. Peswani, Permanent Superintendent, Films Division, Bombay to officiate on *ad-hoc*

basis as Assistant Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 17th November, 1978.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st November 1978

No. A. 32015/4/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Lall Senior Technical Assistant, to the post of Assistant Depot Manager in the Department of Family Welfare with effect from the afternoon of the 13th January 1978 on an *ad-hoc* basis until further orders.

The 27th November 1978

No. A. 12025/6/76-SI.—On the basis of recommendations made by the UPSC, the President is pleased to appoint Dr. Manohar Lal Dewan, Microbiologist, Central Food Laboratory, Calcutta, to the post of Director, Biological Laboratory and Animal House, Government Medical Store Depot, Madras with effect from 1-11-78 a temporary capacity until further orders.

S. K. KARTHAK
Deputy Director Admn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th November 1978

No. A. 19023/57/78-A. III.—On the recommendations of the D.P.C., Shri K. S. Nishal who is working as Marketing Officer (Group II) on *ad-hoc* basis, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 6-11-78, until further orders.

The 25th November 1978

No. A. 19025/56/78-A. III.—On the recommendations of the D.P.C., Shri V. K. Mittal who is working as Assistant marketing Officer (Group III) on short-term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group III), on regular basis with effect from 6-11-78 until further orders.

No. A. 19025/64/78-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Nand Lal Singh, officiating as Assistant Marketing Officer on short term basis, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 31-8-78 (F.N.) until further orders.

No. A. 19025/109/78-A. III.—Shri V. L. Vairagar, Senior Inspector has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Panaji (Goa) with effect from 9-11-78 (F.N.) upto 31-12-78, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19025/113/78-A. III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri Yogendra Kumar Pandey has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Patna with effect from 7-11-78 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 22nd November 1978

No. S/356/Med/Estt. I/4578.—Director, BARC, has accepted the resignation from service tendered by Dr. Sampige Nanjudiah Sreenath, a temporary Resident Medical Officer in

this Research Centre, with effect from the forenoon of 3-10-1978.

2. Dr. Sreenath is deemed to have relinquished charge of his post on 3-10-1978 (F.N.).

M. S. RAO
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 21st November 1978

No. DPS/41(1)/77-Adm./28310A.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated September 18, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. V. Vartak, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an *ad-hoc* basis for a further period upto December 31, 1978.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th November 1978

No. AMD/1/14/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Aftab Ahmed Kidwai as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1978 until further orders.

No. AMD/1/14/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Nazir Ahmad Bhat as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st November, 1978 until further orders.

S. Y. GOKHALE
Sr. Administrative & Accounts Officer

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603 102, the 2nd November 1978

No. CEG/1(6)/78-Adm.—Chief Engineer (Civil), Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam, appoints S/shri K. Venkataramani and G. Channappa, temporary Supervisors (Civil) as Scientific Officers/Engineers Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of August 1, 1978 until further orders.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

Bngalore-560 025, the 13th November 1978

No. 10/3(41)/74-CED(H).—The Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to accept the resignation from service submitted by Shri L. N. Nevagi, Engineer-SB with effect from the afternoon of 7th July 1978.

P. I. U. NAMBIAR
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 23rd November 1978

No. A. 32013/15/76-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/9/77-EC dated 29th July, 1978, the President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers at present officiating as Technical Officers on *ad-hoc* basis to the grade of Technical Officer on

regular basis with effect from the 19-9-78 (FN) and until further orders :—

S. No.	Name	Station of posting
S/Shri		
1.	S. K. Sharma	Aeronautical Communication Station, Palam.
2.	D. K. Sharma	Radio Const & Dev. Units, New Delhi.
3.	D. P. Agnihotri	Civil Aviation Training Centre, Allahabad.
4.	B. Ramakrishnan	Aeronautical Communication Station, Calcutta.
5.	K. N. K. Poduval	Aeronautical Communication Station, Bombay.
6.	A. K. Tikoo	Civil Aviation Training Centre, Allahabad.
7.	D. B. Sud	Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A. 32013/9/77-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months w.e.f. the date of taking over charge of the higher post or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present stn of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	B. N. Godbole	O/o the Regional Director, Bombay.	O/o the Regional Director, Bombay	22-9-77 (FN)
2.	D.K. Sharma	O/o the Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi	O/o the Regional Director, Safdarjung Airport, New Delhi	11-10-78 (FN)
3.	M. K. Pal	Aeronautical Communication Station, Calcutta	Aeronautical Communication Station, Calcutta	28-9-77 (FN)
4.	P. J. Iyer	Aeronautical Communication Station, Calcutta	Aeronautical Communication Station, Calcutta.	3-10-77 (FN)

S. D. SHARMA
Deputy Director of Admn.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd November 1978

No. 1/188/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. V. Padmanabhan, Permanent Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the same office, with effect from the forenoon of the 1st September, 1978 and until further orders.

No. 1/9/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P. V. Perumal, Tech. Assistant, Madras as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from 2nd May, 1978 and until further orders, purely on *ad-hoc* basis.

No. 1/4/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. D. Malhotra, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 7-11-1977 to 24-12-1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

OFFICE OF THE COLLECTOR, CENTRAL EXCISE

Patna, the 16th November 1978

No. II(7)1-ET/77/11481.—Sri S. K. Mishra, officiating Assistant Collector of Central Excise & Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation w.e.f. 30-9-78 (A.N.).

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 25th November 1978

No. A-32014/1/77-Adm. V(Vol. II).—On the recommendations of the D. P. C. (Group-B), Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri A. G. Mazumdar, Supervisor, who is presently officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer on *ad-hoc* basis, on a regular basis in the same grade in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 23rd November, 1977, until further orders.

2. Shri A. G. Mazumdar will be on probation in the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from 23-11-1977.

J. K. SAHA
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shree Yogiraj Potteries Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 1493/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Shree Yogiraj Potteries Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Avkar Benefits Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 1926/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Avkar Benefits Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shri Vasuki Pottery Works Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 2267/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shri Vasuki Pottery Works Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Akota Poultry Farm Pvt. Ltd.*

Ahmedabad, the 21st November 1978

No. 2419/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Akota Poultry Farm Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Malav Wooden And Steel Industries Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1263/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Malav Wooden And Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Madhya Bharat Agro And Urban Development Company
Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1143/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Madhya Bharat Agro And Urban Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Madhya Bharat Agriculture And Horticulture
Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1142/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Madhya Bharat Agriculture And Horticulture Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Gwalior Food Growers And Cultivators Company
Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1152/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Gwalior Food Growers And Cultivators Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. The Gwalior Land Development Company Private Ltd.*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1144/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Gwalior Land Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dholpur Food Growers Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1200/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Food Growers Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dholpur Land Development Company Private Limited*

Gwalior, the 23rd November 1978

No. 1195/A/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dholpur Land Development Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gitanjali Press Private Limited*

Madras, the 25th November 1978

No. DN/841/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Gitanjali Press Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
'Pondicherry United Financial and Trading Corporation
Private Limited'*

Pondicherry-1, the 25th November 1978

No. 42/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Company 'Pondicherry United Financial and Trading Corporation Private Limited', unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies, Pondicherry

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kinathu Kadavu Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 27th November 1978

No. DN/4518/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Kinathu Kadavu Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vikramaditya Transport Company Private Limited*

Madras-600 006, the 27th November 1978

No. 4380/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vikramaditya Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 22nd November 1978

WEALTH-TAX/GIFT TAX

No. JUR-DLI/1/78-79/29903.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 8AA of Wealth-tax Act, 1957 and 7AA of Gift-tax Act, 1958, the Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Delhi-I, New Delhi hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on or assigned to the Wealth-tax Officer/Gift-tax Officers Co. Circle XX, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or income or classes of Income or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-E.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax, Delhi-I, New Delhi also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Wealth-tax/Gift-tax Range-I-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of section 8AA of Wealth-tax Act/7AA of Gift-tax Act.

3. This notification shall take effect from 23-11-78.

K. N. BUTANI
Commissioner of Income-tax, Delhi-I
New Delhi

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX BOMBAY CITY-VII

Bombay-400 020, the 23rd November 1978

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 575.—Shri N. K. Bam, Tax Recovery Officer, D-II Ward, Bombay is hereby appointed substantively to the post of Income-tax Officer, Class-II (Group B) with effect from 1-8-1977.

KANWAL KRISHAN
Commissioner of Income-tax
Bombay City VII, Bombay

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 28th September 1978

Ref. No. Acq/1806-A/Meerut/77-78.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 4-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Vishnu Kumar Gupta S/o Khushiram, R/o Dholaki, Sadar, Meerut Cantt. and Santosh Kumar S/o Hardwari Lal, R/o 28, Garh Road, Meerut and Shanti Prasad S/o Radhey Lal, R/o Dalampara, Meerut.

(Transferor)

- (2) S/Shri Sahzad Rai S/o Kachchumal, Vinod Kumar S/o Sahzad Rai, R/o Kuncha Neel, and Smt. Krishna Goyal W/o Shanti Prasad, Kusum Goyal W/o Suresh Chand, Mithlesh Goyal W/o Vijendra Kumar, Usha Goyal W/o Naresh Kumar, R/o Dalampara, Meerut, and Pradip Kumar S/o Santosh Kumar, Rajeev Kumar S/o Sambhu Dayal, Smt. Neeru Gupta W/o Atul Kumar Gupta, R/o 28, Garh Road, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land and Building known as Shree Mahalaxmi Khandsari Udyog, situated at Village Chhittavan, Bhagwanpur, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-9-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHASKAR BHAVAN, PLOT NO. 31,
GANESH KHIND ROAD,
PUNE-411005

Pune-411005, the 28th November 1978

Ref. No. CA5/Bombay/May'78/377.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos. 147-A, 147-B, 148, 148-A, 149-B, 149-C, 155-B, 315, 316 and 317 situated at Mouje-Lonavla, Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ashok Sunderlal
Shri Ajit Sunderlal
Dr. Krishnalal Tribhovandas Gajjar
Shri Trbhuvandas Amersey
C/o M/s. Khimchand Amerchand,
Stock Exchange Building,
5th Floor, Bombay.

(Transferor)

- S/Shri
(2) (1) Girish Thakorlal Vakil
(2) Virendra Bhogilal Shah
(3) Damyanti Vasant Vakil
(4) Vijaya Narayan Gujarati
(5) Dharmistha Kishor Desai
(6) Priyabala Praful Gundarim
(7) Saroj Virendra Shah,
Partners of Rosevilla Corporation,
C/o Virendra B. Shah,
Chotalal Bhavan, 418, Kulbadevi Road,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL those pieces or parcels of land or ground situate admeasuring about 94326 sq. mts. at Kala Tumba, Mouje Lonavla, post Khandala, Taluka Maval, Dist. Pune and in the registration sub-District of Maval together with the bungalows and outhouses standing thereon C.S. No. 163, 160, 160/1 to 160/4, 161, 156, 162, 155, 164, 166, 158, 157 and 159.

(Property as described in the sale deed registered under No. 414 dated 26-5-78 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date : 28-11-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th October 1978

Ref. No. Acq. F. No. 814.—Whereas, J. N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32-7-19 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 22-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Adabala Mangayamma W/o Ramarao,
2. Shri Ramrao S/o Linganna,
Yellavari Street, Suryanarayanapuram,
Kakinada.

(Transferors)

- (2) Shri Pasala Venkataraju S/o Peda Venkataraju,
Yellavari St., Suryanarayanapuram,
Kakinada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1175/78 and 1254/78 registered before the Sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-3-78 and 15-4-78

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 25th October 1978

Notice No. 241/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 678, situated at Anagal Area, Belgaum City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Belgaum, under Document No 3083 on 4-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Prabha Gajanana Nagavekar,
Represented by
Shri Deepak Vishwanath Halhankar,
R/o Mahim, Bombay.

(Transferor)

- (2) (a) Shri Gundappa Shantappa Kathe,
R/o Marketyard, Sangli.
(b) Shri Baburao Gundappa Subedar,
c/o M/s. Diamand Photo Frame Works,
Anagal,
R/o Tilakawadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3083 Dated : 4-3-1978]

The property consists of open site which is situated at Anagal Area, bearing C.S. No. 678 out of which Plot Nos. 13 to 17 and 25 to 27 admeasuring area 15 gunthas 5 Annas.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 25-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-1

Bangalore-1, the 25th October 1978

C.R. No. 62/16346/78-79/ACQ/B.—Whereas I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14, (Old No. 6), situated at Hayes Road, Bangalore-560025 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 3241/77-78 on 9-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri A. Madhava Rao,
S/o late Rao Saheb A. Vittal Rao,
No. 48, Karneswar Koil Street,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Smt. Hassen Parveen,
W/o Sri Munavar Basha,
Managing Partner,
M/s. Kwaliti Monuments,
Lakshipuram,
Kuppam.

(Transferee)

(3) The Military Estate Officer,
Karnataka Circle,
Cubbon Road,
Bangalore-560001.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3241/77-78 Dated 9-3-1978]

Property bearing New Ml. Corporation No. 14, (Old No. 6) Hayes Road, Bangalore-560025.

Boundaries :

North : Premises No. 15
South : Premises No. 13,
East : Hayes Road and
West : Private Property.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-1

Bangalore-1, the 25th October 1978

C.R. No. 62/16357/78-79/Acq/B.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29 (Old No. 25), situated at Grant Road, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 3274/7-78 on 15-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Miss Parveen Khaleel,
D/o Mr. K. K. Shirazi,
No 16, Ali Asker Road, Bangalore.
(Transferor)

- (2) (1) Mr. L. Em. Natarajan,
S/o P. Em. L. Ramanathan
(2) Mrs. N. Saroja alias Unnamaai,
W/o Mr. L. Em. Natarajan
(3) Master N. Sethuraman (Minor)
Rep. by his father and natural guardian
Shri L. Em. Natarajan
All are residing at : No. 83, Coles Road,
Frazer Town, Bangalore-560005. (Transferee)
- (3) Mrs. M. B. Reid (Main tenant)
Sub-tenants :
(1) M/s. Shekar Associates
(Clearing and forwarding agents)
(2) M/s. Vikram Associates,
Handling Contractors.
(3) Mr. C. Viswanatha Iyer,
Contractor.
(4) M/s. Udani Engineering Co.
(5) M/s. Kissan Motors
(6) M/s. A. Hussain & Co.
Tax Consultant & Auditor
Rep. by A. Huseain
(7) M/s. Power Devices
(8) M/s. Cauvery Commercial Corporation
(Commins)
(9) M/s. Continental Engineering Contractors
(10) M/s. Emmar Machine Tools
(11) Shri M. Shivaram
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3274/77-78 Dated 15-3-78]
Property bearing No. 29 (old No. 25), Grant Road, Bangalore-560001 (Division No. 60)

Boundaries :
N : No. 24 (old) Grant Road
S : Grant Road
E : Common Road and
W : Bangalore Brewery Premises

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-10-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. I. E. Ross s/o late Mr. C. M. Ross,
No. 97, M. G. Road, Bangalore-560001.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-1

(2) M/s. Natesan's Anti Quarts (Private) Ltd., Company having its regd. office at No. 2/1 Edward's Road, Bangalore and Rep. by Managing Director, Mr. D. Nateshan.

(Transferee)

*(3) (1) M/s. Natesan Brothers Pvt. Ltd.
(2) M/s. Cardbox Industries.
(3) M/s. Anti Quarts.
(4) Sri C. A. Gifford.
(5) Sri Iyer.
(6) M/s. Select Book Shop.
(Person(s) in occupation of the property).

Bangalore, the 25th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/16997/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97 situated at M.G. Road, Bangalore-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. No 3353/77-78 on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3353/77-78, dated 31-3-78

Property bearing Municipal Corporation No. 97, M. G. Road, Bangalore, Division No. 60.

Boundaries :

North : Property of Mr. Chatty.
South : Property of Mr. M. C. Ross.
East : Property of Housing G.E.C. Ltd and
West : Property of Mr. M. C. Ross and common passage.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 25-10-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 9th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/79/78-79.—Whereas I, P. B. CHARLES,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 187 (New) Constructed on plot No. 229, Ward No. 70, Dharampeth Extension, Nagpur, situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—376G1/78

- (1) 1. Shri Omprakash Shankarlal Rathi,
2. Smt. Jamnadevi Omprakash Rathi,
Both R/o Subhash Road, Cotton Market,
Nagpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Udhaodes Jamnadas Mohta,
2. Shri Kisandas Jamnadas Mohta,
Both R/o Ramdaspath, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 759(9) (Old) & 187 (new) constructed on Plot No. 229, Ward No. 70, Dharampeth Extension Western Precinct, Nagpur.

B. P. CHARLES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 9th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/80/78-79.—Whereas, I, P. B. CHARLES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part Portion of House Municipal No. 3-1-6, At, Nanded, in front of Collector's Office, At, Nanded, situated at Nanded (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nanded on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Chandadevi w/o Radhakisan Malpani, At, Nanded.

(Transferor)

- (2) Dr. Deorao Raosaheb Deshmukh, Ambegaonkar, At Nanded.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX/A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part Portion of House Municipal No. 3-1-6, at Nanded, in front of Collector's Office, Nanded.

P. B. CHARLES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 9-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR
NAGPUR

Nagpur, the 17th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/83/78-79.—Whereas I, P. B. CHARLES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

An old structure on Plot Nos. 6 & 8, situated in Ward No. 60, situated at Bhairamji Town, Nagpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 6-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushila B. Bhairamji,
7, Bhairamji Town,
Nagpur.

(Transferor)

(2) Nagpur Mahavidyalaya Staff Co-op. Housing Society Ltd.,
through Secretary Shri S. A. Ansari,
r/o Starkey Town,
Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building in Plot No. 6 & 8 of Nazul Khasra No. 34-A, Sheet in 34-B, situated in Bhairamji Town, Nagpur.

P. B. CHARLES
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 17-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th October 1978

Ref. No. BGR/38/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop plots No. 5, 6, 7, and 8 (B-type) Nehru ground, situated at NIT, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Phool Chand Batra s/o
Shri Nihal Chand,
R/o E-75, Greater Kailash-2,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. B. K. Steel Industries,
B-160-161-162, Nehru Park,
New Township, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plots No. 5, 6, 7 and 8 (B-type) situated in Nehru Ground, N.I.T. Faridabad.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 5395 dated 2-3-78 with the Sub-Registrar. Ballabgarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/59.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural Land situated at Jhabal Kalan, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan in July 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdin Singh s/o Shri Mangal Singh, village and post office, Jhabal Kalan, District Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Hardial Singh s/o Shri Dalip Singh, Smt. Harjinder Kaur w/o Shri Hardial Singh, village and post office, Jhabal Kalan, District Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48K-18M situated in village Jhabal Kalan as mentioned in the Registered Deed No. 532 of July 1978 of Registering Authority, Jhabal Kalan, Distt. Amritsar.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/58.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at G. T. Road, Jandiala Guru, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Raja Industries, Jandiala Guru through Shri Behari Lal Khanna s/o Shri Hari Chand Khanna, resident of 77, Kennedy Avenue, Amritsar.
(Transferor)

(2) M/s New Bharat Shuttle Co. through Shri Gian Singh Partner Jandiala Guru, Tehsil and District Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6K-14M being 1/2 of 13K-8M situated at G.T. Road, Jandiala Guru Distt. Amritsar as mentioned in Registered Deed No. 5495 of March 1978, of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-9-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1978

Ref. No. ASR/78-79/60.—Whereas, I N. P. SAHNI, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop Nos. 1882 & 2026/48138/4, Guru Bazar, Amritsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Avtar Singh, Manjit Singh through Shri Gian Singh, Sohan Singh, Dyal Singh Avtar Singh ss/o Shri Gian Singh, Guru Bazar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Mehma Devi w/o Shri Madan Lal, Guru Ka Mahal Bazar, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 1882 and 2026/4 & 138/4, Guru Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 58 of March 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

N. P. SAHNI, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 27-9-1978
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 18th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/79.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Plot No. 347, Green Avenue, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Improvement Trust, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Avtar Singh s/o Shri Amar Singh, Gali Wadhan Wali, Chowk Pragdass, through POA Shri Nirmal Singh c/o Zenith Saree House 2402/3, Hardhyan Singh Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 347, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 248 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 18-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 23rd November 1978

Ref. No. ASR/78-79/84.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 326, 327, 328 & 329 situated at Queens Road, at Amritsar City in April 1978, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
20—376GI/78

- (1) Shri Ashok Kumar Mehra s/o Shri Janki Dass Mehra, Bombay through Smt. Raj Kumari Mehra wd/o Shri Janki Dass Mehra, Queens Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shrimati Shashi Seth w/o Shri Satish Chand, Gali No. 3, 45 Model Town, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 326, 327, 328 and 329 situated at Queens Road, Amritsar as mentioned vide Registered Deed No. 310 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 23-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th November 1978

Ref. No. ASR/78-79/85.—Whereas, I G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 1676/III-25 and 1675/III-25, situated at Old Mkt. Lakkar Mandi Kt. Jallian Wala, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chander Kanta w/o Shri Goverdhan Dass Aggarwal, Dayanand Nagar, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Satya Narain s/o Shri Lal Chand and Smt. Vimla Devi w/o Shri Satya Narain resident of Krishna Market, Katra Ahluwalia, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property House No. 1676/III-25 and 1675-III-25 Old Lakkar Mandi, Katra Jallian, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 163 of April 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/163/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mewa Singh s/o Shri Bhagwan Singh,
r/o Village Kohara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Kumar Oswal s/o Shri Rattan Chand Oswal, r/o 534-B-XIX, College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6707 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/164/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh s/o Shri Bhagwan Singh, r/o Village Kohara, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Kumar s/o Shri Rattan Chand Oswal, r/o 534, B-XIX, College Road, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6708 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Mewa Singh s/o Shri Bhagwan Singh, r/o Village Kohara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Kumar Oswal s/o Shri Rattan Chand r/o 534, B-XIX, College Road, Civil Line, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. LDH/162/77-78—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6706 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/172/77-78.—Whereas I, NATHU RAM Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Kaka Singh and Labh Singh sons of Shri Sham Singh, r/o Rarewala Khewatdar, Hiran, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Kumar Oswal and Siripal Oswal, sons of Shri Rattan Chand, r/o 534, B-XIX, College Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in Village Hiran Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6756 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/173/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Nasib Singh and Shri Mewa Singh sons of Shri Sham Singh, r/o Village Hiran, Tehsil Ludhiana.
(Transferor)

- (2) S/Shri Jawahar Lal Oswal and Jangi Lal Oswal sons of Shri Vidya Sagar, r/o 396/1 B-XIX, Ghumar Mandi, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 kanal 11 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6757 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Nachhatlar Singh s/o Shri Santa Singh, r/o Village Mana Garh, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jangl Lal Oswal s/o Shri Vidya Sagar Oswal, r/o 396/1, B-XIX, Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. LDH/157/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and zearing No.

Agricultural land measuring 24 kanal situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 kanal situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6660 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. Na. IDH/166/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 17 kanal 2 marlas situated in Village Hiran, Tehsil Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21— 376GI/77

- (1) Shri Satinder Pal s/o Shri Bansi Ram, r/o 1121, B-I, Vishnupuri, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Jawahar Lal Oswal s/o Shri Vidya Sagar Oswal, r/o 396, B-XIX, Ghumar Mandi Road, Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 kanal 2 marlas situated in village Hiran, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6710 of March 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. DHR/33/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 78 bighas 10 biswas situated at Village Kajhli Tehsil Dhuri. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dhuri in March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Singh s/o Shri Joga Singh, Mukhtiar Punjab Kaur wd/o Shri Harnam, r/o Village Kajhli, Teh. Dhuri.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Ranjit Singh sons of Shri Teja Singh, Shri Gurnam Singh, Sat Pal Singh sons of Shri Mohinder Singh, r/o Village Jonpur, Dist. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 78 bighas 10 biswas situated at Village Kajhli Tehsil Dhuri, Distt. Sangrur.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1 of 31-3-1978 of the Registering Officer, Dhuri).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Brij Bihari Sharma s/o Shri Hari Krishan,
Jawahar Nagar, Mandi (H.P.).

(Transferor)

(2) Shri Brij Bihari Kapoor s/o Shri Ganesh Kapoor,
Jawahar Nagar (Khiliar) Mandi (H.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. MND/1/78-79.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House property situated on Joginder Road, Khaliar,
Mandi (adjoining to Income-tax Office, Mandi).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the office of the Registering Officer at
Mandi in February 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated on Joginder Road, Khaliar, Mandi,
H.P. (Adjoining to the Income-tax Office, Mandi).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 135
of February 1978 of the Registering Officer, Mandi).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/2/78-79.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of Building situated on Palace and situated as Ser, Solan, Distt. Solan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ishwari Singh s/o Shri Gopal Singh, r/o Palace Road, Solan.

(Transferor)

- (2) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, P.W.D., Solan.

(Transferee)

- (3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, P.W.D. Solan.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on Palace Land in Ser, Solan.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 94 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/3/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated in Ser, Solan on Palace Road, Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Kapoor Singh and Shamsher Singh sons of Shri Sunder Singh, r/o Palace Road, Solan.

(Transferor)

- (2) Shri Munna Lal Bansal, s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.

(Transferee)

- (3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shanti Narain Supdt. Engineer, PWD, Solan.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Ser Solan (Palace Road).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 95 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Singh s/o Shri Amar Singh, r/o Palace Road, Solan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Munna Lal Bansal, s/o Shri Shanti Narain,
Superintending Engineer, H.P., PWD, Solan,

(Transferee)

(3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain,
Superintending Engineer, PWD, Solan.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/4/78-79.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property situated in Ser, Solan (Palace Road),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Solan in April 1978,

for an apparent consideration which is, less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reasons to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

House property situated in Ser, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 96
of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/5/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated in Ser, Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satyinder Singh s/o Shri Devi Singh, r/o of Palace Road, Solan.
(Transferor)
- (2) Shri Munna Lall Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.
(Transferee)
- (3) Shri Munna Lall Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, PWD, Solan.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Ser, Solan.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 97 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd October 1978

Ref. No. SOL/6/78-79.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated in Ser, Solan (Palace Road), situated at Solan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in April 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Varinder Singh and Haminder Singh sons of Shri Shiv Singh, Palace Road, Solan.
(Transferor)

(2) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain Superintending Engineer, H.P. P.W.D., Solan.
(Transferor)

(3) Shri Munna Lal Bansal s/o Shri Shanti Narain, Superintending Engineer, HP PWD, Solan.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Ser, Solan, Palace Road, Solan.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 98 of April 1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Joseph Antony, Thazhathedath Thelliyil Muttampalam, Kottayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Thomas Abraham and others, Vazhayil Purackal, Vellyanad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 9th October 1978

Ref. L.C. 245/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy No.

No. as per scheduled situated at Vijayapuram Village has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (additional) on 15-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—376GI/77

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

45.323 cents of land with buildings in Vijayapuram village Survey No. 12/5A/1.

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-10-1978
Seal

FORM ITNS

(1) Shri M. Kuriako.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. Shamsuddin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 21st October 1978

Ref. L.C. 246/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chavaghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Kottappadi on 18-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

10 cents of land with buildings vide schedule to doc. No. 291/78 of S.R.O. Kottappady.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Sri Joy.
(2) Smt. Omana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Shamsuddin.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,
ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 21st October 1978

Ref. I.C. 247/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Chavaghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 14-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

25½ cents of land vide document No. 281/78 of S.R.O. Kottappady.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. MOHANLAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pushpam and 4 others.

(Transferor)

(2) Sri Moidu Haji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ANJIPARAMBIL BUILDINGS,

ANAND BAZAR, COCHIN-682016,

Cochin-682016, the 23rd September 1978

Ref. L.C. 249/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Palayur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottappady on 4-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.36 acres of agricultural land vide document No. 287/78 of S.R.O. Kottappady.

V. MOHANLAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 13th October 1978

* Ref. No. 19/March/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Appa Gardens Road, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Document No. 193/78) on 17 March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri K. Jagannatha Naidu and 5 others,
No. 4, Appah Gardens Road,
Kilpauk, Madras-10.
(Transferor)
- (2) Shri G. S. Doraiswamy Mdr and 2 others,
87-A, Ramaswami Street,
Mannady, Madras-1.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 4, Appa Gardens Road, Kilpauk, Madras-10, measuring 6 grounds and 215 sft.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 13 October 1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras, the 24th October 1978

Ref. No. 8129.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Virugalpatty Village of Udumalpet Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gomangalam (Doc. No. 123/78) on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri M. Khader Mohideen,
27, New Majid St., Dharapuram.
- (2) Shri Vijayammal,
Virugalpattypudur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Virugalpattypudur Village 11.01 acres (Doc. No. 123/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 24-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras, the 24th October 1978

Ref. No. 6126.—Whereas, I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Subbiah Avenue, Bishop Garden Layout, Madras-28, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the Registering Officer at at Mylapore Madras (Doc. No. 285/78) on March 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. M. Vijayamma, W/o. K. Vasudevan Pillai, No. 1, Baghirathi Road, Srinivasa Avenue, Madras-28.

(Transferor)

- (2) Mrs. Jaya Balasurya, W/o. E. W. Balasurya, 9, Crescent Avenue, Kesavaperumalpuram, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 21, Subbaiah Avenue, Bishop Garden Layout, Madras-28.
(Doc. No. 285/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 24-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 21st October 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/361/March-41/78-79/3568.—
Whereas, I, J. S. GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. A-28, situated at Kailash Colony, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at New Delhi on March, 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) (1) Dr. H. S. Kanwar s/o Shri R. R. Singh
- (2) Kanwar Shakat Singh s/o Dr. H. S. Kanwar
R/o. 5, Bridge Street, Penshurst, N.S.W. 2222,
Australia, through their G.A.K. Kanwar Vijay
Singh R/o D-21, Panchsheel Enclave,
- (3) Kanwar Partap Singh 18/2, Dr. Omar Sjriff
Road, Basavar Guddi, Bangalore, through G.A.
Kanwar Vijay Singh,
- (4) Kanwar Vijay Singh, R/o D-21, Panchsheel
Enclave, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Amrit Estate Private Limited,
A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective person,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half bungalow built on a free-hold plot of land
bearing No. 28, Block No. 'A' measuring 1156.25 sq. yds.
in the residential colony known as Kailash Colony, Village
Zamuradpur, in the Union Territory of Delhi and bounded as
under :—

East : Property No. A-29.
West : Road.
North : Road.
South : Road.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd November 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/11-78/316.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Rajindra Park, New Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—376 GI/78

- (1) (1) Col. S. K. Khosla S/o late Shri Guran Ditta Mal Khosla and
(2) Shri R. K. Khosla S/o, late Shri Guran Ditta Mal Khosla through his lawful general attorney Smt. Harshi Khosla W/o Col. S. K. Khosla both R/o No. 3, Pollo Road, Delhi Cantt.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Raman Kalsi
(2) Shri Ashok Kalsi
(3) Shri Pawan Kalsi and
(4) Shri Arun Kalsi S/o Shri Mohan Lal Kalsi, R/o 5, Rajindra Park, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2-½ storeyed building bearing No. 5, Rajindra Park, New Delhi, measuring 375 sq. yds. bounded as under :—
North : Service Lane.
South : Road.
East : Built up plot No. 4 of others.
West : Built up plot No. 6.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 23-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/11-78/319.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 131/1, Block No. 1-B situated at Basti Rehgar Pura, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Parsad and Narender Kumar s/o Shri Bansi Lal R/o 6533/9, Dev Nagar Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Phool Chand S/o Lala Badri Parshad and Babu Rajindra Kumar S/o Shri Lala Phool Chand R/o. Mohalla Shri Mahavirganj, Farukhabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storey built property No. 6112 and 6113 Basti Rehgar Pura Plot No. 131/1 Block No. 1-B, Ward No. XVI Karol Bagh, New Delhi, measuring 100 sq. yds. is bounded as under :—

East : Building on plot No. 132.
West : Road.
North : Gali.
South : Gali.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 27-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.-I/S.R.III/471/May-37/77-78.—
Whereas, I, ANJANI OZA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 10/3 situated at Golf Link, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at New Delhi on 16-5-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Shri Brijinder Singh Duggal and Shri Raminder
Singh Duggal S/o (Late) Shri Uttam Singh Duggal,
R/o 3 Golf Links, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Inter-craft Limited,
A-16 Naraina Industrial Area, New Delhi,
through Shri Rahul Mehta S/o Shri S. N. Mehta, its
Managing Director and Principal Officer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building bearing No. 10/3 situated at Golf
Link, New Delhi built over a lease hold residential plot mea-
suring 2471.5 sq. yards.

ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

FORM ITNS ———**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-48/3680/78-79/4348.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38, situated at Najafgarh Road, Industrial Area, Rama Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parshotam Lal Mehta s/o Late Shri Gian Chand Mehta, r/o 54, Malcha Marg, Chanakya Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Tek Chand and Sons, through its partners S/Shri Tek Chand, Ram Phal, Ram Niwas and Bapu Ram, r/o 2-C, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 38 measuring 2501 sq. yds. in area or thereabouts together with the Factory Building constructed upon it, situated at Rama Road, Najafgarh Industrial Area, New Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 39.
West : Vendors Property.
North : Plot No. 27.
South : Rama Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq. II/March-78/3687/78-79/4348.—
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. H-4/6 situated at Model Town, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi on 21st March, 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely:—

(1) Shri Harish Chander and Ramesh Chander ss/o.
Shri Mangal Sain Tondon, R/o. B-9, Gujrawalan
Toan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Sukhbir Singh and Sardar Attar Singh,
ss/o. Sardar Sukhbir Singh, R/o. E-16, Model Town,
Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Ahuja & Co., Shri Satbir Singh Col. I.S. Bajaj
& M/s. Bhai Jee Attar Wale.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 320 sq. yds. bearing
No. 6, Block No. H-4, situated at Model Town, within the
limits of Delhi Municipal Corporation, Delhi and bounded
as under :—

East : Road.
West : Service Lane.
North : Building on Plot No. H-4/7.
South : Building on Plot No. H-4/5.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-71/3693/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bunglow No. 47, situated at Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 21-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parkash Chand Jain as karta of HUF & Vir Anil Jain, S/o. Shri Seth Parmanand Jain, R/o. 47, Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Balwant Rai Gupta, S/o. Shri Jagan Nath Gupta, R/o. 81-A, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th of Bunglow No. 47 measuring 320.34 sq. mts. situated at Bunglow Road, Kamla Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Back Bunglow Lane.
West : Main Bunglow Road.
North : Bunglow No. 46.
South : Rest of the Main Bunglow.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-94/3715/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-11/18 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Devi W/o. Shri Shiv Dayal, W/o. Shri Chander Bhan, R/o. D-11/18, Model Town, Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Sylvester Henry Scott, S/o. Shri Henry George Scott and Smt. Pearl Scott W/o. Shri Sylvester Henry Scott, R/o. F-3/6, Model Town, Delhi.
(Transferee)
- (3) Shri Kirori Mal, Suresh Chand Jain and Amool Chand.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold Plot measuring 294.73 sq. yds. bearing No. 18, Block No. D-11, situated at Model Town, Delhi and bounded as under :—

East : Road.
West : Building built on Plot No. D-10/18.
North : Road.
South : Building built on Plot No. D-11/17.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Roop Chand Mahajan s/o. Shri Brij Lal Mahajan r/o. A-30, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghbir Chand Mahajan s/o. Shri Brij Lal Mahajan r/o. A-60, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II**

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-103/3721/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-60, situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. A-60, situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under:—

East : Plot No. A-60A.

West : Plot No. A-59.

North : Road and Park.

South : Service Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 30-11-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-106/3721/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. $\frac{1}{2}$ share of 2824, situated at Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Delhi, (and more fully described in the Scheduled exceed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24-376 GI/78

(1) Shri Raghbir Sahai Mathur S/o Late Shri Hanumat Sahai Mathur R/o. C-15, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj S/o Chand Mal Monka, R/o. 419, Raveli Haider Kuli Khan Bazar, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of property No. Old No. 1267 and New No. 2824 Ward No. 4 measuring about 267 sq. yds. situated in Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Chandni Chowk, Delhi bounded as under :—

East : Property No. 2624.
West : House No. 2825.
North : House No. 2823.
South : Property No. 2825.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-105/3723/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. ½ (South) share of 2824/4, situated at Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri Raghbir Sahai Mathur S/o. Late Shri Hanumat Sahai Mathur R/o. Kothi No. E-20, University Resident Kurukshetra (Haryana),
Now : C-15, Gulmohar Mark, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh Sharma S/o. Shri Shiv Ram R/o. 311, Panyan Teliwara Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ (Southern portion) of property No. Old No. 1267 and New No. 2824 measuring 267 sq. yds. Block No. 4, Gali Chahalpuri, Kinari Bazar, Chandni Chowk Delhi bounded as under :—

East : Property No. 2624.

West : Gali Chahalpuri and portion of H. No. 2825.

North : H. No. 2823.

South : H. No. 2825.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vishwa Estates Private Ltd., B-6, Asaf Ali Road
New Delhi-110002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Raj Arora, Shri Krishan Dev Singh, Shri Ratan
Anmol Singh, 7-F, Vishva Apartment 3-Shankra-
charya Marg, Civil Lines, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-80/3704/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 7-F, situated at Vishwa Apartment, 3, Shankracharya Marg, Civil Lines Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi 24th March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First Floor Flat of Block No. 7 in Group Housing Scheme known as Vishwa Apartments situated at 3 Metcalf Road, now known as 3-Shankaracharya Marg, Civil Lines Delhi bounded as under :—

East : Block No. 8.

West : Open Area.

South : Other bungalow occupied by Spencer's.

North : 30 feet wide Road.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1978

Seal :

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/March-58/3688/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 24, situated at Daryaganj New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 30-7-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Pearey Mohan Sharma S/o Shri Shiv Mohan Sharma,
(2) Shri Amresh Sharma S/o. Shri Pearey Mohan Sharma and
(3) Smt. Sarla Sharma W/o. Pearey Mohan Sharma all R/o. 24/18, Daryaganj, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. EMCA Construction Co. through its proprietor Shri M. P. Gupta S/o. Radhakrishan Gupta, R/o. 16/F-3, Daryaganj, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold piece of land measuring about 285.5 sq. yds. bearing Plot No. 24, Khasra No. 51 situated at No. 24, Daryaganj, New Delhi which is shown in blue in the plan attached and bounded as under :—

East : Ansari Road.
West : Property of Shri Nem Chand Jain.
North : Boundary Wall of Plot No. 23 of Shri Manmohan Sharma.
South : Ansari Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq-II/March-107/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/9 situated at Ansari Road Darya Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ram Bihari Mathur,
(2) Shri Banke Behari Lal Mathur,
(3) Shri Bipin Behari Lal Mathur, s/o. Late Shri Kishan Chand, R/o. 7/9, Darya Ganj, New Delhi.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Arun Kumar Jain, Anil Kumar Jain s/o. Shri Parkash Chand Jain
R/o. 4378/4, Ansari Road Gali Murari Lal, Darya Ganj.
(Transferee)
- (3) Shri Dhan Pal Singh Jain,
- (4) Shri Riksh Pal Jain, s/o. Shri Jagan Lal Jain, r/o. H. No. 995/178 E-8, Gali No. 2, Kailash Nagar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 7/9 measuring 527.78 sq. yds. situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi and bounded as under :—

East : Others property.
West : 20 feet wide Road.
North : 20 feet wide Road.
South : Building of S/Shri Dayal Chand and others.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-36/3671/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-1/16 situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15th March, 1978,

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narinder Nath Mohan, S/o. Late Shri Mehta Amar Nath Mohan, R/o. E-1/16, Patel Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Man Mohan Singh Bedi, s/o. Late Shri Dr. Jawahar Singh, r/o. 30/15, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri M. M. S. Karke, S. R. Nair, Dr. R. L. Krie, Surinder.

(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. E-1/16 measuring 800 sq. yds. situated at East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

East : 60 feet wide Street.
West : Bungalow No. E-1/15.
North : 30 feet wide Street.
South : Main Patel Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

- (1) Shri Choudhry Raj Singh, s/o. Ch. Bodhu Mal,
r/o. E-52, Satyawati Colony, Ashok Vihar-II,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 30th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/March-3/3651/78-79.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 139, situated at Old Gupta Colony, Vijay Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 3-3-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Charanjit Sikri, s/o. Shri Munshi Ram Sikri,
r/o. 49, Old Gupta Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 139 measuring 240 sq. yds. situated at Old Gupta Colony, Vijay Nagar (Kingsway Camp), Delhi and bounded as under :—

East : Gali.
West : Gali.
North : House on Plot No. 140.
South : House on Plot No. 138.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 30-11-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Pritimoy Bhattacharjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (1) Sri Pranab Kumar Banerjee.
 (2) Sri Dharendra Narayan Majumder.
 (3) Sri Pijush Kanti Das Purkayastha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 16th October 1978

Ref. No. AC-31/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DAS GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, situated at Sultan Alam Road, Calcutta, schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 6-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 4 cottahs 10 chittaks situated at 29, Sultan Alam Road, Calcutta under P. S. Tollygunge.

S. K. DASGUPTA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-IV, Calcutta,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 16-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Parvez Keki Saklet.
2. Dr. Zuben Keki Saklet.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Rustam Tehmuras Saklet,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. 464/TR-291/C-279/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9, situated at Grants Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 16-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly two & partly three storeyed brick built house being the Premises No. 9 Grants Lane, Calcutta situated on a plot of land measuring 6 k (Half share) and Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide No. I-1459 dated 16-3-78.

C. N. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

25-376GI/78

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Arabinda Mitra.

(Transferor)

(2) Shri Dhanonjoy Koley.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. SL 465/TR-292/C-278/Cal-1/77-78.—Whereas I,
C. N. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

155, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
5, Govt. Place North, Calcutta on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed brick built house being the Premises No.
155 Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta, situated on
a plot of land measuring 3 k and Registered before the
Registrar of Assurance, Calcutta vide No. J-1728 Dt.
31-3-1978.

C. N. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. Sl. 466/TR-285/C-273/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Ripon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt place North Calcutta on 10-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

- (1) 1. Monorama Khan.
2. Barun Kr. Khan.
(Transferors)
- (2) 1. Zubaida Bai.
2. Tasneem Bai.
(Transferees)
- (3) 1. Md. Giasuddin
2. Yuqub Miya.
3. G. M. Anwar Hussain
4. P. Mondal
5. Karuna Sindhu Mitra
6. M. Azam Ali
7. Mrs. E. A. Beeby
8. Grand Hotel
9. Gurubachan Singh
10. M/s. Moti Jhangiamani & Bros.
11. Shivji Velji Kotuuri.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq.ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. 1288 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. Sl. 467/TR-282/C-266/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1, situated at Ripon St. Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

5, Govt Place North Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Monorama Khan
2. Sri Barun Kr. Khan.

(Transferors)

- (2) Shri Jafer Hussain Abdeali (Bharmal).

(Transferee)

- (3) 1. Md. Giasuddin
2. Yuqub Miya
3. G. M. Anwar Hussain
4. P. Mondal
5. Karuna Sindhu Mitra
6. M. Azam Ali
7. Mrs E. A. Beeby
8. Grand Hotel
9. Gurubachan Singh
10. M/s Moti Jhangiamani & Bros.
11. Shiviji Velji Kotwari.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-1291 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Smt. Monorama Khan
2. Sri Barun Kr. Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Mohammadul Bakir.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

- (3) 1. Md. Giasuddin
2. Yuqub Miya
3. G. M. Anwar Hussain
4. P. Mondal
5. Karuna Sindhu Mitra
6. M. Azam Ali
7. Mrs E. A. Beeby
8. Grand Hotel
9. Gurubachan Singh
10. M/s Moti Jhangiamani & Bros.
11. Shivji Velji Kotuari.

[Person in occupation of the property]

Ref. No. Sl. 468/TR-283/C-265/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1, situated at Ripon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-1290 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978

Seal :

~~FORM ITNS~~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. Sl. 469/TR-284/C-264/Cal-1/77-78.—Whereas I, C. N. DAS,

Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1, situated at Ripon St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt Place North Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Monorama Khan
2. Sri Barun Kr. Khan.

(Transferor)

- (2) Mrs. Mariyum Jafar Hussain.

(Transferee)

- (3) 1. Md. Giasuddin
2. Yuqub Miya
3. G. M. Anwar Hussain
4. P. Mondal
5. Karuna Sindhu Mitra
6. M. Azam Ali
7. Mrs E. A. Beeby
8. Grand Hotel
9. Gurubachan Singh
10. M/s Moti Jhangiamani & Bros.
11. Shivji Velji Koturai.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one & partly two storeyed brick built house being 1/8 undivided share of the Premises No. 1 Ripon St. Calcutta, situated on a plot of land measuring 15 k 4 ch 8 sq. ft and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. I-1289 Dt. 10-3-1978.

C. N. DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Malay Ranjan Kar,
20, Bipradas Street,
P. S. Narkeldanga.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Cyril Fernandez,
(2) 90/1/2, Chowringhee Road, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C.
YADAV,

being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

situated at Mouza-Sarsuna, P. S. Behala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Registrar of Assurances Calcutta on 29.3.78.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of rayat Sthitiban Sali land contain-
ing a total area of 1.47 acres be the same or little more or
less being (i) R. S. Khatian No. 488, Touzi No. 3, 4 & 5,
J. L. No. 17, Dag No. 1024 having an area of 1.10 acres and
(ii) R. S. Khatian No. 1086, Touzi No. 47 & 51, J. L. No.
17 Dag No. 1025 having an area of 0.37 acre within Mouza
Sarsuna P. S. & Sub-Registry Behala, Dist. 24-Parganas.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-17/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 29.3.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Cumac Street, Calcutta,
(Transferor)
- (2) (i) Sri Prakritinath Bhattacharjee,
(ii) Smt. Gayatri Bhattacharjee,
(iii) Sri Lokenath Bhattacharjee &
(iv) Sri Somenath Bhattacharjee of 31/1/1, Kashi-nath Chatterjee Lane, Sibpur, Howrah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that apartment No. 3B on the 3rd Floor of Rajhans Block of Multi-storied Building at No. 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27 containing a gross floor area of 215.44 sq. metres.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-18/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30.3.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—376G1/78

(1) M/s Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Pranab Kumar Sen,
Apartment No. 9C, Rajhans,
Apartment, 6, Hastings Park Road Calcutta.

(Transferee)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2093 sq. ft. covered area being premises No. 6, Hastings Park Road, Calcutta. Apartment no 9C, Rajhans Apartment.

S. C. YADAV
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Indira Nanda,
141, G Block, New Alipore,
Calcutta-53

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-19/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 30.3.78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor of pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the Apartment No. 7D on the 7th Floor of Rajhans Block of Multi-storied building at No. 6, Hastings Park Road, Alipore, Calcutta-27 containing a floor area of 128.86 sq. metre.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Cumac Street, Calcutta-17.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Tarlok Singh Broca,
188 Block J, New Alipore, Calcutta.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-20/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C.
YADAV,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

6 situated at Hastings Park Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 14.3.78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 2 II on the 2nd floor of 6, Hastings Park
Road, Calcutta containing an area of 114.92 sq. metres.

S. C. YADAV,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ashoka Marketing Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Rama Shankar Jhawan,
12, Mysore Road, Calcutta.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXOFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 26th October 1978

Ref. No. AC-21/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, S. C. YADAV, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 13.3.78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 31, 3rd Floor, Rajshree Block, 6, Hastings Park Road, Calcutta.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. New Tea Company Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Allied Industrial Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 30th October 1978

Ref. No. AC-33/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DAS GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touji No. 91, situated at Naxalbari, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3.95 acres buildings, structures, sheds and factory buildings together with machineries thereon situated at Mouza Uttar Bagdogra, Touji No. 91 P.S. Naxalbari, Dist. Darjeeling more particularly as per deed No. 1689 dated 30-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 30-10-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-34/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/1, situated at Dr. Daudar Rahman Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri Subodh Kumar Mukherjee
Sri Probodh Kumar Mukherjee
Sri Sunil Kumar Mukherjee.
Shebais of the Deity Sri Sri Lakshmi Narayan Jew.
(Transferor)
- (2) M/s. Janata Cooperative Housing Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area of 2 bighas 8 cottahs 4 chittaks and 40 sft being premises No. 1/1, Dr. Daudar Rahman Road also known as 2, Dr. Daudar Rahman Road, P.S. Tollyunge, Calcutta more particularly as per deed No. 1659 dated 29-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Reba Sen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jitendra Nath Roy.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-35/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

161A, situated at Netaji Subhas Chandra Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 12 chittaks together with two storied building thereon situated at 161A, Netaji Subhas Chandra Bose Road, P.S. Tollygunge, Calcutta more particularly as per deed No. 1281 10-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-36/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. Plot 9607,

situated at Ward No. VI of Siliguri Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 23-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Sri Amal Kumar Mitra.

(Transferor)

(2) Sri Bhag Chand Agarwalla,
Sri Sita Ram Agarwalla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 25 cottahs being part of C.S. plot No. 9607, Khatian No. 5298 in Mouza Siliguri within Ward No. VI of Siliguri Municipality, Dist. Darjeeling.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-37/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 64/30A, situated at Khudiram Bose Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27—376GI/78

(1) Sri Sanat Chakraborty.

(Transferor)

(2) Sri Krishnapada Das Gupta.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided $\frac{1}{4}$ share of all that piece and parcel of land measuring 1 cottah 8 chittaks together with five storied building thereon situated at 64/30A, Belgachia Road now known as Khudiram Bose Sarani, Calcutta more particularly as per deed No. 1130 dated 2-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Sanat Chakraborty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Supta Das Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-38/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 64/30A, situated at Khudiram Bose Sarani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Undivided $\frac{1}{4}$ share of all that piece and parcel of land measuring 1 cottah 8 chittaks together with five storied building thereon situated at 64/30A, Belgachia Road now known as Khudiram Bose Sarani, Calcutta more particularly as per deed No. 1131 dated 2-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Rabindra Nath Mukherjee.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bengal Saws & Steel Products Ltd.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Ref. No. AC-39/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I. S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 25, situated at Nilgunge Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of garden land measuring an area of 4 bighas 4 cottahs and 3 chittaks situated at 25, Nilgunge Road in Kamarhati Municipality, P.S. Belgharia Dist. 24-Parganas more particularly as deed No. 1716 dated 31-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 1-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Anil Behari Mallick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Anil Kumar Paul
Sri Sunil Kumar Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 1st November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-40/Acq R-IV/Cal/78-79.—Whereas I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 265/20, situated at Gopal Lal Tagore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4 cottahs 8 chittaks together with two storied building thereon situated at 265/20, Gopal Lal Tagore Road, P.S. Baranagore, 24-Parganas more particularly as per deed No. 1310 dated 11-3-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 3rd November 1978

Ref. No. 414/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/22, situated at Jheel Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Alipore on 13.3.1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Anath Bandhu Dutta,
3/77, Vivek Nagar,
Calcutta-32.

(Transferor)

(2) Bibhuti Kumar Mitra,
5/92, Netaji Nagar,
Jadavpur, Calcutta-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring three cottahs more or less together with a three storied building situated at 11/22, Jheel Road, Calcutta-32.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 3.11.1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta-16, the 6th November 1978

Ref. No. 415/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 'H' on 2nd floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10.3.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P) Ltd.,
6, Harrington Street, Calcutta.

(Transferor)

- (2) Binla Devi Khandelwal,
201, Maharshi Debendra Road,
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 'H' on the 2nd floor of the building named "Jay Jayanti" situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta-16.

Date : 6.11.1978.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bagree Estates (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Gordhandas Bagree and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1978

Ref. No. St.470/TR-279/C-268/Cal-1/77-78.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54, situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5 Got. Place North Calcutta on 4-3-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storeyed brick built house being the premises No. 54 Ezra St. Calcutta situated on a plot of land measuring 1 Bigha 1 cottaha and Registered before the Registrar of Assurance Calcutta vide No. 1-2276 P Dated 4-3-78.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 7-11-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 13th November 1978

Ref. No. 419/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57A situated at Hindustan Park, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore on 30-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Uma Banerjee,
17/1C, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferors)

- (2) Sri Ashutosh Mukherjee Smt. Manju Mukherjee,
both of 2/1/B, Hindustan Park, Calcutta.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel land admeasuring 4 cottah 9 chatacks 40 sq. ft. together with structures built therein being portion of land situated at premises No. 57A, Hindustan Park, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, (3rd Floor),
Calcutta-16.

Dated : 13-11-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Bhaitabal w/o. Madhavdas,
R/o. 59, Juna Risala, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1150/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28—376 GI/78

- (2) Smt. Ramadevi Ghadge w/o. Narayanrao Ghadge,
R/o. 6, Chhipa Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion of plot No. 27/3, at Radha Nagar Extension Colony, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1051/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 13-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nandkishore s/o Ramratanji,
R/o Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Ashok Kumar s/o Sripalji;
(2) Shri Vijaykumar s/o Sripalji Badjatya,
both R/o 97, Biyabani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23/1, at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Tarabai wd/o Shri Chandra Shekhar Kekra;
 (2) Shri Avinash Chandra Shekhar Kekra; and
 (3) Shri Jivan Chandra Shekhar Kekra,
 R/o New Palasia, Indore (Transferors).

(Transferor)

- (2) (1) Shri Vijaysingh s/o Ratanlal Chaudhary and
 (2) Shri Shailendrasingh s/o Ratanlal Chaudhary,
 R/o Maheshwari Gali Dewas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1152/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3, St. No. 5, at Palasia Hana, Indore.

D. C. GOEL,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shivadayal
s/o Shri Kadorelal Sahu,
r/o H. No. 26, Sadhu Nagar, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Omprakash
s/o Shri Pannalalji Somani,
r/o H. No. 36, St. No. 2, Chippal Bakhel,
Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1153/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
being the competent authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, (1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 9-3-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transfer to pay tax under the said Act, in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. 27, at Sadhu Nagar, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 27-10-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1154/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- House situated at Indore and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-3-1978

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hajarimal
s/o Shri Tilokchand Patni

(Transferor)

- (2) Smt. Manakbai
w/o Shri Hajarimal Jain,
r/o H. No. 7, St. No. 2
Parsi Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. House No. 7, St. No. 2, at Parsi Mohalla, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1155/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daryavsingh
s/o Shri Ramprasadji Verma,
r/o 76, Rupram Nagar Colony,
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagannath
s/o Shri Radhakrishnaji,
2. Smt. Mathurabai
wd/o Shri Radhakrishnaji,
r/o H. No. 75, St. No. 2,
Raoji Bazar, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 76, situated at Rupram Nagar Colony, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1156/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 8-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rakmanlal
s/o Shri Jankiprashadji Bavari,
owner of M/s. Shubhkaran Prahladdas,
14, Chhota Sarafa, Indore.
- (2) M/s. Raj Transport Co.,
through its partner
Shri Ramniwas
s/o Shri Mangilalji Goyal,
r/o 51, Malipura, Juni Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15/2 at Kadavghat, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978
Scal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1157/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Gitabai
w/o Shri Radhakishan,
2. Shri Radhakishan
s/o Shri Jhotalal,
3. Shri Babulal & Shri Kailashchandra s/o
Shri Radhakishanji
(Transferor)
all r/o Mpl. H. No. 108,
R.N. Tagore Marg, Indore.
(2) Smt. Basantidevi
w/o Shri Ranganathji Kakani,
r/o H. No. 10, St. No. 4,
Murari Mohalla, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. H. No. 108, Ravindra Nath Tagore Marg, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978
Seal :

FORM ITNS ———

- (1) Smt. Ushadevi
w/o Shri Vikram Sen Rao, Matkar,
r/o 5 Race Course Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Smt. Pushpadevi
w/o Shri Navratandas Lodha,
r/o 68, Padhrinath Marg,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 27th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1158/78-79.—Whereas, I,
D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ground Floor of H. No. 306 (Old No. 19) at Jawahar Marg, Indore.

D. C. GOEL,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1159/78-79.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lalitabai w/o Shri Rajendra Menon, r/o 5, Race Course Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Mithalal s/o Mehtachand Raka, r/o 4/7, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of H. No. 305 (Old No. 18) at Jawahar Marg, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1160/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jaora (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaora on 31-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Virendrakumar, 2. Shri Pukbraj, 3. Shri Dilipkumar all sons of Shri Surajmalji & 4. Smt. Mankumar wd/o Shri Surajmalji Mahajan, all r/o Jaora (at present residing at Anand Bhawan, Jalpur).

(Transferors)

- (2) 1. Shri Pavankumar, 2. Shri Manaklal and 3. Shri Mahendrakumar, all sons of Shri Fatehlalji Mahajan, r/o Jawahar Peth, Jaora.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house bearing Mpl. No. 92, at Kothi Bazar, Jaora.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1161/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khandwa on 21-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Prabhakar Raut & 2. Shri Sharadkumar Raut, both sons of Dr. Sadashivrao Raut, r/o Padawa Wd. No. 19, Khandwa.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Radheysaym & 2. Shri Harigopal, both sons of Shri Ramprasadji Agarwal, r/o Padawa Wd. No. 19, Khandwa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied house H. No. 11 & 12 Block No. 11, situated at Padawa Wd. No. 19, Khandwa.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Sqn. Leader Shri Prakash Narayan Nagu, r/o 138, North Avenue, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mrs. Shirin C. Seth, 2. Dinesh C. Seth and Master Sanjay C. Seth, through mother guardian Mrs. Shirin C. Seth, r/o B. No. 93, Mhow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1162/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing no. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 17-3-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 1, forming part of S. No. 763/L, in village Khajrana, Old Palasia, Indore.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishnakumar Gamkhar s/o Shri Tribhuwan Krishna Gamkhar, r/o 88, Rabindra Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1163/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. Mrs. Shirin C. Seth, 2. Dinesh C. Seth, & 3. Master Sanjay C. Seth, through mother guardian Mrs. Shirin C. Seth, r/o B. No. 93, Mhow.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 2, forming part of S. No. 763/L, in Village Khajrana, Old Palasia, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 27-10-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lilabhai w/o Laxmandasji, 30, Bairathi Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1164/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 24-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) 1. Shri Somnath s/o Mukundram & 2. Smt. Shanti-devi w/o Mukundram, r/o 3, Bairathi Colony, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 30, at Bairathi Colony, Indore.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Laxminarayandas s/o Rishikeshdas, r/o Shankar Nagar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khushrang Batra s/o Laxmichand Batra, r/o Kumhari, Teh. & Dist. Durg.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1165/78-79.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 27-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Khasra No. 37/5, P.H. No. 110, at Gram Shankar Nagar, Raipur.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1166/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewa on 20-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Maharao Kamlakarsingh, r/o Shankargarh, Teh. Kardhana, Dist. Allahabad, (at present residing at Katghar, Mutthiganj, Allahabad).

(Transferor)

(2) Shri Harimohan Gupta s/o Gurudev Gupta, r/o Venkat Road, Rewa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1011 (Part), at Venkat Road, Rewa.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1167/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Rewa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Rewa on 20-3-78 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Maharao Kamlakarsingh, r/o Shankargarh, Teh. Kardhana, Dist. Allahabad, (at present residing at Katghar, Mutthiganj, Allahabad).

(Transferor)

(2) Shri Gurudev Gupta s/o Shri Mannulal Gupta, r/o Venkat Road, Rewa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1011 (Part) at Venkat Road, Rewa.

D. C. GOEL.
Acquisition Range, Bhopal
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1168/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 15-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Harbhajanlal, r/o Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Dr. J. P. Pahwa, r/o Ranjhi, Jabalpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 374, at Ranjhi, Jabalpur.

D. C. GOEL,
Acquisition Range, Bhopal
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 27-10-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1169/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 4-4-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) 1. Shri Bhimandas s/o Sewaram & 2. Shri Gangaldas s/o Bhimandas, r/o Idgaha Bhatta College, Ward, Raipur.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Mohanlal (minor) through Guardian father Shri Srikishan Agarwal & 2. Shri Bajrangbali s/o Shri Chhabildas, r/o Kesinga, Teh. Bhawani Patna, Dist. Kalahandi, (Orissa).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house bearing Municipal No. 19/998/999 19/1000 (New No. 22/251) at Jorapara Baraipaṛa, Raipur.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1170/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. house situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 31-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Jagdish s/o L. R. Gulati, Prof. E.N.T. Gandhi Medical College, Bhopal.

(Transferor)

- (2) Shri Nakul Sen Puri (N. S. Puri) s/o Lachhman Dass Puri, Modern Fabricators, Govindpura Industrial Estate Area, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the office Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house on Plot No. 10, E-1 Sector, Arora Colony, Bhopal.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madhukar s/o Sridhar Ghorgaonkar, r/o Maheshwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1171/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. Land situated at Vil. Larvi, Teh. Maheshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maheshwar on 23-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Nawal s/o Babulal Bharud, r/o Village Larvi, Teh. Maheshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 19.16 acres in village Maheshwar.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dinkar s/o Sridhar Ghorgaonkar, r/o Maheshwar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) ShriShri Vallabh s/o Babulal Bharud, r/o Village Ladvi, Teh. Maheshwar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1172/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. Land situated at Maheshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maheshwar on 21-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agl. land admeasuring 19.15 acres in village Maheshwar.

D. C. GOEL,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gopal s/o Sridhar Ghorgaonkar, r/o Maheshwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Khemram s/o Ranchod Bharud, r/o Village Khaperkhara, Teh. Kukshi, 2. Shri Ghanshyam & 3. Shri Ganesh, both minors, through guardian Karta Shri Sigdar s/o Ramchand Bharud, r/o Vil. Ladvi, (now Gandhi Nagar), Maheshwar.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1173/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Vil. Ichakpura, Teh. Maheshwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at—
Maheshwar on 2-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 16.28 acres in village Ichakpura, Teh. Maheshwar.

D. C. GOEL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 27-10-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th October 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1174/78-79.—Whereas, I D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot & Bldg. situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 27/31-5-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

31—376GI/78

(1) 1. Smt. Ramkumaribai w/o Shri S. K. Verma; Shri Ajitkumar & Shri Bhawanilal, all r/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferors)

(2) 1. Shri Sahadatkhani s/o Abdul Rehman Khan and 2. Smt. Hazarabi, both r/o Hanumantal, Jabalpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 15386 Sqft. with incomplete building—Part of Khasra No. 22/2, at Mouza Baitla, S. No. 52, Teh. & Dist. Jabalpur.

D. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 27-10-1978.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Madhav Dinkar Dhamankar R/o 53/2, Kalali Mohalla, Sanyogithaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1175/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Southern portion of house No. 53/2 Shradanand Marg, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd November, 1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1176/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Phophnar Kala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 20-3-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajmal Hussain S/o Abbas Ali, Manager R/o Mohalla Kherati Bazar, Burhanpur.
(Transferor)
(2) Shri Gopal (Minor) S/o Jagannath R/o Phophnar Kala, Teh. Burhanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 12.33 Acres Kh. No. 25 situated at Mouza Phophnar Kala, Teh. Burhanpur.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2nd November, 1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Sheikh Janglu 2. Shri Sheikh Afzal (Minor) both sons of Shri Gyasuddin R/o Palasur, Teh. Burhanpur.

(Transferor)

- (2) Shri Liladhar (Minor) S/o Prahlad Through guardian mother Smt. Parwati Bai W/o Prahlad R/o Gram Palasur Teh. Burhanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1177/78-79.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Palasur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 6-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Rakba 15.38 acres Kh. No. 147 with well, electric connection and 2 Mahuwa Trees situated at gram palasur, Teh. Burhanpur.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2nd November, 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/78-79/1178.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land, House situated at Gram Girver (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shajapur on 22-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Inayat Hussain S/o Khan Saheb Lukman Bhai R/o Ujjain.

(Transferor)

(2) Anjuman Jani Bohara Jamat Committee Shajapur through its President Shri Amil Saheb, Ibrahim Bhai Bohara R/o Shajapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Rakba 3.668 Hecters Kh. No. 864 and 865 with house No. 7, 8 Ward No. 9 and well and boundary will be situated at Village Girwar, Shajapur.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 2nd November, 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dinesh S/o Devdutt Kulmi, resident of Kuwa, Tehsil Rajpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

(2) Shri Shivram S/o Mangilal and 2. Shri Pratapsingh S/o Shiva Bhilala resident of Village Devla, Tehsil Rajpur, Dist. Khargone.

(Transferee)

Bhopal, the 2nd November 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1179.—Whereas, I B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri/Land situated at Balgaon village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Rajpur on 30-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land Rakba 15-75 acres at village Balgaon, Tehsil Rajpur.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd November, 1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Durgeswar Das,
Jhalukbari, Gauhati

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Eastern Tea Brokers (P) Ltd.,
Gauhati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX (C.A.)
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 7th October 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Ref. No. A-193/Gau/78-79/2464-65.—Whereas, I, S.
MAJUMDARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Dag No. 214, Patta No. 19

situated at Village Mukminigaon Mouza Beltela, Gauhati
Dist. Kamrupand more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Gauhati on 3-3-78for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bigha situated at Village Mukminigaon,
Mauza Beltela Gauhati in the district of Kamrup (Assam).

S. MAJUMDAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.)

Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 6-10-78

Seal :

OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL
OF INDIA

New Delhi, the 5th December 1978

ADVERTISEMENT

No. 2583-NGEIII/60-NGEII/78.—Applications are invited for appointment as Section Officers in the Subordinate Accounts Service (Commercial) (on Probation) of the Indian Audit and Accounts Department.

No. of vacancies

100—120 Reservation 15% for Scheduled Castes, 7½% for Scheduled Tribes and 10% for Ex-Servicemen, for which a certificate from the prescribed authority will be necessary.

Qualifications & Experience :

Chartered Accountants or Cost and Works Accountants, First or Second Class M. Com. or B. Com (Hons) or First Class B. Com (Pass). For S.C./S.Ts. the minimum qualification will be a University Degree in Commerce.

Departmental candidates, other than those who are already working as Section Officers, who possess above qualifications or non-commercial qualifications of above mentioned standards can also apply.

Age as on 1-3-1979 :

30-years for Chartered Accountants and Cost and Works Accountants and 25-years for others, relaxable for SC&ST candidates by 5-years and upto the age of 35-years for Departmental Candidates who have worked as Auditors continuously for 3-years or more in the I.A. & A.D.

Entrance Examination :

Candidates other than Chartered Accountants and Cost and Works Accountants will have to appear for an Entrance Examination, scheduled to be held in last week of May 1979, consisting of the following papers :—

- (a) Business Organisation;
- (b) Mercantile Law and Company Law;
- (c) Advance Book Keeping;
- (d) Auditing; and
- (e) Cost Accounting and Factory Organisation.

Salary :

In Pay scale of Rs. 500—20—700—EB—25—900. Initial pay for Chartered Accountants and Cost and Works Accountants : Rs. 620/- P.M. plus usual allowances like Dearness Allowance, House Rent Allowance, City Compensatory Allowance etc. as per Government Orders. For others : Rs. 500/- P.M. plus usual allowances. Medical and other benefits will also be admissible as per Government Order.

Place of Posting :

Anywhere in India or abroad.

Terms & Conditions of service :

These may be seen in the Gazette of India Part-III Section-I dated 16th December 1978 or obtained from this office by post.

Probation period :

Two years.

Application setting out full details of address, age, qualification, nationality and experience with attested copies of testimonials in support of age and qualification should be sent in a closed cover superscribed "APPLICATION FOR THE POST OF SECTION OFFICER (ON PROBATION)" to the Asstt. Comptroller and Auditor General (N), 10, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 so as to reach him not later than 31st January 1979. Candidates working in Government offices/Public Sector Undertakings should route their applications through proper channel.

NOTE : The Comptroller and Auditor General reserves the right to screen the applications if the number of applications will be unduly large and not to entertain the application of applicants who do not come up to the minimum standard that might be laid down by him.

Conditions of Appointment of Section Officers (Commercial on Probation) in the Indian Audit and Accounts Department.

1. *Domicile* :—An applicant must be

- (a) a Citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962, with the intention of permanently settling in India,
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, (on or after 1-6-1963), Sri Lanka (on or after 1-11-1964) East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam due to constitutional changes, with the intention of permanently settling in India.

Provided a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by Government of India. Such a candidate will, however be admitted to the entrance examination interview but the offer of appointment on selection, will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued by the Government of India.

2. *Age*.—The age of applicants should not exceed 25-years on 1-3-1979 (30-years in the case of Chartered Accountants and Costs and Works Accountants). Upper age limit is relaxable :—

- (a) upto 5-years for Scheduled Castes/Tribes candidates as well as bonafides displaced goldsmiths, blind, deaf, mute and orthopaedically handicapped persons. Applications from SC/STs should be supported by attested copies of Matriculation or School Leaving Certificate showing the date of birth.
- (b) upto 3-years in addition to period of service rendered in the case of Ex-serviceman who have put in not less than 6-months service in the Armed Forces.
- (c) upto 50-years for residents of Goa, Daman and Diu.
- (d) upto 45-years in respect of persons of Indian origin who were employed in East African Countries of Kenya, Tanzania and Uganda, Displaced persons from East Pakistan who have migrated to India on or after 1-1-1964 (subject to production of refugee certificate) and repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated from that country on or after 1-6-1963 and 1-11-1964 respectively.
- (e) upto the age of 35-years in the case of departmental Auditors if they have rendered not less than three years continued service in the I.A.&A.D.

NOTE : (i) A displaced person from Pakistan should produce an attested copy of the certificate of Registration issued by the Ministry of Rehabilitation.

(ii) A displaced person from East Pakistan should produce an attested copy of the certificate from the Camp Commandant of the Transit Centre/Relief Camp. or the Distt. Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he/she is a bonafide displaced person from East Pakistan.

(iii) A repatriate from Burma, Sri Lanka East African countries of Kenya, Uganda the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam should produce the identity certificate issued to him/her by the Embassy/High Commission of India in the country concerned that he/she is bonafide repatriate from that country.

3. *QUALIFICATIONS*.—Applicants, other than from Scheduled Castes/Tribes candidate should have any of the following academic qualifications :—

- (a) Qualified Chartered Accountants.
- (b) Qualified Costs and Works Accountants.

- (c) First Class-B. Com (Pass).
- (d) First or IIInd Class B. Com. (Hons.).
- (e) First or 2nd Class M.Com.

In the case of SC/ST candidates the minimum qualification will be a University Degree in Commerce.

Departmental candidates of I.A.&A.D., other than those who are already working as Section Officers who possess the above qualifications are also eligible to apply. Departmental candidates with non-commercial qualifications of the above mentioned standards may also apply.

4. *Form of Application* : All applications should contain the following particulars :—

- 1. Name in full (Block letters).
- 2. Father's Name and Occupation.
- 3. Postal Address (subsequent changes should be promptly intimated).
- 4. Nationality.
- 5. Whether member of SC/ST.

If so, give name of SC/ST duly supported by a certificate from Distt. Magistrate or Sub-Divisional Officer etc. in the prescribed form.

- 6. Place and date of birth (Christian Era) supported by an attested copy of the Matriculation or School Leaving Certificate showing the date of birth.
- 7. Educational Qualifications (Full particulars in each Examination from Matric/SSLC onwards indicating maximum marks for each paper or subject and marks actually secured, with totals and Divisions obtained, duly supported by attested copies of certificates. Name of Institutions attended also to be indicated).
- 8. (a) Year in which the candidate appeared in the All India Competitive test (all roll number and marks secured and position).
- (b) If appeared, whether called for interview?
- 9. Previous experience of work, if any, (Details of employment to be indicated).

NOTE : (1) Applications not supported by the above particulars are liable to be rejected.

(2) Candidates who are employed in Central/State/Union Territory Adms./Public Sector Undertakings should apply through proper channel only. Advance copies of applications will not be entertained.

5. *TESTIMONIALS*.—Applications should be accompanied by two testimonials of character by Gazetted Officers or Magistrates who are not related to the applicants. A Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates should produce a certificate in original that he belongs to one of the S/Castes or S/Tribes (mentioning the Caste or Tribe) from the District Magistrate or sub-Divisional Officer of the place in which his parent (or surviving parent) ordinarily resides on the date of his application or if both his parents are dead, of the place in which he himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education; or from other authorised officers. The selected candidates shall, however, before appointment, be required to produce one certificate of character duly attested by a Distt. Magistrate or a Sub-Divisional Officer of their superior officers.

6. *LAST DATE FOR APPLICATION*.—All applications must reach the office of the Comptroller and Auditor General of India, New Delhi on or before 31st Jan. 79. Applications received after that date will not be considered. This will apply also in the case of applications required to be sent through proper channel by the candidates who are employed in Central/State Governments/Union Territories and Public Sector Undertakings.

7. ENTRANCE EXAMINATION AND INTERVIEWS :

Candidates, other than Chartered Accountants and Costs and Works Accountants will be required to appear in an Entrance Examination, to be held at Headquarters station of

all the offices of the Accountants General in India, tentatively scheduled to be held in the last week of May, 1979. The Examination will consist of the following papers :—

- (a) Business Organisation.
 - (b) Mercantile Law and Company Law.
 - (c) Advance Book Keeping.
 - (d) Auditing.
 - (e) Cost Accounting and Factory Organisation.
- The final selection will, however, be done after interview by the Selection Board.

The selection of Chartered Accountants and Costs and Works Accountants will be made through process of an interview only. Candidates shall have to appear before a Selection Board for interview/appear in the Entrance Examination at their own expense except for those belonging to SC/ST. The Centres of interviews/Entrance Examination will be intimated to candidates. In the case of SC/ST candidates, single IIInd class Passenger Train rail fare to and fro by the shortest route will be paid.

8. *PROBATION AND TRAINING*.—The period of probation will normally be two years. During the period of probation they shall have to undergo a regular course of training at such place and in such manner as may be prescribed. They may also be assigned regular duties during the period.

9. *DEPARTMENTAL EXAMINATION AND CONFIRMATIONS*.—(a) On completion of training, an examination will be conducted in the following subjects :

- (i) Precis and Drafting.
- (ii) Fundamental Rules, Pension Rules, etc.
- (iii) Civil Accounts and Audit including Central Public Works Accounts.
- (iv) Introduction to Government Accounts and Audit, Treasury Rules and General Financial Rules.

Candidates who pass this examination will be posted as regular Section Officers. Those who fail are liable to be discharged from service.

(b) The selected persons will also be expected to pass while in service :

- (i) a test in Hindi (in case they have not already read Hindi upto matriculation standard) in terms of Government of India orders for in-service training, etc. under Hindi Teaching Scheme.
- (ii) a test in Regional language of the State to which they are initially posted as Section Officers.

(c) On satisfactory completion of probation, he will be eligible for confirmation subject to availability of permanent vacancies. His confirmation is also subject to his being considered fit in all respects for permanent retention in the service. His confirmation in the SAS cadre will not, however, give him any special claim to seniority. The seniority of direct recruits to the cadre *vis-a-vis* departmental candidates passing regular SAS (Commercial) Part II will be fixed in accordance with the seniority rules as at present, *viz.*, para 184 of C&AG's M.S.O. (Admn.) Vol. I. The Seniority of direct recruits passing the same examination amongst themselves will be fixed as under :—

- (i) The Chartered Accountants as a class will rank seniormost, *inter-se* seniority among them being fixed by the Selection Board at the time of recruitment.
- (ii) The costs & Works Accountants as a Class will be ranked below the Chartered Accountants, *inter-se* seniority among them being in accordance with the position given to them by the Selection Board at the time of recruitment.
- (iii) Other open market candidates (including departmental candidates) vide para 3 above as a Class will rank next in seniority to Chartered Accountants and Costs and Works Accountants, the *inter-se* seniority among them will be fixed in accordance with the rank obtained by them in the Entrance Examination.

10. *POSTING*.—The Section Officers (on probation) are being recruited mainly for the Commercial Audit offices in the Indian Audit and Accounts Department. The final allotment to various offices will be made by the Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial). The candidates will be liable to be posted to any office of the IA&AD in India and abroad.

11. All persons at the time of appointment will be required to give an undertaking in writing to the effect that during the period of their probation they will neither apply for any appointment elsewhere nor sit for any examination to qualify for other appointments.

12. *SCALES OF PAY*.—The Section Officers (on probation) will be allowed pay at the rate of Rs. 500/- p.m. plus allowances as admissible from time to time. In the case of Chartered Accountants and Costs and Works Accountants, this will be Rs. 620/- p.m. They will get their normal increments in the scale of Rs. 500—20—700—EB—25—900. The first increment will accrue after one year from the date of their Regular posting as Section Officer (Audit and Accounts) after they have passed the departmental examination.

Note : On posting to an Audit and Accounts Office, either for training or otherwise, the Head of Department in relation to that office will exercise all powers in the same way as he would have done, had the appointment been *ab-initio* made by him.